CMYK

अधिकतम : 19°C
न्यूनतम : 09°C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

नई दिल्ली, बुधवार 11 फरवरी 2026 राष्ट्रीय संस्करण: वर्ष 23 अंक 311 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2082 22 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

विदेशी निर्भरता से किसान बर्बाद, भाजपा किसान विरोधी : अखिलेश पेज 2

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार का फैसला लिया वापस खेल टाइम्स

मूलभूत विज्ञान की सबसे बड़ी भूमिका सम्पादकीय

शबाना महमूद होंगी ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री ! पेज 12

संक्षिप्त समाचार

अब एआई-जनित सामग्री की देनी होगी स्पष्ट जानकारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि ये प्लेटफॉर्म एआई-जनित सामग्री पर स्पष्ट रूप से लेबल (वाटरमार्क) लगाएं। ऐसी सामग्री में पहचान के लिए संकेत जरूर होने चाहिए। सरकार ने कहा कि एक बार एआई लेबल या मेटा डाटा लगाने के बाद उसे हटाया या दबाया नहीं जा सकता। सरकार ने कहा कि अब मानव निर्मित या कृत्रिम रूप से बनाई गई जानकारी को स्पष्ट रूप से पहचान योग्य लेबल के साथ दिखाना अनिवार्य होगा। इसमें ऑडियो, वीडियो, फोटो या ग्राफिक सहित किसी भी डिजिटल सामग्री को शामिल किया गया है, जिसे कंप्यूटर या किसी संसाधन से बनाया गया, संशोधित किया गया या बदला गया हो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी यूजर ऐसी सामग्री का गलत इस्तेमाल न करे। अगर कोई यूजर गैरकानूनी, अश्लील, धोखाधड़ी या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री बनाए या साझा करे, तो प्लेटफॉर्म्स उसे रोकने के लिए स्वचालित तकनीक का इस्तेमाल करेंगे।

दिल्ली में एक्यूआई 267 के साथ खराब श्रेणी में पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 267 के साथ 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। राजधानी के कई हिस्सों में मंगलवार सुबह धुंध की एक परत दिखाई दे रही थी, जबकि आनंद विहार, बवाना और नरेला जैसे इलाकों में एक्यूआई 'बहुत खराब' बताया गया, जिससे सेहत को लेकर नई चिंताएं बढ़ गईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के मुताबिक मंगलवार सुबह एक्यूआई सोमवार की 206 से काफी ज्यादा था। सुबह करीब सात बजे, दिल्ली का औसत एक्यूआई 267 था। सबसे ज्यादा प्रभावित जगहों में, आनंद विहार में एक्यूआई 317 दर्ज किया गया, जबकि बवाना में 333 रिकॉर्ड किया गया और यह राजधानी के सबसे वायु प्रदूषित इलाके हैं।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं। हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी। उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई-एम और सीपीआई के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने

■ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई-एम व सीपीआई के नेताओं ने याचिका की दायर

कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा, यही है असली बीजेपी, सामूहिक हत्यारे

कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा कि यही है असली बीजेपी: सामूहिक हत्यारे। यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी। उन्होंने पूछा कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वीडियो वायरल होने के बाद संगठन के प्रभारी कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर बीजेपी की आलोचना की।

वेणुगोपाल ने एक्स पर कहा कि एक आधिकारिक बीजेपी हैंडल ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अल्पसंख्यकों की टारगेटेड, प्वाइंट-ब्लैंक हत्या दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि यह नरसंहार का आह्वान

■ यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी

करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में 4 से 5 लाख मियां मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि हिमंता बिस्व सरमा और भाजपा सीधे तौर पर मियां समुदाय के खिलाफ हैं। उन्होंने लोगों से मियां समुदाय को परेशान करने की अपील की। उनका कहना था कि जब तक उन्हें परेशानी नहीं होगी, वे असम नहीं छोड़ेंगे। मियां बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक अपमानजनक शब्द है। असम सीएम के मुताबिक वे मूल निवासियों के संसाधनों, नौकरियों और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। तिनसुकिया जिले के डिगबोई में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से सरमा ने कहा वोट चोरी का मतलब यह है कि हम कुछ मिया वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं। आदर्श रूप से उन्हें असम में वोट डालने की अनुमति नहीं होनी चाहिए, बल्कि बांग्लादेश में वोट देना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए उनके खिलाफ कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार नोटिस लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया है। नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या 99 है। विपक्ष के लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध दायर इस अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में लगाए गए आरोपों की जांच होगी। नियमों के अनुसार जांच प्रक्रिया के बाद इस नोटिस पर आगे की कार्यवाही को लेकर सचिवालय विचार करेगा। सूत्रों के

नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर, लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या 99

प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला, नौ मार्च को चर्चा की संभावना

अविश्वास प्रस्ताव में हुई बड़ी चूक

2026 की जगह लिखा 2025

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्ष की कोशिश उस समय अटक गई, जब प्रस्ताव के नोटिस में तकनीकी खामियां पाई गईं। नोटिस में वर्ष 2026 की जगह बार-बार 2025 लिखा गया था, जिसे गंभीर प्रक्रियागत चूक माना गया। इसके बाद कांग्रेस को संशोधित नोटिस के साथ प्रस्ताव दोबारा जमा करना पड़ा। प्रक्रियागत नियमों के अनुसार, ऐसे किसी भी प्रस्ताव में सभी जानकारियों का सटीक और तथ्यात्मक रूप से सही होना अनिवार्य होता है। साल की गलती सामने आने के बाद नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया, जिससे विपक्ष को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। यह मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि हाल ही में तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए एक प्रस्ताव को भी तकनीकी कारणों से खारिज कर दिया गया था।

अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस श्री बिरला को पद से हटाने के लिए अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया है। उन पर आरोप लगाया गया है कि वह सदन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं। नोटिस में कहा गया है कि वह सत्ता पक्ष के सदस्यों को पर्याप्त समय सदन में बोलने का देते हैं, जबकि विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने का मौका तक नहीं दिया जाता है और बार-बार और अनावश्यक रूप से उन्हें रोका तथा टोका जाता है। इसमें दो -शेष पृष्ठ दो पर

पेंग्विन रैंडम हाउस ने कहा: अभी प्रकाशित नहीं हुई नरवणे की किताब

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में चल रहे जनरल मनोज नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' से जुड़े विवाद के बीच पुस्तक के प्रकाशक पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि उसके पास इस किताब के प्रकाशन अधिकार हैं और उसने अब तक इसे किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं किया है।

प्रकाशक ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि जनरल नरवणे का संस्मरण डिजिटल रूप या प्रिंट रूप में न तो जनता के सामने रिलीज़ किया गया है, न बेचा गया है और न ही वितरित किया गया है। पीआरएचआई ने चेतावनी दी कि किताब का प्रिंट या पीडीएफ स्वरूप साझा करना उसके कॉपीराइट का उल्लंघन होगा। प्रकाशक ने कहा कि वह बिना इजाज़त के इस पुस्तक का वितरण करने वालों के खिलाफ़ उचित कानूनी कार्रवाई करेगा। बयान में कहा गया कि अपनी स्थिति साफ करने के लिए स्पष्टीकरण रिकॉर्ड में रखा जा रहा है। यह विवाद

किताब पर जनरल नरवणे की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में गतिरोध जारी है। इसी बीच पूर्व सेना प्रमुख ने विवाद पर विराम लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किताब से संबंधित प्रकाशक पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया के आधिकारिक बयान को रीपोस्ट किया। इससे पहले प्रकाशन ने कहा था कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति मुद्रित या डिजिटल रूप में प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है।

मुझे लगता है जनरल नरवणे सही बोल रहे हैं : राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा है कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के प्रकाशन को लेकर भ्रम की जो स्थिति सामने आई है उसमें सही वही लगता है जो जनरल नरवणे कह रहे हैं। श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि पूर्व सेना प्रमुख कहते हैं कि किताब छपी है और इसे ऑफलाइन खरीदा जा सकता है जबकि पुस्तक के प्रकाशक पेंग्विन इसके प्रकाशन से इन्कार करता है। दुविधा की इस स्थिति में उन्हें लगा है कि पूर्व सेना प्रमुख सही बोल रहे हैं।

पिछले हफ्ते तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा लेते हुए अपने भाषण के -शेष पृष्ठ दो पर

सम्भल प्रकरण: एएसपी अनुज चौधरी को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल की सीजेएम अदालत द्वारा एएसपी अनुज चौधरी समेत पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने तत्कालीन कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर को भी राहत प्रदान की है।

न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने 9 जनवरी को पारित संभल सीजेएम न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हुए शिकायतकर्ता यामीन से दोनों याचिकाओं पर जवाब दाखिल

■ कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर को भी मिली राहत

करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई पांच सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि संभल के सीजेएम विभांशु सुधीर ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत एएसपी अनुज चौधरी सहित 20 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था।

असम में फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित, 2.43 लाख नाम कटे

गुवाहाटी। चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी।

ईसी के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए

■ राज्य में अब 2.49 करोड़ वोटर्स, असम में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं

हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं। स्पेशल रिवीजन की इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 27 दिसम्बर 2025 को पब्लिश हुई थी। इस पर 27 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां करने का समय था। असम की 126 विधानसभा सीटों पर अगले तीन महीनों में चुनाव होने हैं। असमें 22 नवम्बर से 20 दिसम्बर 2025 तक पूरे राज्य में घर-घर (एच2एच) वेरिफिकेशन अभियान चलाया गया था। इससे पहले चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की टाइमलाइन में बदलाव करते हुए फाइनल पब्लिकेशन की तारीख 14 फरवरी 2026 तक बढ़ा दी थी।

मथुरा में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के महावन क्षेत्र स्थित खप्परपुर गांव में मंगलवार को एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में उनके घर से बरामद होने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान किसान मनीष, उनकी पत्नी सीमा और उनके तीन बच्चों के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुबह काफी देर तक घर से कोई बाहर नहीं निकला तो मनीष के भाई सुधीर को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया और कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर बेड पर मां और दो बच्चों के शव पड़े थे, एक बेटी का शव चारपाई पर मिला, जबकि मनीष का शव फर्श पर पड़ा था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला 'हत्या के बाद आत्महत्या' का प्रतीत हो रहा है। पुलिस के अनुसार आशंका है कि मनीष ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर सोते हुए तीनों बच्चों का गला घोंट दिया और अंत में स्वयं करंट लगाकर

■ प्रारंभिक जांच में मामला 'हत्या के बाद आत्महत्या' का प्रतीत हो रहा : एसएसपी

आत्महत्या कर ली। मौके पर खून के निशान भी मिले हैं। पुलिस को घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। कमरे की दीवार पर एक सुसाइड नोट लिखा मिला है, जिसमें मनीष और सीमा द्वारा अपनी मर्जी से जान देने की बात कही गई है और पुलिस से किसी को परेशान न करने का अनुरोध किया गया है। एक कागज पर भी कथित सुसाइड नोट मिला है। इसके अलावा मनीष के मोबाइल फोन से 48 सेकंड का एक वीडियो बरामद हुआ है, जिसमें उसने आत्मघाती कदम उठाने की बात कही है। हालांकि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस अन्य संभावित पहलुओं जैसे आपसी रंजिश या अन्य कारणों की भी गंभीरता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूजीसी नियमों ने उलझाई भाजपा की हिंदू एकजुटता की राजनीति

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा बीते कुछ समय से हिंदू मतदाताओं को धर्म के आधार पर एकजुट करने की रणनीति पर काम कर रही थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे, तो सेफ रहेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक रहेंगे तो नेक रहेंगे जैसे नारों के जरिये पार्टी जातिगत पहचान से ऊपर उठकर हिंदू वोट बैंक को मजबूत करने का प्रयास

■ नए नियमों ने रणनीति को झटका दिया, उप्र की राजनीति में नई असहजता पैदा कर दी

कर रही थी। हालांकि, केंद्र सरकार के अधीन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 2026 में जारी नए नियमों ने इस रणनीति को झटका दिया है और प्रदेश की राजनीति में नई असहजता पैदा कर

दी है। यूजीसी के नए नियमों में उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव रोकने के उद्देश्य से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान किए गए। लेकिन इन नियमों में फर्जी शिकायतों पर दंड का स्पष्ट प्रावधान न होने से सामान्य वर्ग, खासकर अगड़े समाज में नाराजगी देखने को मिली। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि इन नियमों पर अंतरिम रोक लगा दी है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि तब तक नुकसान हो चुका है। नियमों को लेकर पैदा हुए असंतोष ने एक बार फिर हिंदू समाज के भीतर जातिगत विभाजन को उजागर कर दिया है। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनावी मजबूती ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ और भूमिहार जैसे वर्गों पर टिकी रही है। इन्हें पार्टी का कोर वोटर माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

देश की हवाई पट्टियों पर निगरानी मजबूत करने का निर्देश

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने देश की विभिन्न हवाई पट्टियों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगरानी मजबूत करने का निर्देश दिया है। पिछले दिनों महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती हवाई पट्टी पर हुए विमान हादसे में मौत के मद्देनजर मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम महत्वपूर्ण है। नायडू ने यहां मंगलवार को नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा, नागर विमानन महानिदेशालय में महा. निदेशक फैज अहमद किदवई, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष विपिन कुमार और मंत्रालय तथा डीजीसीए के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक में यह निर्देश दिया।

सेशेल्स के राष्ट्रपति का आगरा दौरा रद्द

आगरा। सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डा. पैट्रिक हर्मिनी का मंगलवार को प्रस्तावित आगरा दौरा रद्द हो गया है। पुरातत्व विभाग के अनुसार राष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ ताजमहल का दीदार करने आगरा आने वाले थे, लेकिन आगमन से ठीक पहले कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं।

पप्पू को बेल, लेकिन जेल में ही रहेंगे

पटना। बिहार के पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने 31 साल पुराने मामले में जमानत दे दी है, लेकिन वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाने से जुड़े मामलों में पप्पू यादव को अभी जमानत नहीं मिली है। इन मामलों में बुधवार को सुनवाई होगी। तब तक पप्पू यादव पटना के बेऊर जेल में ही रहेंगे।

यूपी में दिव्यांग पेंशन तीन गुना बढ़ी

पात्र लाभार्थियों को मिलेगा सीधे लाभ: नरेन्द्र कश्यप

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने मंगलवार को विधान परिषद में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण, पारदर्शिता और समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विभाग की सभी योजनाएं टॉनलाइन, पारदर्शी और दलाल-मुक्त व्यवस्था के तहत संचालित की जा रही हैं, जिससे पात्र लाभार्थियों को सीधे लाभ मिल रहा है। नरेंद्र कश्यप ने सदन को बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वर्ष 2011 में चयनित जेटीसी ग्रेड शिक्षकों में से एलटी ग्रेड के 9 रिक्त पदों पर पदोन्नति हेतु 16 जुलाई 2025 को तथा एलटी ग्रेड से प्रवक्ता के 28 पदों के लिए 12 दिसम्बर 2022 को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को अध्याचन भेजा जा चुका है, जिस पर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वितरण कार्यक्रमों में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य है। यदि भविष्य में इस संबंध में कोई शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कश्यप ने बताया कि भारत सरकार के स्वावलंबन पोर्टल के माध्यम से यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा रहे हैं। आकांक्षी जनपद सिद्धार्थनगर में 31 जनवरी 2026 तक 24,414 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14,356 पात्र दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन, 153 लाभार्थियों को कुष्ठावस्था पेंशन तथा 321 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना का लाभ दिया गया है। 31 दिसम्बर 2025 तक कोई भी पात्र लाभार्थी लंबित नहीं है। वर्ष 2017 से पहले दिव्यांग पेंशन मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी, जिसे योगी सरकार ने बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले दिव्यांगजन एकीकृत सामाजिक पेंशन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

देश में रहना है, तो कानून का पालन करना सीखें: योगी

बाराबंकी, वार्ता

■ बाबरी ढांचा फिर से नहीं बनेगा, कानून तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कयामत की कामना करने वालों को अब समझ लेना चाहिए कि न तो कोई कयामत आने वाली है और न ही बाबरी ढांचे का निर्माण फिर कभी होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश में रहना है, तो कायदे से रहना सीखना होगा, क्योंकि कानून का पालन करने वाला ही लाभ में रहता है और कानून तोड़ने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री मंगलवार को दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के दुल्हदेपुर स्थित बाबा हरिशंकर दास की कुटी पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। यह सरकार जितना बोलती है, उतना ही करती है और उतना ही बोलती है जितना करने का संकल्प लेती है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी नहीं बनेगी और सरकार अपनी विरासत को निरंतर सशक्त करती रहेगी। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि 500 वर्षों बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कई सरकारें आईं और गईं, अनेक राजा-महाराजा हुए, लेकिन राम मंदिर का निर्माण नहीं हो सका। आज यह कार्य संपन्न हुआ है। उन्होंने कहा, ष्राम सबके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग अवसरवादी रवैया अपनाते हुए संकट के समय राम को याद करते हैं और शेष समय उन्हें भूल जाते हैं। ऐसे लोगों को अब आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कयामत की प्रतीक्षा करने के बजाय हिंदुस्तान में कानून का पालन करना सीखें। कानून मानेंगे तो लाभ में रहेंगे, अन्यथा कानून तोड़ने वालों का भविष्य अंधकारमय होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतवासी का ध्येय 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' होना चाहिए। देश वैभवशाली और विकसित बने, यही सरकार का लक्ष्य है।

प्रदेश ने जमीन से जुड़े और जनजातीय समाज के सशक्त नेताओं को खो दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन में शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने जमीन से जुड़े और जनजातीय समाज के सशक्त नेताओं को खो दिया है, जिनका जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान रहा। फरीदपुर (बरेली) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का निधन 2 जनवरी 2026 को 60 वर्ष की आयु में हुआ। वे दूसरी बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। योगी ने कहा कि प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल मिलनसार स्वभाव के और जमीन से जुड़े जनप्रतिनिधि थे।

खड़गे ने केंद्र पर संप्रभुता, किसानों एवं उद्योग से विश्वासघात का लगाया आरोप

किसानों की पीठ में घोपा गया छुरा: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ जीएम पशु आहार के आयात से देश के दो करोड़ किसानों और पशु धन को नुकसान होगा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिका के साथ हुए समझौते को 'ट्रैप डील' करार दिया और कहा कि इस समझौते की सच्चाई अब धीरे-धीरे सामने आ रही है और यह भारत के रणनीतिक, आर्थिक और कृषि हितों के खिलाफ है।

खड़गे ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स के जरिए आरोप लगाया कि रूसी तेल को लेकर भारत की रणनीतिक मामलों से समझौता किया गया है। उन्होंने इसे देश की संप्रभुता पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि किसानों के 'पीठ में छुरा' घोंपा गया है। पहली बार भारतीय कृषि को विदेशी उत्पादों के लिए पूरी तरह खोला गया है। व्हाइट हाउस के नए दस्तावेज में चुपचाप 'दालों' को शामिल किया गया, जो पहले संयुक्त बयान का हिस्सा नहीं थीं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने डेयरी क्षेत्र को लेकर भी चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि अमेरिकी आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) पशु आहार के आयात से देश के दो करोड़ दुग्ध किसानों और देशी पशुधन को नुकसान होगा। उन्होंने परिधान उद्योग पर असर का जिक्र करते हुए कहा कि जहां भारत पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क थोपा गया, वहीं बंगलादेश को शून्य शुल्क का लाभ दिया गया। खड़गे ने सवाल किया कि यह जीत है या फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की झूठी लोकप्रियता में लिपटी देशहित की कुर्बानी।

भाजपा सांसद के 'मिनी पाकिस्तान' कहने पर भड़के तृणमूल सदस्य

नई दिल्ली। राज्यसभा में भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य के कोल. काता बंदरगाह के एक हिस्से पर अवैध कब्जे का मुद्दा उठाते हुए उसे 'मिनी पाकिस्तान' कहने पर विपक्षी तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई और सदन के बीचों-बीच आकर नारेबाजी की। प्रश्नकाल शुरू होते ही भट्टाचार्य ने बालागढ़ लॉजिस्टिक्स परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए अंग्रेजी में अपना पूरक प्रश्न पूछा। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के बंगला भाषा में इसका जवाब देते हुए कहा कि यह परियोजना 900 एकड़ में होगी जिसमें कोलकाता के मौजूदा श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह की 300 एकड़ जमीन भी शामिल है।

विदेशी निर्भरता से किसान बर्बाद, भाजपा किसान विरोधी: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि खेती से जुड़ी हर चीज़ विदेश से आएगी तो देश का किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा और अपनी मेहनत की कमाई से परिवार कैसे चलाएगा। मंगलवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर अखिलेश यादव ने कहा कि जब किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा तो वह बच्चों की पढ़ाई, घर के बुजुर्गों का इलाज और बेटियों की शादी जैसे सामाजिक दायित्व कैसे निभा पाएगा। आज का पेट भरना मुश्किल होगा, तो कल के लिए बचत की उम्मीद करना बेमानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को नुकसान पहुंचाकर कोई भी सरकार लंबे समय तक देश नहीं चला सकती। भाजपा सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह विदेशी ताकतों के सामने देश के अन्नदाता के हितों का समर्पण क्यों कर रही है।

भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों के अनुपालन को लेकर सरकार प्रतिबद्ध: केशव मौर्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को विधान परिषद में 2026-27 के बजट सत्र के दौरान स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश सरकार सरकारी सेवाओं में आरक्षण संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के अपने संकल्प पर पूरी तरह दृढ़ है। उन्होंने कहा कि आरक्षण नीति को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं है और सभी भर्तियां नियमों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से की जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि प्रदेश में सरकारी सेवाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए 21 प्रतिशत, अनुस. ूचित जनजाति के लिए 2 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 40 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी किसी एक वर्ग के लिए आरक्षित नहीं है, बल्कि आरक्षित वर्ग का कोई भी पात्र अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी में भी चयनित हो सकता है। केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि सभी सरकारी भर्तियों में आरक्षण नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए कार्मिक विभाग द्वारा 30 दिसम्बर 2025 को शासनादेश जारी किया जा चुका है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप हो।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 84273.92
निफ्टी 25935.15

सोना 157550
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 257567
प्रति किलो

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन रही तेजी

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 200 अंक से अधिक के बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 208.17 अंक (0.25 प्रतिशत) चढ़कर 84,273.92 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 67.85 अंक यानी 0.26 प्रतिशत ऊपर 25,935.15 अंक पर रहा। यह दोनों का 7 जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है।

चौतरफा लिवाली के बीच निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.32 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.49 प्रतिशत चढ़ गया। टॉटो, मीडिया, धातु, रियलटी और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली का जोर रहा जबकि फार्मा, स्वास्थ्य, रसायन और सार्वजनिक बैंकों के समूहों में बिकवाली हावी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर पांच प्रतिशत से अधिक चढ़ा। टाटा स्टील में भी करीब तीन फीसदी की तेज रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी और एक्सिस बैंक के शेयर एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त में रहे। हिंदुस्तान यूनीलिवर और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.86 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच टूटे। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स और आईटीसी के शेयर भी लाल निशान में रहे।

चांदी और सोने की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। मंगलवार को एमसीएक्स पर सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी गई। सोना 1,525 गिरकर 1,57,550 पर आ गया, चांदी भी 3,129 सस्ती होकर 2,57,567 प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है। मंगलवार को खरीदारों और निवेशकों के लिए अच्छी खबर आई।

चांदी 4.20 लाख के ऑल टाइम हाई से अब तक 1.63 लाख रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई है। वहीं सोना 1.94 लाख के ऑल टाइम हाई से अब तक 37,000 रुपये से ज्यादा नीचे जा चुका है। अगर कोई भारतीय नागरिक एक साल से ज्यादा समय विदेश में रहा है, तो वह सीमित मात्रा में सोने के गहने बिना ड्यूटी भारत ला सकता है। पुरुषों के लिए यह सीमा 20 ग्राम और महिलाओं के लिए 40 ग्राम है। यानी पुरुष यात्री 20 ग्राम और महिला यात्री 40 ग्राम तक के सोने के गहने बिना किसी टैक्स यानी ड्यूटी फ्री ला सकते हैं। रीवा के सर्राफा व्यपारी लखनलाल खंडेलवाल कहते हैं कि सिर्फ विंध्य क्षेत्र ही नहीं, बल्कि भारत में शादियां हो या कोई त्योहार हो, एक दूसरे को उपहार दिया ही जाता है। ऐसे मौके पर कई लोग सोना-चांदी जैसे मूल्यवान धातुएं तोहफे में देते हैं, लेकिन इन मेटल्स की कीमत बढ़ने के कारण अब लोग सोना चांदी खरीदने का प्लान कैंसिल करके दूसरे ऑप्शन (हीरा, प्लैटिनम, आभूषणों के अलावा अन्य उपहार) की तलाश कर रहे हैं। सोने चांदी की कीमतें बढ़ने के पीछे भू राजनीतिक तनाव का बढ़ना, फेड रेट कट की बढ़ती उम्मीद और मार्केट में बढ़ रही अनिश्चितताओं की स्थिति है। सोने के दाम बढ़ने के कारण मध्य और गरीब परिवारों के लिए सोना खरी. दना महंगा हो गया है।

चावल, चीनी, खाद्य तेलों के दाम बढ़े, दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ चीनी और खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी रही, जबकि गेहूं के भाव गत दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 2,849 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा चार रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा। चना दाल औसतन 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल की औसत कीमत 42 रुपये और उड़द दाल की 20 रुपये बढ़ गई। मसूर दाल 12 रुपये और मूंग दाल सात रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम टॉयल का अप्रैल वायदा 63 रिंगिट टूटकर 4,097 रिंगिट प्रति टन रह गया।

अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.49 प्रतिशत फिसलकर 56.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में वनस्पति की औसत कीमत 60 रुपये और मूंगफली तेल की 28 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। पाम टॉयल 13 रुपये और सोया तेल 10 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल छह रुपये और सूरजमुखी तेल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव गत दिवस के स्तर पर ही टिके रहे, जबकि चीनी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

लोकसभा अध्यक्ष...

फरवरी और तीन फरवरी का विवरण दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। विपक्ष के नोटिस में श्री बिरला के उस बयान को भी दिया गया है, जिसमें उन्होंने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नहीं आने का कारण बताया है। तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल का है, जबकि दूसरे स्थान पर द्रमुक के टीआर बालू का और फिर समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव का है। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से मंगलवार से उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि मंगलवार को दोपहर 1:14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सां. सदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी।

पेंग्विन रैंडम...

दौरान संस्मरण के कुछ हिस्सों का जिक्र किया, जिसे उन्होंने 'प्रिंट से पहले का' स्वरूप बताया। उनकी बातों का सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध किया, जिससे सदन में बार-बार रुकावट आई। इस मुद्दे पर कई बार रोक लगने के बावजूद, लोकसभा ने आखिरकार विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ध्वनि मत से धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और न्यूज़ फ़ोरम पर 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' की कथित प्रिंट-पूर्व संस्करण की मौजूदगी के बारे में चल रहे दावों पर ध्यान दिया है। विशेष सेल ने एक मामला दर्ज किया है, ताकि 'मंजूरी मिलने से पहले प्रकाशन के कथित वितरण' की जांच की जा सके। पुलिस अधिका. रियों ने पुष्टि की कि इन दावों की असलियत जांच करने और कथित वितरण के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

वाहनों की खुदरा बिक्री जनवरी में 17.6 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों और अच्छी फसल के कारण वाहनों की खुदरा बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 17.61 प्रतिशत बढ़कर 27,22,558 इकाई पर पहुंच गई। वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जनवरी में दुपहिया की बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 20.82 फीसदी बढ़कर 18,52,870 इकाई पर पहुंच गई। इस दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 5,13,475 इकाई रही, जो 7.22 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 15.07 प्रतिशत और तिपहिया की 18.80 प्रतिशत बढ़ी। देश में जनवरी में कुल 1,07,486 वाणिज्यिक वाहन और 1,27,134 तिपहिया वाहन बिके। ट्रैक्टरों की बिक्री 22.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,14,759 इकाई पर पहुंच गई। निर्माण उपकरणों की बिक्री में 21.09 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 6,834 इकाई दर्ज की गई। बिक्री बढ़ाने में सबसे अधिक योगदान दुपहिया वाहनों का रहा। दुपहिया वाहनों की 56 प्रतिशत बिक्री ग्रामीण क्षेत्रों में और 44 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में हुई।

जानबूझकर अस्थिरता व भ्रम का माहौला बना रहा विपक्ष

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय जनता पार्टी के प्र्वक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को विशेष गहन पुनीरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि वह संसद और संवैधानिक संस्थानों को लेकर देश में जानबूझकर अस्थिरता और भ्रम का माहौल बना रही है।

पात्रा ने मंगलवार को यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला आज का नहीं है, बल्कि जब से भाजपा-राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर उच्चतम न्यायालय, चुनाव आयोग, लोकसभा अध्यक्ष और प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक संस्थानों पर लगातार हमले कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस और अब ममता बनर्जी एसआईआर को फर्जी बताकर भाजपा एवं भारतीय लो. कतंत्र के खिलाफ एक खास नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह प्रचार कर रहा है कि एसआईआर चुनावी सूची की शुचिंता के लिए नहीं, बल्कि भाजपा के राजनी. तिक लाभ के लिए है और यह पूरी प्रक्रिया गैरकानूनी है। पात्रा ने कहा कि बीते सप्ताह सुश्री ममता ने उच्चतम न्यायालय में दावा किया था कि एसआईआर के माध्यम से पश्चिम बंगाल में अत्याचार हो रहा है और इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। लेकिन न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट कर दिया कि एसआईआर को रोका नहीं जाएगा, जिसे उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार के लिए करारा झटका बताया। उन्होंने कहा कि शीर्ष न्यायालय का यह निर्णय लो. कतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को और मजबूत करता है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ईपीएफ राशि खातों में जमा कराने की उठी मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने नियम 115 के अंतर्गत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन से की जा रही ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) कटौती की राशि कर्मचारियों के खातों में अनिवार्य रूप से जमा कराए जाने की मांग उठाई। उन्होंने इस विषय को लोक महत्व का बताते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने कहा कि राज्य में आउटसोर्सिंग के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आउटसोर्सिंग सेवा निगम बनाए जाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी पूरे प्रदेश में सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण आम बात थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक पहल की है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों से लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ की कटौती तो नियमित रूप से की जा रही है, लेकिन संबंधित धनराशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं हो रही है। इस स्थिति से कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है और वे लगातार संबंधित विभागाध्यक्षों से शिकायत कर रहे हैं।

एपीके फाइल से 75 हजार रुपये की ठगी, चार को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। साइबर फ्रॉड के मामले दिल्ली में बढ़ते जा रहे है, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर भेजे गए फर्जी एपीके फाइल के जरिए महिला से 75 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है।

जांच में खुलासा हुआ है कि ठगी करने वाले गिरोह में शामिल एक आरोपी पहले क्रेडिट कार्ड कंपनी में काम कर चुका था और वहीं से उसने कस्टमर्स का डाटा हासिल किया। शाहदरा साइबर पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को दबोच लिया है। आरोपियों की पहचान बिहार निवासी अभिषेक कुमार झा (24), फरीदाबाद निवासी आशीष कुमार ओझा (23), विवेक कुमार (37) और दक्षिणी दिल्ली निवासी इकरार के रूप में हुई है। डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम के मुताबिक, कृष्णा नगर निवासी सोनम चौहान ने शिकायत दी थी कि खुद को कोटक महिंद्रा बैंक का एजेंट बताने वाले एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का झांसा दिया। आरोपी ने व्हाट्सएप के जरिए एक एपीके फाइल भेजी। जैसे ही पीड़िता ने फाइल डाउनलोड की, उनका मोबाइल फोन हैक हो गया और बिना अनुमति 75 हजार 694 रुपये उनके क्रेडिट कार्ड से निकल गए। मामले की जांच के लिए गठित टीम ने तकनीकी विश्लेषण के जरिए मनी ट्रेल खंगाली। जांच में पता चला कि ठगी की रकम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदा गया। जिसकी डिलीवरी फरीदाबाद के एक पते पर हुई थी। इसके बाद आरोपियों की शिनाख्त करते हुए फरीदाबाद के लक्कड़पुर गांव से कड़ियां जोड़ी गईं।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी आशीष कुमार ओझा पहले क्रेडिट कार्ड सेल्स कंपनी में काम करता था। उसी दौरान उसने ग्राहकों का डाटा जुटाया और अपने साथियों को सौंपा। इसके बाद आरोपी विवेक कुमार उर्फ मोनू ने असली बैंक ऐप जैसी दिखने वाली फर्जी एपीके तैयार की। फर्जी सिम कार्ड के जरिए लोगों को कॉल कर एपीके डाउनलोड करवाई जाती थी।

बेटियों के लिए नई पहल, 'लखपति बिटिया योजना' 1 अप्रैल से

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बेटियों से जुड़ी अपनी महत्वाकांक्षी योजना में बड़ा बदलाव करते हुए 'लाडली योजना' को 31 मार्च तक बंद करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रेस वार्ता में घोषणा की कि 1 अप्रैल से 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' की शुरुआत की जाएगी, जिसके तहत बेटियों को पहले से अधिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2008 में शुरू की गई लाडली योजना के अंतर्गत अलग-अलग चरणों में कुल 36 हजार रुपये बैंक में जमा किए जाते थे, लेकिन समय के साथ एक लाख से अधिक खाते अनक्लेम्ड रह गए।

भाजपा सरकार बनने के बाद 31 हजार बच्चियों की पहचान कर 90 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि 41 हजार अन्य लाभार्थियों को सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर 100 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। नई योजना के तहत एक परिवार की अधिकतम दो बेटियां पात्र होंगी, वार्षिक आय सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये कर दी गई है और पहले की तुलना में 20 हजार रुपये अतिरिक्त सहायता दी जाएगी, जो स्नातक शिक्षा पूरी करने पर मिलेगी। योजना का लाभ लेने के लिए बेटी का जन्म दिल्ली में होना, पूरा टीकाकरण, मान्यता प्राप्त स्कूल से पढ़ाई और 18 वर्ष से पहले विवाह न होना अनिवार्य शर्तें होंगी। सरकार ने इस योजना के लिए 160 करोड़ रुपये का बजट तय किया है और जरूरत पड़ने पर फंड बढ़ाने का भी भरोसा दिलाया है।

पीरागढ़ी कांड में तंत्र-मंत्र का संदिग्ध पहलू, पुलिस जांच में नए तथ्य उजागर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। पीरागढ़ी सर्विस रोड पर कार के भीतर एक महिला सहित तीन लोगों के शव मिलने के मामले में पुलिस जांच ने नया मोड़ ले लिया है। अब इस रहस्यमय घटना में तंत्र-मंत्र से जुड़ा संदिग्ध पहलू सामने आया है। पुलिस एक तांत्रिक से पूछताछ कर रही है, जिस पर मृतकों को धनवान बनाने का लालच देने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में जब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, तो पता चला कि कार में तीन लोगों के अलावा एक चौथा व्यक्ति भी मौजूद था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उस व्यक्ति की पहचान की और लोनी क्षेत्र में स्थित उसके घर तक पहुंची। जांच में सामने आया कि वह व्यक्ति तांत्रिक है। सूत्रों का कहना है कि घटना वाले दिन तीनों मृतक पहले कार से तांत्रिक के घर गए थे। वहां से वे उसे साथ लेकर पीरागढ़ी पहुंचे। इसी दौरान किसी बात को लेकर परिस्थितियां बदलीं और पीरागढ़ी पहुंचने के बाद तांत्रिक कार से उतरकर फरार हो गया। इस घटनाक्रम के बाद कार में मौजूद तीनों लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान तांत्रिक अपनी संलिप्तता स्वीकार नहीं कर रहा है। वह पूछे गए सवालों के स्पष्ट उत्तर देने के बजाय गोलमोल जवाब दे रहा है, जिससे जांच एजेंसियों का संदेह और गहरा गया है।

जांच में यह भी आशंका जताई जा रही है कि तांत्रिक क्रियाओं के दौरान किसी विशेष सामग्री को जलाया गया हो या किसी नशीले पदार्थ का प्रयोग किया गया हो। कार के बंद शीशों के बीच ऐसी स्थिति बनने से दम घुटने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि मृतक हाल के दिनों में मानसिक तनाव से गुजर रहे थे या उनमें अचानक अत्यधिक धार्मिक गतिविधियों की ओर झुकाव बढ़ा था। इसके साथ ही विषाक्त भोजन या पेय पदार्थ के सेवन के पहलू को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट और विसरा जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच जारी है।

सीएम ने नए शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की शिक्षा क्रांति को एक नई ऊंचाई देते हुए दिलशाद गार्डन स्थित डाइट और सर्वोदय विद्यालय, मानसरोवर गार्डन में नए शैक्षणिक ब्लॉकों का उद्घाटन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों में डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए 101 अत्याधुनिक आईसीटी लैब्स का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य केवल बड़ी इमारतें बनाना नहीं, बल्कि उन इमारतों के भीतर बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा और तकनीक देना है।इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक हरीश खुराना सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि आज दिल्ली के सरकारी स्कूलों में भवनों के उद्घाटन, 101 से अधिक कंप्यूटर लैब्स की शुरुआत और नई शैक्षणिक इमारतों के लोकार्पण के माध्यम से शिक्षा विभाग ने अपने 355 दिनों के कार्यकाल में उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने लाडली फाउंडेशन और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सरकार और समाज की साझेदारी से ही बड़े परिवर्तन संभव होते हैं। सीएसआर के माध्यम से 101 कंप्यूटर लैब्स, 2000 से अधिक कंप्यूटरों की उपलब्धता और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य दिल्ली को देश में सबसे अधिक स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, भाषा लैब, आधुनिक खेल मैदान और उत्कृष्ट शैक्षणिक इंफ्रास्ट्रक्चर वाला राज्य बनाना है। शिक्षा के साथ-साथ खेल, पोषण आदि पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा विभाग अपने एक वर्ष के कार्यकाल में 75 सीएम श्री स्कूलों का उद्घाटन करने जा रहा है, जो गुणवत्ता के उच्च मानकों का प्रतीक होंगे। साथ ही 'नींव' पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों में नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी और देशप्रेम को मजबूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मानसरोवर गार्डन स्थित सर्वोदय विद्यालय में नवनिर्मित ग्राउंड प्लस 3 मंजिला विद्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस परियोजना के तहत भवन में कुल 29 कक्षाओं सहित सभी सुविधाएं व विद्यार्थियों की संख्या और शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है।

दिलशाद गार्डन में नए शैक्षणिक ब्लॉकका उद्घाटन करतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

एक नजर

बवाना में हुई कारोबारी की हत्या की जिम्मेदारी ली बिश्नोई गैंग ने

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। बवाना इलाके में सोमवार को हुई कारोबारी वैभव गांधी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के माध्यम से गैंग ने इस हत्या को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। गैंग ने स्पष्ट किया है कि यह हत्या किसी लूटपाट के इरादे से नहीं की गई थी, बल्कि रंगदारी मांगने के मामले में कारोबारी के बीच में आने के कारण हुई। बवाना में कारोबारी वैभव गांधी (35) की उनकी फैक्टरी के सामने गोली मार दी थी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गए। बदमाशों ने उन पर कई राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली सिर व तीन गोली उनके पैर में लगी थीं ।

सामाजिक एकता का प्रदर्शन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सकल हिन्दू समाज (ई एंड एफ ब्लॉक बस्ती), कृष्ण नगर द्वारा एक भव्य विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन पूर्वी दिल्ली के कृष्ण नगर स्थित ई एंड एफ ब्लॉक बस्ती में आयोजित किया गया। जिसमें सनातन संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता का सशक्त संदेश दिया गया। यह सम्मेलन पूर्णतः कृष्णा नगर क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें क्षेत्र के हजारों नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर महंत श्री नवल किशोर दास,श्री मिथलेश (क्षेत्र ,सह कार्य वाहक)अनिल गोयल(विधायक कृष्ण नगर), संदीप कपूर (निगम पार्षद), वी के मोंगा विजय (सह, जिला कार्य वाहक),अनिल (नगर कार्य वाहक)के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार धार्मिक आयोजन कर हिंदुत्व को और मजबूत बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

अनुपम गुप्ता को सीबीओ नियुक्त किया

नई दिल्ली। सोहन लाल कमोडिटी मैनेजमेंट लि. भारत की सबसे बड़ी फसल-बाद लॉजिस्टिक्स और कृषि समाधान कंपनी, ने आज अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी किसानधन एग्री फाइनेंशियल सर्विसेज किसानधन के चीफ बिजनेस ऑफिसर के रूप में अनुपम गुप्ता की नियुक्ति की घोषणा की। नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए, सोहन लाल कमोडिटी मैनेजमेंट के ग्रुप सीईओ संदीप सभरवाल ने कहा, हमें किसानधन नेतृत्व टीम में अनुपम गुप्ता का स्वागत करने पर खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि किसानधन के चीफ बिजनेस ऑफिसर अनुपम गुप्ता ने कहा, मैं उस समय किसानधन में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं जब ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में संरचित तथा समावेशी ऋण समाधानों की मांग तेज हो रही है।

शिक्षकों को निगम शिक्षक पुरस्कार से नवाजा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने आज केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में निगम विद्यालयों के 91 उत्कृष्ट शिक्षकों को वर्ष 2025 के निगम शिक्षक सम्मान से नवाजा। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय महापौर ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं उन्नयन पत्रिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों से पढ़े 22 पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप महापौर श्री जय भगवान यादव,नेता सदन श्री प्रवेश वाही,निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री योगेश वर्मा,निगम की महिला एवं बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती रेखा रानी,शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष श्री अमित खरखड़ी, अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती एंजल भाटी,शिक्षा निदेशक श्री निखिल तिवारी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि शिक्षक हम सब के जीवन को दिशा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि अपने शिक्षकों द्वारा सिखाए मार्ग पर चलकर ही मैं आज दिल्ली के महापौर के रूप में आप को संबोधित कर रहा हूं। महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि शिक्षक सही मायने में राष्ट्र निर्माता है और उसके हाथों में युगों को परिवर्तित करने की क्षमता है। उन्होंने का कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मुझे इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिला जिसमें शिक्षकों का सम्मान किया जा रहा है। महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम विद्यालयों में समाज के सबसे गरीब वर्ग के बच्चे आते हैं और इनको अच्छी शिक्षा देकर इन्हें अच्छा नागरिक बनाना सच्ची देशसेवा है और इसके लिए मैं सभी शिक्षकों का अभिवादन करता हूं।

महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम निगम विद्यालयों को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम इसमें कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम विद्यालयों से पढ़े छात्र आईएएस, आईपीएस,डॉक्टर और इंजीनियर जैसे उत्कृष्ट पदों पर आसीन हैं जोकि हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए निगम विद्यालयों के पूर्व छात्रों का भी मैं अभिवादन करता हूं।

हंसराज कॉलेज में प्राचार्य की मनमानी पर छात्रों में आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विवि के हंसराज कॉलेज में उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब प्राचार्य के पुत्र की शादी के लिए कॉलेज परिसर के निजी उपयोग का मामला सामने आया।

छात्रों ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक शैक्षणिक संसाधनों को निजी समारोह के लिए इस्तेमाल किया गया, जिससे कॉलेज का शैक्षणिक और खेलकूद वातावरण प्रभावित हुआ है।

छात्रों का कहना है कि कॉलेज के खेल मैदान में विवाह समारोह के लिए टेंट और अन्य व्यवस्थाएं की गईं, जबकि इसी मैदान पर प्रस्तावित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना था। अचानक मैदान के निजी उपयोग के कारण 'खेलो हंसराज' जैसी गतिविधियों को रद करना पड़ा। छात्रों का आरोप है कि इस संबंध में न तो पूर्व सूचना दी गई और न ही किसी प्रकार की सहमति ली गई।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने यह भी कहा कि कॉलेज का बॉयज हॉस्टल, जिसे पिछले वर्ष आधारभूत ढांचे की खराब स्थिति का हवाला देकर रहने योग्य नहीं बताया गया था, अब विवाह में आए मेहमानों के ठहरने के लिए उपयोग किया जा रहा है। उस समय छात्रों को हॉस्टल खाली कर वैकल्पिक व्यवस्था ढूंढने को मजबूर किया गया था, लेकिन अब उसी भवन का निजी इस्तेमाल किए जाने से छात्रों में रोष है।

बीएलएस इंटरनेशनल ने अंतरिम लाभांश घोषित किया

नई दिल्ली। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेस ने अब तक का अपना सबसे बड़ा अंतरिम लाभांश 2.0 प्रति इक्विटी शेयर घोषित किया है, जो शेयर के अंकित मूल्य पर 200% लाभांश के बराबर है। इस अवधि के लिए कुल लाभांश भुगतान 82.35 करोड़ है, जो कंपनी की मजबूत नकदी स्थिति और शेयर-धारकों के मूल्य को बढ़ाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेस लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक शिखर अग्रवाल ने कहा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहले 9 महीनों की अवधि को निरंतर और मजबूत प्रदर्शन के साथ पूरा किया है, जो शीर्ष और निचले दोनों स्तरों पर लगभग पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के प्रदर्शन के बराबर है।

अविनेश रेखी ने साझा किया महाशिवरात्रि का महत्व

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि के अवसर पर अविनेश रेखी ने साझा किया कि सोनी सब के 'गणेश कार्तिकेय' में भगवान शिव की भूमिका निभाने से उन्हें धैर्य और भावनात्मक शक्ति को अपनाने में मदद मिली

महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व पर बोलते हुए अविनेश ने कहा, महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं है, यह हमें ठहरने, आत्मचिंतन करने और अपने भीतर से जुड़ने की याद दिलाती है। गणेश कार्तिकेय में भगवान शिव का चित्रण मेरे लिए अत्यंत विनम्र और परिवर्तनकारी अनुभव रहा है। भगवान शिव केवल शक्ति के देवता नहीं हैं, बल्कि अपार शांति, करुणा और संतुलन के भी प्रतीक हैं।

महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए।

कई जगहों पर बहुत खराब श्रेणी में पहुंचा प्रदूषण का स्तर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की कम होने,सुबह हल्की धुंध छाए रहने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण एक दर्जन जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से अधिक दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली की हवा में प्रदूषक कणों का स्तर मानकों से दोगुना ज्यादा हो गया है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 249 के अंक पर रहा जबकि मंगलवार को यह 271 दर्ज किया गया। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है।

दो दिन पहले रविवार को यह सूचकांक 189 के अंक पर रहा था। यानी दो दिन में इसके स्तर में लगभग 90 अंक की बढोतरी हुई है। राजधानी के कई हिस्सों में सुबह धुंध की एक परत दिखाई दे रही थी, जबकि आनंद विहार, बवाना और नरेला सहित अन्य इलाकों में में एक्यूआई 'बहुत खराब' रहा। शाम को भी खराब एक्यूआई में यह जगहें शामिल थी। दो जगहों पर एक्यूआई 350 से अधिक दर्ज की गई। मुंडका में सबसे अधिक 372 एक्यूआई दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के मुताबिक मंगलवार की सुबह एक्यूआई सोमवार की 206 से काफी अधिक थी। सुबह करीब सात बजे, दिल्ली का औसत एक्यूआई 267 था। जबकि शाम को यह 271 दर्ज किया गया। राजधानी दिल्ली के लोगों को प्रदूषित हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। जनवरी महीने में सिर्फ दो दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से नीचे यानी मध्यम श्रेणी में आया था।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड टीएसआर के खिलाफ हुई कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ईस्टर्न रेंज ने दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड थ्री-व्हील्ड स्कूटर रिक्शा (टीएसआर) के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है, जो ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करके चल रहे हैं और पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों, खासकर उत्तरी पूर्वी जिले में ट्रैफिक जाम और लोगों को परेशानी दे रहे हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, ईस्टर्न रेंज पुलिस उपायुक्त सतीश कुमार ने बताया कि शिव विहार, लोनी के लोगों और खजूरी खास की आरडब्लूए की बार-बार मिल रही शिकायतों के जवाब में, कि दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड टीएसआर गलत तरीके से पार्किंग कर रहे हैं।

तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से मासूम की जान गई

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। छावला इलाके में एक निजी स्कूल के बाहर तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने चार वर्षीय मासूम को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल बच्चे की अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मां के बयान पर एफआईआर दर्ज कर ई-रिक्शा चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 27 वर्षीय जानकी शर्मा अपने परिवार के साथ कुतुब विहार फेस-1, गोयला डेयरी में रहती हैं। उनके पति भारत शर्मा हैं। परिवार में छह वर्षीय बेटी आर्या और चार वर्षीय बेटा आरव था। आर्या एक निजी स्कूल में दूसरी कक्षा की छात्रा है। स्कूल की छुट्टी के समय जानकी बेटी को लेने स्कूल पहुंची थीं। इस दौरान आरव भी उनके साथ मौजूद था। जानकी स्कूल के बाहर खड़ी होकर बेटी का इंतजार कर रही थीं, तभी अचानक तेज रफ्तार ई-रिक्शा आया और आरव को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आरव उछलकर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से जानकी ने अपनी देवरानी अर्चना के साथ आरव को इंदिरा गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर छावला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ई-रिक्शा चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

कोडिंग व वेब डिजाइनिंग सीखेंगे संस्कृत के छात्र

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली में मंगलवार को संगणक प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका आयोजन 14 फरवरी तक किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में संगणक एवं तकनीकी दक्षता का विकास करते हुए नवाचार तथा प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि कार्यशाला में छात्र संस्कृत साहित्य, नाटक एवं उपन्यासों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर समझने का प्रयास करेंगे। कार्यशाला के दौरान छात्रों को कोडिंग, पायथन, पीएचपी, वेब डिजाइनिंग, वेबसाइट डेवलपमेंट, प्रोग्रामिंग तथा वेब सीरीज निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एचडीएफसी लाइफ व मुत्थुट फिनकॉर्प ने की साझेदारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। एचडीएफसी लाइफ ने मुत्थुट फिनकॉर्प लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि मुत्थुट फिनकॉर्प लिमिटेड एक 138 वर्ष पुराने मुत्थुट पप्पाचन समूह (मुत्थुट ब्लू) ग्रुप की की प्रमुख कंपनी है। इसका मुख्यालय तिरुवनंतपुरम, केरल में है।

इस अवसर पर एचडीएफसी लाइफ की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ विभा पादलकर ने कहा, मुत्थुट फिनकॉर्प लिमिटेड. के साथ हमारी यह साझेदारी '2047 तक सभी के लिए बीमा' के उद्योग लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रमजान के महीने में जन-सुविधाओं की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की रमजान-उल-मुबारक इन्तेजामिया कमेटी ने रमजान मुबारक के पवित्र महीने के दौरान दिल्ली में जन-सुविधाओं का विशेष प्रबन्ध कराने की मांग की है रमजान- उल-मुबारक इन्तेजामिया कमेटी के अध्यक्ष शमीम अहमद खान ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं मुख्य सचिव राजीव वर्मा को अलग अलग पत्र लिखकर 18 फरवरी 2026 से शुरू हो रहें पवित्र रमजान मुबारक के महीने के दौरान दिल्ली में विशेषकर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में बिजली पानी तथा सफाई का विशेष प्रबन्ध कराने की मांग की है।शमीम अहमद खान के द्वारा उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं मुख्य सचिव राजीव वर्मा को भेजे गए पत्रों में रमजान मुबारक के पवित्र महीने में रोजेदारों के लिए ताजे फल, सब्जियां, दूध व अन्य खाद्य सामग्री उचित मूल्य पर सरकारी गाड़ियों के द्वारा उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया गया है ताकि रोजेदारों को रमजान मुबारक के दिनों में किसी प्रकार की कोई भी परेशानी का सामना नही करना पड़े।

भारत माँ के चार सिपाही
हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई
देश को मज़बूत बनाना है तो
भाईचारा मज़बूत बनाएं

फैसल कुरैशी
भाई मेहरबान
अध्यक्षः भाईचारा समिति
दिल्लीप्रदेश 9810024415

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 109-110, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎011-41509401-2
फैक्सः 011-41509403
मुख्यालय मोबाइल 9720007290
R.N.I. NoDEL.HIN./2002/8501
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पांच राज्यों में हुई 3.29 करोड़ की सात घटनाओं का खुलासा, एक गिरफ्तार

गाजियाबाद। साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन ठगी पर बड़ा प्रहार करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इस गिरफ्तारी के साथ पांच राज्यों में हुई 3.29 करोड़ की सात घटनाओं का भी खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन निवासी शिवराज सिंह यादव के साथ भी ट्रेडिंग में निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच देखकर साइबर फ्रॉड किया गया था। पहले उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया और फिर फर्जी से ट्रेडिंग वेबसाइट में इन्वेस्ट करने का लालच दिया गया। आरोप है कि शिवराज सिंह को जाल में फंसा कर साइबर ठगों ने उनसे एक करोड़ 11 लाख की साइबर ठगी को अंजाम दे दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौ. नदीम पुत्र मौ. शाहिद निवासी राजीव गार्डन को गिरफ्तार कर कई मामलों से संबंधित साढे 9 लाख रुपए भी रिकवर किए हैं। एसीपी अमित सक्सेना ने बताया कि नदीम से की गई पूछताछ में कई जानका. रियां निकल कर सामने आई हैं।

नदीम ने बताया है कि उसे अंकित और अरुण नाम के दो व्यक्तियों ने गेमिंग प्लेटफार्म के जरिए होने वाले साइबर फ्रॉड के बारे में बताया था और इसके लिए उन्होंने ठगी हुई रकम का 5 प्रतिशत देने की बात कही थी। इसके बाद तीनों ने मिलकर देव लॉजिस्टिक के नाम से फर्जी फॉर्म बनाई और लोगों को चूना लगना शुरू कर दिया। एसीपी ने बताया कि इस गिरफ्तारी के साथ उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु के लोगों के साथ हुई करीब सवा 3 करोड रुपए की घटनाओं का खुलासा हुआ है। एसीपी का कहना है कि नदीम के अन्य साथियों की भी पुलिस तलाश में जुटी है।

छाया स्कूल में आशीर्वाद समारोह आयोजित

प्रियांश मिस्टर छाया व अविका बनी मिस छाया

शाह टाइम्स संवाददाता
मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा के बच्चों के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रियांशु शर्मा को मिस्टर छाया व अविका को मिस छाया के खिताब से नवाजा गया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया कार्यक्रम में हवन करके बच्चों के बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम के लिए पूजा अर्चना की गई बच्चों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जोरदार प्रस्तुति दी बच्चों ने बाल्यावस्था से 12वीं कक्षा तक के अपने प्यारे प्यारे अनुभव साझा किये व अपने शिक्षकों द्वारा दी गई शिक्षा व दीक्षा की की जमकर सराहना की विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी जी ने कहा की स्कूल व बच्चों का रिश्ता अटूट होता है और स्कूल द्वारा बच्चों को बुनियादी शिक्षा दी जाती है जिस पर वह अपनी बुलंद इमारत खड़ा करते हैं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा की छाया स्कूल एक ऐसा स्कूल है जो बच्चों का सर्वांगीण विकास कर राष्ट्रीय सोच की भावना के साथ देश सेवा के लिए उनको तैयार करता है और उसी का जीता जागता परिणाम ऑपरेशन सिंदूर को लीड करने वाला आदित्य विंग कमांडर अभिषेक तोमर जूनियर एशियाड चौंपियन दीपांशु शर्मा केबीसी जूनियर विजेता अन्वेशा ऐसे सैकड़ो बच्चे देश सेवा कर छाया स्कूल का मान बढ़ा रहे हैं।

धर्म कांटे पर वजन में हेरा फेरी करने का आरोपी पकड़ा, तीन ट्रक व 78 क्विंटल सरिया बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। स्वाट टीम क्राइम ब्रांच व थाना वेव सिटी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए धर्म कांटे पर लोहे की नाप तोल में हेरा फेरी करने वाले गैंग के सदस्य को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार आरोपी बाबर मलिक निवासी कैला भट्टा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट लगे तीन ट्रक, 5 इलेक्ट्रॉनिक चिप पांच रिमोट और 7800 किलो सरिया बरामद किया है। बताया जा रहा है कि बाबर अपने साथियों के साथ मिलकर कंप्यूटराइज धर्म कांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट की सहायता से सरियों के वजन में हेरा फेरी करता था। पूछताछ में उसने कि वह फर्जी बिल बनाकर ग्राहकों को दे देते थे।

बिल पर अंकित ट्रक नंबर भी फर्जी होता है। पुलिस से बचने के लिए वे ट्रैकों में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें नंबरों पर फर्जी बिल बनाते थे। बताया जा रहा है कि यह गैंग इलेक्ट्रॉनिक कांटे में चिप लगाकर रिमोट की मदद से वजन की रीडिंग में हेरा फेरी कर लगभग प्रत्येक ट्रक लगभग 5 टन सरिया चोरी करते थे जिनकी कीमत मार्केट में लगभग चार लाख रूपए होती है। चोरी की गए इस सरिए को फर्जी बिल बनवाकर दिल्ली या हरियाणा में बेचा जाता था। पुलिस का कहना है कि बाबर ने पूछताछ में अपने साथियों के नाम भी बताए हैं जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं।

श्री हनुमंत अपनापन साप्ताहिक रसोई सेवा पुनीत कार्य

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। अपनापन फाउंडेशन द्वारा साप्ताहिक भोजन सेवा का शुभारंभ पुष्पापांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर सेवा में अशोक कुमार गोयल, सुदेश रानी रेखा गुलाटी, विपुल अग्रवाल, विनोद गोयल, एन.के गोयल, शिखा सक्सेना, शिवा झा, पुष्पा मिश्रा व कमल यादव आदि उपस्थित रहे।

दो चोरों को गिरफ्तार करो बरामद की मोटरसाइकिल

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। थाना लिंक रोड पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल साइकिल बरामद की है। आरोपियों के नाम शान पुत्र शौकीन निवासी खोड़ा और मुबीन अहमद पुत्र रफी अहमद निवासी खोड़ा हैं।

दोनों आरोपियों को पैसिफिक मॉल के पास लिंक रोड से गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। पूछताछ में पता चला है कि विवेक गाजियाबाद नोएडा दिल्ली में मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। बरामद की गई मोटरसाइकिल उन्होंने दिल्ली के शास्त्री पार्क से चोरी की थी। उन्होंने बताया कि वे बाइक चोरी कर अपना खर्चा और शौक पूरा करते हैं। दोनों बरामद की गई मोटरसाइकिल को बेचने की फिराक में थे।

लाखों बच्चों ने ली पेट के कीड़े मारने की दवा, 13 फरवरी को मॉप-अप डे

गाजियाबाद। जिले में बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त करने को मंगलवार को दस लाख से अधिक बच्चों को पेट के कीड़े मारने की दवा खिलाई गई। इसका शुभारंभ नेहरू नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में सीडीओ अभिनव गोपाल ने एक बच्चे को गोली खिलाकर किया।

सरकारी और प्राइवेट स्कूलों एवं आंगनवाडी केन्द्रों पर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर एक से 19 वर्ष के समस्त बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। जो बच्चें किसी कारण वश आज एल्बेंडाजोल की गोली खाने से वंचित रह गए हैं उन्हे 13 फरवरी को माप-अप दिवस पर एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जायेगी।

2407 सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों एवं 1371 आंगनवाडी केन्द्रों पर 16 लाख से अधिक बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने का लक्ष्य है। कृमि संक्रमण से कई नुकसान हो सकते है, जिनमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक

प्रभाव शामिल हैं। पेट में दर्द, कमजोरी, कुपोषण और एनीमिया जैसे लक्षण आम है।

गंभीर मामलो में यह विकास में रूकावट, अंगो को नुकसान, और अन्य जटिलताओ का कारण बन सकता है। किशोर किशोरियों को एल्बेंडाजोल की गोली समय से खिलाने पर बच्चो के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। एनीमिया में नियंत्रण होता है।

आरटीई के दाखिलों के लिए सक्षम अभिभावकों के आय प्रमाण पत्र पर लगे रोक

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। इंडियन पेरेंट्स एसोसिएशन (आईपीए) ने आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के अंतर्गत होने वाले दाखिलों में एक गंभीर मुद्दा उठाते हुए जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि आर्थिक रूप से सक्षम अभिभावक एक लाख रुपये से कम आय के प्रमाण पत्र बनवाकर आरटीई का अनुचित लाभ ले रहे हैं, जिससे वास्तविक जरूरतमंद और गरीब बच्चों का अधिकार प्रभावित हो रहा है।

आईपीए की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा त्यागी ने कहा कि हर वर्ष बिना समुचित जांच के आय प्रमाण पत्र जारी होने के कारण पात्र बच्चों को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित होना पड़ता है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री, जिला अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से ऐसे अभिभावकों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले संबंधित कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने की अपील की है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि आरटीई योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, इसलिए किसी भी प्रकार की अनियमितता या फर्जीवाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। पारदर्शिता और कड़ी जांच सुनिश्चित कर ही इस योजना का वास्तविक लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जा सकता है।

वहीं, आईपीए के उपाध्यक्ष विनय कक्कड़ ने बताया कि आरटीई दाखिलों का प्रथम चरण 2 फरवरी से शुरू हो चुका है, लेकिन पोर्टल के सुचारू रूप से कार्य न करने के कारण अभिभावकों को ऑनलाइन फॉर्म भरने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव से वार्ता कर समस्या से अवगत कराया गया है तथा प्रथम चरण की समय-सीमा बढ़ाने की मांग की गई है।

बीएसए ओपी यादव ने आश्वस्त किया है कि इस मुद्दे को उच्च अधिकारियों के साथ होने वाली ऑनलाइन बैठक में प्रमुखता से उठाया जाएगा, ताकि अभिभावकों को राहत मिल सके। आईपीए ने प्रशासन से मांग की है कि आय प्रमाण पत्रों की सख्त जांच, दोषियों पर कार्रवाई और आरटीई पोर्टल की तकनीकी खामियों को शीघ्र दूर कर दाखिला प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए, जिससे कोई भी पात्र बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

जनपद स्तरीय क्विज व विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत शासन के निर्देशो के क्रम में प्राथमिक विद्यालय नासिरपुर के प्रांगण में जनपद स्तरीय क्विज व विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिता हेतु सभी पांचो ब्लॉक से 20-20 छात्र अर्थात कुल 100 छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पार्षद नगर निगम उदित मोहन तथा डीपीओ शशि वार्ष्णेय द्वारा किया गया। दोनों प्रतियोगिताएं (क्विज एवं विज्ञान मॉडल) अलग-अलग हुई। क्विज प्रतियोगिता में पांचो ब्लॉक से 5-5 छात्रों की टीम ने प्रतिभाग किया इसमें ब्लॉक लोनी की टीम सर्वाधिक आठ नंबर के साथ प्रथम स्थान पर तथा दूसरे स्थान पर भोजपुर की टीम रही। स्कोरर व प्रस्तोता के रूप में तीनों एसआरजी पूनम शर्मा, विनीता त्यागी और देवांकुर थे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ पी यादव, एएओ विकास बघेल द्वारा मॉडल प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिता के विजेताओ को टैब स्मार्टफोन, प्रमाण पत्र, स्टेशनरी, बुक सहित बैग वितरण कर सम्मानित किया गया।

मॉडल प्रतियोगिता के कुल 5 ब्लॉक के 38 प्रतिभागी छात्रों के मॉडल का निर्णय निर्णायक समिति की डायट प्रवक्ता मनीषा गौतम, जीजीआईसी मछरी से श्वेता त्रिखा, जीआईसी नंदग्राम से पूनम देवी द्वारा किया गया जहां बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक सक्रिय मॉडल प्रस्तुत किया गया। 50 अंकों की पूर्णांक एवं 5 बिंदुओं के आधार पर एक से 10 स्थान वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। 1 से 5 स्थान पाने वाले भोजपुर के हर्ष, नगर के अनुराग, भोजपुर से टिंकू, भोजपुर से शुभम, भोजपुर से निशांत को टैबलेट तथा 6 से 10 स्थान पाने वाले भोजपुर से आरती, लोनी से प्रभात, लोनी से सृष्टि, मुरादनगर से आयुष, रजापुर से दीप्ति को 2000 का चेक देकर सम्मानित किया गया। क्विज प्रतियोगिता में विजेता लोनी की टीम को प्रमाण पत्र व बैग प्रदान किया गया। प्रतिभागी सभी छात्रों को एक फोल्डर स्टेशनरी किट तथा विज्ञान पुस्तक पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों, उनके शिक्षकों, एआरपी तथा अतिथियों के गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्था भी की गई। एआरपी, एसआरजी व जिला समन्वयको को कार्यक्रम में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रगान गायन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ पी यादव, एएओ विकास बघेल, समस्त जिला समन्वयक डॉ राकेश कुमार, सिंपल चौधरी, रुचि त्यागी, अनुभव गुप्ता, कशिश त्यागी, कुणाल मुद्गल, टिंकू कंसल, तीनों एसआरजी, सभी एआरपी, विज्ञान शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने निकले कांवड़िये का मोदीनगर में हुआ स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता
मोदीनगर। बीकानेर होटल के पास गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा मिले की मांग को लेकर 151 लीटर जल हरिद्वार से मुरादनगर के लिए लाए कांवड़िया विराट भोला का स्वागत किया गया।

उनके साथ अन्य गौसेवकों का भी भव्य स्वागत हुआ फूल माला व परशुराम जी की चित्र भेट किया गया, राष्ट्रीय परशुराम परिषद के नगर उपाध्यक्ष मुकुल शर्मा बेगमबाद के नेतृत्व में, दीपक शर्मा, सम्भव शर्मा, निखिल वत्स, नीरज, तुषार नेहरा, तरुण शर्मा, शिव शर्मा, प्रशांत शर्मा, आदि मौजूद रहे।

महर्षि दयानन्द का वर्णीय कार्य विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

■ वैदिक विदुषी आचार्या विमलेश बंसल ने कहा कि महर्षि दयानन्द जी ने कहा था कोई कितना ही करे परंतु स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है।

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'महर्षि दयानन्द के वर्णीय कार्य' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 769 वाँ वेबिनार था। वैदिक विदुषी आचार्या विमलेश बंसल ने कहा कि महर्षि दयानन्द जी ने कहा था कोई कितना ही करे परंतु स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। साथ ही उन्होंने हिंदी को भी अपने जीवन में स्थान देने की बात रखी उन्होंने कहा कि हिन्दी ही ऐसी भाषा है जो सबको जोड़ती हैं। मुख्य अतिथि कृष्णा पाहुजा व अध्यक्ष डॉ रचना चावला ने कहा कि नारी जाती को यज्ञोपवीत पहनने का वेद पढने का अधिकार नहीं था जो स्वामी दयानन्द जी ने दिलवाया परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि महर्षि दयानन्द ने तर्क शक्ति का विकास किया और लोगों के सों. चने की दिशा व दशा ही बदल डाली प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, शोभा बत्रा, कमला हंस आदि ने महर्षि दयानन्द यशोगान भजनों के माध्यम से किया।

न्यू इंडियन पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। न्यू इंडियन पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। इस भव्य आयोजन मे अभिभावकगण भी बडी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूरे समारोह में उत्साह और उमंग का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

विधालय की प्रधानाचार्या ने प्रबंधन समिति के सम्मानित सदस्यों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हमारे नन्हें - मुन्ने प्रतिभाशाली बच्चों ने गणेश वंदना की पावनघ प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ किया और स्वागत गीत से अतिथियों का हृदय से अभिनंदन किया, 'भारतकी अनेकता में

एकता' के संदेश को जीवंत रुप में प्रस्तुत किया और मनोरंजन एक्ट के माध्यम से सभी का भरपूर मनोरंजन किया।

बच्चों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर उन्होंने आज अपनी मनमोहक, सुन्दर और ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति से पूरे कार्यक्रम को उमंग और उत्साह से भर दिया। सच में बच्चों की प्रतिभा ने आज मंच की शोभा कई गुना बढ़ा दिया। विधालय की प्रधानाचार्या और प्रबंधन समिति ने हर्षपूर्वक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया।

जिसमें उन सभी अभिभावकों को सम्मानित किया जो बच्चों के अनुशासन, नियमित उपस्थिति, स्वच्छ एवं पूर्ण यूनिफॉर्म तथा विधालय के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया उन्हें मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया।

विधालय प्रशासन ने उनके सहयोग और समर्पण की सराहना की। इसके साथ ही विद्यालय की गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। अन्य विद्यालय से सम्मानित हुए बच्चों को भी विद्यालय में सम्मानित किया गया। विद्यालय के शिक्षक गण को भी सम्मानित किया गया।

संबंध विच्छेद

मैं धर्मपाल पुत्र भवानी शंकर निवासी- म. नं- 228, गली नं- 1, संगम विहार राजीव गार्डन थाना- लोनी बॉर्डर जिला- गाजियाबाद अपने पुत्र अंकित कुमार को गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध विच्छेद करता हूँ। भविष्य में अपने कृत्यों का ये स्वयं जिम्मेदार होगा।

घर में पंखे से लटका मिला शव, पुलिस कर रही जांच

प्रारंभिक जांच में मृत्यु को लेकर किसी प्रकार का संदेह या आपराधिक पहलू सामने नहीं आया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र में एक 49 वर्षीय व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक का शव उसके आवास में छत के पंखे से फंदे पर लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर पुलिस, पीसीआर और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने मंगलवार को बताया कि 9 फरवरी की शाम 6 बजकर 19 मिनट पर थाना वसंत कुंज साउथ को ई-2, वसंत कुंज स्थित एक मकान में आत्महत्या की सूचना मिली।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि घर अंदर से बंद था। इसके बाद पीसीआर तथा दमकल विभाग की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया। घर के भीतर एक पुरुष का शव छत के पंखे से प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। शव आंशिक रूप से सड़ चुका था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि मौत कुछ दिन पहले हुई होगी। सूचना पर अपराध जांच दल द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। जांच के उपरांत शव को सफदरजंग अस्पताल भेजा गया। जांच में मृतक की पहचान गौरव के रूप में हुई है। वह पेशे से प्रॉपर्टी डीलर था और अकेले रह रहा था। मृतक के परि. जनों और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में मृत्यु को लेकर किसी प्रकार का संदेह या आपराधिक पहलू सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि मृतक अपने परिवार से अलग रहता था। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपी धरे

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। ख्याला इलाके में सोमवार रात दो नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू गोदकर हत्या कर दी। सामुदायिक केंद्र के पास सी ब्लॉक के खुले मैदान में किसी बात पर झगड़ा होने पर उसपर हमला किया गया। मृतक की शिनाख्त सोहेल के रूप में हुई है। पुलिस ने हमला करने वाले दोनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि रात करीब 9 बजे नाबालिग को चाकू मारे जाने की जानकारी पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल नाबा. लिग को तुरंत गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके पेट में चाकू के घाव थे। सोहेल के पिता पेशे से दर्जी हैं। सोहेल अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ ख्याला इलाके में रहता था। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो नाबालिगों को पकड़ लिया।

दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि झगड़े के कारण उनलोगों ने उसपर हमला किया। जांच में पता चला कि पकड़े गए दोनों नाबालिग ने पढ़ाई छोड़ दी है। एक के पिता का देहांत हो चुका है और उसकी मां घरों में काम करती हैं, जबकि दूसरे के माता-पिता फैक्टरी में काम करते हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पीरागढ़ी में 3 लाशों का ममाला: जहरीली कोल्ड ड्रिंक व फर्जी पते से उलझी जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के पीरागढ़ी फ्लाईओवर पर टाटा टिएगो कार में तीन लोगों के शव मिलने का मामला राजधानी में सनसनी का विषय बना हुआ है। दिल्ली पुलिस इस रहस्यमय घटना की परतें खोलने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में लूटपाट या जबरन संघर्ष के कोई संकेत नहीं मिले हैं, जिससे मामला आत्महत्या या किसी साजिश के एंगल से देखा जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटनास्थल से कार के भीतर तीन गिलास और कोल्ड ड्रिंक की एक बोतल बरामद हुई थी, जिनसे तीखी और संदिग्ध गंध आ रही थी। इसी आधार पर आशंका जताई जा रही है कि तीनों ने कोल्ड ड्रिंक में किसी जहरीले पदार्थ को मिलाकर उसका सेवन किया होगा। हालांकि पुलिस ने साफ किया है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम और विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। बरामद बोतल और गिला. सों को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। जांच में सामने आया है कि मृतकों में शामिल एक महिला की पहचान अब तक सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। महिला की पहचान जहांगीरपुरी निवासी 40 वर्षीय लक्ष्मी के रूप में बताई गई थी, लेकिन पुलिस जांच में दिया गया पता फर्जी निकला। अब तक महिला के किसी भी परिजन या परिचित का पता नहीं चल सका है, जिससे मामला और उलझ गया है। अन्य मृतकों की पहचान बापरौला गांव निवासी 76 वर्षीय रणधीर सिंह और 40 वर्षीय शिव नरेश के रूप में हुई है। रणधीर सिंह पेशे से प्रॉपर्टी डीलर थे और साथ ही ब्याज पर धन देने का कार्य भी करते थे। शिव नरेश उनके सहयोगी बताए जा रहे हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि दोनों के बीच किस उद्देश्य से पीरागढ़ी की ओर जाना हुआ था। डीसीपी सचिन शर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमें आधुनिक और पारंपरिक दोनों तरीकों से जांच को आगे बढ़ा रही हैं। मृतकों के मोबाइल फोन के कॉल विवरण खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना से पहले वे किन लोगों के संपर्क में थे। इसके साथ ही बापरौला से पीरागढ़ी फ्लाईओवर तक लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मोबाइल लोकेशन का मिलान किया जा रहा है।

पुलिस रणधीर सिंह के वित्तीय लेन-देन और सूदखोरी से जुड़े मामलों की भी गहन जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं किसी विवाद या दबाव का इस घटना से कोई संबंध तो नहीं है। कार से मिले कुछ चिकित्सकीय दस्तावेजों को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि मृतक किसी मानसिक या शारीरिक तनाव से तो नहीं जूझ रहे थे। फिलहाल पुलिस सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच को आगे बढ़ा रही है।

महिपालपुर मेट्रो स्टेशन के नाम में वसंत कुंज सेक्टर-ई जोड़ने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में वसंत कुंज के सेक्टर-ई-1 और ई-2 के निवासियों ने निर्माणाधीन "महिपालपुर" मेट्रो स्टेशन के नाम में "सेक्टर-ई, वसंत कुंज" जोड़ने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन का नाम "महिपालपुर ख्र सेक्टर-ई, वसंत कुंज" रखा जाना चाहिए, जिससे कि यह क्षेत्र की वास्तविक भौगोलिक स्थिति का सही प्रतिनिधित्व कर सके।

इस संबंध में दोनों सेक्टर के ज्वाइंट फ्रंट ने दिल्ली मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर को पत्र भेजा है। इसमें लिखा है कि "महिपालपुर" नाम अपने आप में ऐतिहासिक महत्व रखता है और उसकी विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए।

ज्वाइंट फ्रंट के संरक्षक मेजर जनरल डॉ. बिपिन बख्शी का कहना है कि वसंत कुंज के ई-1 एवं ई-2 सेक्टर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा विकसित हैं। दोनों सेक्टरों में करीब 10 हजार की आबादी है, जोकि एमसीडी को को संपत्ति कर और केंद्र सरकार को आयकर के माध्यम से योगदान दे रहे हैं। ऐसे में हमारी मांग मानी जाती है तो यात्रियों के लिए पहचान और दिशा-निर्देशन आसान बनेगा। दक्षिणी दिल्ली सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने भी इस संबंध में मांग का समर्थन करते हुए दिल्ली मेट्रो को अनुशंसा की है।

सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह दिल्ली सचिवालय में क्रेडिट एवं थ्रिफ्ट सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ बैठक करते हुए।

जान गंवाने वाले अग्निशमनकर्मी के परिजनों को मिला82.86 लाख का मुआवजा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने दिल्ली अग्निशमन सेवा के कर्मचारी विनीत सहरावत के परिवार को 82.86 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। विनीत सहरावत की मृत्यु हरियाणा रोडवेज की बस की टक्कर से हुए सड़क हादसे में हो गई थी। अधिकरण ने बस चालक की लापरवाही को दुर्घटना का मुख्य कारण माना है।

मामले के अनुसार, यह दुर्घटना 27 फरवरी 2016 को हरियाणा के भीवानी जिले के गगड़वास गांव के पास हुई थी। विनीत सहरावत उस समय मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी तेज गति से आ रही हरियाणा रोडवेज की बस ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विनीत को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इस मामले में मृतक के परिजनों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद अधिकरण की पीठासीन अधिकारी रिचा मंचंदा ने सात फरवरी को अपना फैसला सुनाया। आदेश में कहा गया कि प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों से यह स्पष्ट होता है कि दुर्घटना बस चालक की तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई। अधिकरण ने अपने निर्णय में एक प्रत्यक्षदर्शी की गवाही और संबंधित आपराधिक मामले के अभिलेखों का हवाला देते हुए बस चालक को पूरी तरह दोषी ठहराया। न्यायाधिकरण ने यह भी माना कि मृतक एक नियमित सरकारी कर्मचारी थे और उनकी आय स्थिर थी।मुआवजे की गणना करते हुए अधिकरण ने कहा कि दुर्घटना के समय विनीत सहरावत की आयु लगभग 34 वर्ष थी। सरकारी सेवा में होने के कारण भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उनकी आय में 50 प्रतिशत की वृद्धि जोड़ना उचित है। इसके साथ ही आश्रितों को आजीविका हानि, स्नेह और देखभाल के नुकसान तथा अंतिम संस्कार से जुड़े खर्चों के लिए भी मुआवजा प्रदान किया गया। इन सभी मदों को जोड़ते हुए अधिकरण ने कुल 82.86 लाख रुपये का मुआवजा निर्धारित किया।

भारतीय व्यापार महोत्सव में जुटेंगे देशभर के व्यापारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में पहली बार आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव में देशभर के व्यापारी जुटेंगे। व्यापारिक संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

एक से चार मई तक होने वाले इस महोत्सव को लेकर कैट के प्रति. निधिमंडल ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और उन्हें आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पीयूष गोयल ने कहा कि यह महोत्सव भारत के व्यापार एवं उद्योग तथा सेवाओं की क्षमता और सामर्थ्य दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। उन्होंने इसको सफल बनाने के लिए हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया।

सक्रिय भागीदारी से सहकारी संस्थाओं को नई दिशा मिलेगी: रविन्द्र इन्द्राज

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह की अध्यक्षता मे दिल्ली सचिवालय में दिल्ली की क्रेडिट एवं थ्रिफ्ट सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारी संस्थाओं की वर्तमान चुनौतियों, ऋण वसूली, डिफाल्टर प्रबंधन, दोहरी सदस्यता, प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा सहकारिता को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुँचाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि सहका. रिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि सामाजिक विश्वास और सहभागिता का माध्यम है। समाज में सहकारिता के भाव को बनाए रखने और उसे मजबूत करने के लिए सभी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियमित संवाद, पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय से ही सहकारी संस्थाएँ जनता के लिए उपयोगी और विश्वसनीय बन सकती हैं।

मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि डिफाल्टर मामलों, अनियमित ब्याज दरों और दोहरी सदस्यता जैसी समस्याओं पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी तथा सभी संस्थाओं के लिए समान और स्पष्ट नियम लागू किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारिता में "जेंटलमैन कमिटमेंट" और ईमानदारी का भाव दिखाई देना चाहिए, तभी जनता का विश्वास बढ़ेगा।बैठक में सदस्यों ने सुझाव दिया कि सहकारी संस्थाओं को समाज कल्याण के कार्यों में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और सरकार तथा सहकारिता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होना चाहिए।

मंत्री ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि सहकारिता विभाग को और अधिक सहभागी एवं उत्तरदायी बनाया जाएगा। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने संस्थाओं की समस्याओं को सुनते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्रवाई का आश्वासन दिया,। मंत्री ने कहा कि विभाग और संस्थाओं के सलाहकार बोर्ड के बीच हर 15 दिन में नियमित बैठकें आयोजित करने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सके।

अमृतधारी परिवारों के बच्चों को मिलेगी मुफ्त शिक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सिख समाज की युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए बड़ा कदम उठाया है। कमेटी ने घोषणा की है कि अमृतधारी गुरसिख परिवारों के बच्चों को स्कूल और कॉलेज स्तर तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। डीएसजीएमसी का कहना है कि शिक्षा ही समाज को मजबूत बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को राहत मिलेगी और युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। कमेटी ने इसे सिख कौम के विकास और नई पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

गोकुलपुरी मर्डर केस में आरोपी बलिया से गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। गोकुलपुरी इलाके में पत्नी के दोस्त की हत्या के आरा. ेपी पति को दिल्ली पुलिस ने इसके गांव से गिरफ्तार कर लिया है,आरा. ेपी हत्या करने के बाद अपने गांव भाग गया था स आरोपी की पहचान गौरी शंकर यादव के रूप में हुई है।

उत्तर-पूर्वी जिला एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि हत्या के बाद आरोपी दिल्ली से भागकर अपने पैतृक गांव बलिया चला गया था। तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय सूचना के आधार पर उत्तर पूर्वी जिला पुलिस की एक टीम को यूपी भेजा गया। सोमवार रात टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी को पत्नी और उसके दोस्त रवि के संबंधों पर शक था। इसी शक और घरेलू विवाद के चलते उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि आरा. ेपी को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है।

आरोपी गौरी शंकर यादव ने 7 फरवरी की रात अपनी पत्नी में दोस्त रवि की डंडे से पीटकर हत्या की थी, रवि आरोपी की पत्नी के साथ किराये पर रहता था जिस वजह से शक के चलते उसने इस हत्या को अंजाम दिया था।

एसटीपी से जहरीली गैस निकलने की शिकायत पर जांच के आदेश

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लोनी रोड इलाके में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से निकलती जहरीली गैस, दुर्गंध और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड को एसटीपी में तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिए हैं। साथ ही दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को जांच करने के आदेश दिए हैं। एनजीटी ने इस पूरी प्रक्रिया को आठ सप्ताह के भीतर पूरा करने की समय सीमा तय की है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की पीठ ने यह निर्देश लोनी रोड पर चित्रकूट स्थित पॉकेट-बी एमआईजी फ्लैट्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई के बाद जारी किए।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में देश के प्रख्यात अंत. रराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी शिखर धवन से मुलाकात करते हुए।

हाउस कमेटियों में अफसरों की मौजूदगी अनिवार्य

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने विधानसभा की कार्यवाही को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए बड़ा प्रशास. निक कदम उठाया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, आठवीं विधायी सभा की हाउस कमेटियों की बैठकों में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति अब अनिवार्य होगी। सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि माननीय स्पीकर द्वारा गठित हाउस कमेटियां समय-समय पर जीएनसीटीडी के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को विचाराधीन विषयों पर चर्चा, प्रस्तुति और आवश्यक जानकारी के लिए बुला सकती हैं। सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि विधानसभा सचिवालय द्वारा बुलाए जाने पर वे व्यक्तिगत रूप से बैठकों में शामिल हों। किसी अपरिहार्य कारण से अनुपस्थिति की स्थिति में, संबंधित विषय से भली-भांति परिचित किसी वरिष्ठ अधिकारी को पूर्व अनुमति लेकर प्रतिनिधि के रूप में भेजना होगा, ताकि कार्यवाही प्रभावित न हो और आवश्यक रिकॉर्ड व सूचनाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि कमेटियों द्वारा मांगे गए दस्तावेज, रिपोर्ट और अन्य सामग्री तय समयसीमा में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

जल निकासी व्यवस्था को सुधारने की तैयारी शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए लोक निर्माण विभाग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। मध्य, उत्तर पश्चिमी और उत्तरी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 15 से अधिक नालों के निर्माण और पुनर्निर्माण का काम जल्द शुरू होने जा रहा है। करीब 56 करोड़ रुपये की लागत से नालों को बेहतर का इन क्षेत्रों की जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। अगले मानसून से पहले यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि मध्य दिल्ली के क्षेत्रों में शहीद पार्क मार्ग पर कोडिया पुल से छत्ता रेल पुल, नेशनल क्लब और नागपाल डेयरी से लाल बत्ती तक, अजमेरी गेट से सीता रोड, आसफ अली रोड, जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर कमला मार्केट चौराहे से आसफ अली रोड तक, जोरावर सिंह मार्ग पर मिठाई पुल से गोखले रोड और रणजीत सिंह मार्ग पर जल निकासी प्रणाली को नया रूप दिया जाएगा। इसके अलावा बुलेवार्ड रोड पर संत स्टीफंस अस्पताल से भगवान दास चौक तक दोनों ओर और कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के द्वार संख्या तीन से रिंग रोड व द्वार संख्या पांच तक भी नालों का निर्माण होगा। शालीमार बाग के हैदरपुर मुख्य मार्ग पर बस अड्डे से डीए ब्लॉक तक और सड़क संख्या 319, शालीमार बाग रेलवे अंडरपास, चौधरी मेहर चंद मार्ग, सड़क संख्या 320 तथा स्वामी शरधानंद सरस्वती मार्ग पर प्री-कास्ट सामग्री से नालों से जल निक. ासी सुधारी जाएगी। इसके साथ ही उत्तरी दिल्ली के औचंदी गांव में कन्या विद्यालय से औचंदी सीमा तक प्री-कास्ट एवं ढलाई वाली सामग्री से नाले का निर्माण किया जाएगा। इनसे चांदनी चौक, पहाड़गंज, करोल बाग, शालीमार बाग, कश्मीरी गेट, औचंदी और आसपास के इलाकों में वर्षा के दिनों में जलभराव की समस्या से लाखों नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

दो स्थानों पर बनेंगे पंप हाउस

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी बरसात में जलभराव वाले दो स्थानों पर पंप हाउस बनाएगा। तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र में अवतार सिंह मार्ग पर जलभराव होने से रोकने के लिए पंप हाउस का निर्माण किया जाएगा। इस पर करीब 1.87 करोड़ रुपये की लागत आएगी। वहीं हकीकत नगर क्षेत्र में पंप हाउस और संप वेल बनाया जाएगा, जिस पर लगभग 2.38 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि इन पंप हाउसों के बन जाने से बरसात में सड़कों और गलियों में भरने वाला पानी तेजी से निकाला जा सकेगा।

नेपाल में पत्नी की मौत पर मांगा 100 करोड़ का मुआवजा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। याचिकाकर्ता रणबीर सिंह गोला ने अपनी पत्नी राजेश गोला की मौत के लिए भारत सरकार (विदेश मंत्रालय), नेपाल में भारतीय दूतावास और काठमांडू के हयात रिजेंसी होटल के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि दंपति 7 सितंबर 2025 को पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए नेपाल गए थे। 9 सितंबर को प्रदर्शनकारियों ने होटल में आग लगा दी और भीड़ ने हमला किया। होटल प्रशासन ने मेहमानों को सुरक्षा का आश्वासन दिया, चेकआउट करने से रोका और ऊपरी मंजिल पर भेजा, लेकिन आपात स्थिति में कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई। याचिकाकर्ता का दावा है कि उनकी पत्नी भागते समय चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। याचिका में कहा कि भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय ने बार-बार संपर्क करने के बावजूद कोई मदद नहीं की।

न्यायमूर्ति पुरुषैन्द्र कुमार कौरव की एकल पीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने नेपाल में हुई घटना पर अपना क्षेत्राधिकार होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि नेपाल में कुछ होता है, होटल कुछ कहता है, हम कैसे तय करेंगे? कोर्ट ने याचिका में हयात होटल को पक्षकार बनाने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि प्रार्थना में संशोधन जरूरी है। कोर्ट ने मामले को 26 फरवरी 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया, ताकि याचिकाकर्ता अपनी प्रार्थनाओं में संशोधन कर सके।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर शिखर धवन बने 'दिल्ली खेल महाकुंभ' के ब्रांड एंबेसडर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में देश के प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एवं दिल्ली के गौरव शिखर धवन से मुलाकात की। मुलाकात के बाद सूद ने बताया की दिल्ली में 13 फरवरी 2026 से शुरू हो रहे दिल्ली खेल महाकुंभ के लिए शिखर धवन को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है।

सूद ने कहा की श धवन ने दिल्ली सरकार की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता को देखकर, स्वयं स्फूर्त होकर दिल्ली के खेलों के ब्रांड एंबेसडर बनने का निर्णय लिया है। सूद ने यह भी कहा की दिल्ली के बच्चों और युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से धवन ने दो कदम आगे बढ़कर यह जिम्मेदारी स्वीकार की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने कक्ष में धवन का आभार व्यक्त किया और दिल्ली के खिलाड़ियों के प्रति उनके इस योगदान की सराहना की।

शिक्षा मंत्री ने कहा की दिल्ली सरकार, दिल्ली के युवाओं और खिलाड़ियों की ओर से एक अत्यंत सफल खिलाड़ी और प्रेरणादायी व्यक्तित्व शिखर धवन का स्वागत करते हुए गर्व महसूस कर रही है, जिन्होंने अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए दिल्ली के खिलाड़ियों को आगे ले जाने का संकल्प लिया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली खेल महाकुंभ 13 तारीख से प्रारंभ हो रहा है, जिसके उद्घाटन समारोह से लेकर पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु श्री शिखर धवन की उपस्थिति रहेगी। सूद ने कहा की दिल्ली सरकार को विश्वास है कि धवन के मार्गदर्शन और प्रेरणा से दिल्ली के युवा खिलाड़ियों को नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और पहचान मिलेगी। इस अवसर पर शिखर धवन ने कहा की मुझे बड़ी खुशी है कि दिल्ली खेल महाकुंभ के लिए मुझे ब्रैंड एम्बेसडर बनाया गया है। दिल्ली ने मुझे बहुत कुछ दिया है। इस मिट्टी की सेवा करने के लिए मैं हमेशा हाजिर हैं। मुझे बड़ी खुशी है कि दिल्ली सरकार ने इतना अच्छा इनिशिएटिव लिया और यूथ के लिए इतना अच्छा इनिशिएटिव, इतना अच्छा प्लेटफार्म बना रहे हैं ताकि हमारे युवा स्पोर्ट्स में अच्छा करें, डिफरेंट करें। मुझसे स्पोर्ट्स में जितना भी बन पड़ेगा पूरा दम लगाएंगे, पूरा सपोर्ट करेंगे प्लेयर्स को।

दूसरी सूची में शामिल बच्चों के हो रहे दाखिले

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत नर्सरी, केजी और पहली कक्षा में सामान्य श्रेणी की सीट के लिए दाखिले हो रहे हैं। कई बच्चों के दो से अधिक स्कूलों में दाखिले के लिए चयन हुआ है। ऐसे में अभिभावक अपनी प्राथमिकता के अनुसार दाखिले का विकल्प चुन रहे हैं।

शिक्षकों के अनुसार, दूसरी सूची के बाद भी यदि सीटें मौजूद रहीं, तो प्रतीक्षा सूची में शामिल छात्रों को जानकारी दी जाएगी। प्रवेश के संबंध में अभिभावकों को स्कूलों द्वारा संदेश भेजा गया था। साथ ही, अभिभावक भी मंगलवार सुबह से अलग-अलग स्कूलों में जाते दिखे। स्कूलों ने अपने स्तर पर भी दाखिले से संबंधित तैयारियों को लेकर अभिभावकों के लिए हेल्प डेस्क बनाए हैं।

डीयू के 12 कॉलेजों में 600 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विवि से जुड़े 12 कॉलेजों में लंबे समय से अटकी सहायक प्राध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर बड़ी राहत की खबर सामने आई है। इन कॉलेजों में करीब 600 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की जाएगी और भर्ती प्रक्रिया मार्च महीने से औपचारिक रूप से शुरू होने की संभावना है। डीयू प्रशासन के अनुसार, दिल्ली सरकार की ओर से वेतन और अन्य मदों के लिए अनुदान मिलने के बाद वित्तीय बाधाएं दूर हो गई हैं, जिससे नियुक्तियों का रास्ता साफ हो सका है। डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेज ने बताया कि भर्ती से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बीते कुछ वर्षों से सरकार और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय की कमी के कारण इन कॉलेजों में नियुक्तियां ठप पड़ी थीं, जिसके चलते शिक्षण व्यवस्था तदर्थ और अतिथि शिक्षकों के सहारे चल रही थी। इसका असर न सिर्फ शिक्षकों की स्थिरता पर पड़ा, बल्कि छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई। अब भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति संभव होगी और शिक्षकों की कमी से जूझ रहे कॉलेजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी के गठन की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी अड़चनें दोबारा न आएं।

हापुड़ में पूर्व मंत्री मदन चौहान पर जानलेवा हमले का प्रयास, बदमाशों ने तानी पिस्टल

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिले में देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब पूर्व मंत्री एवं तीन बार के विधायक रहे मदन चौहान पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई। घटना गढ़ कोतवाली क्षेत्र के गांव हिरणपुर के पास की बताई जा रही है, जहां कार सवार बदमाशों ने उन पर फायर करने का प्रयास किया।

जानकारी के अनुसार, पूर्व मंत्री मदन चौहान अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में तीन युवक अचानक उनकी गाड़ी के सामने आकर खड़े हो गए।

आरोप है कि बदमाशों ने गाली-गलौच करते हुए पिस्टल निकाल ली और शीशे पर सटाकर फायर करने की कोशिश की, लेकिन गोली चूक गई। घटना के बाद जब सुरक्षाकर्मी गाड़ी से बाहर निकले तो हमलावर मौके से फरार हो गए। हमले को लेकर पूर्व मंत्री मदन चौहान ने बताया कि बदमाशों के पास हथियार थे और उन्होंने जान से मारने की नीयत से फायर किया, लेकिन संयोगवश फायर मिस हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

क्षेत्र में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। फिलहाल पूर्व मंत्री मदन चौहान पूरी तरह सुरक्षित हैं। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर दिया गया है जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

नवीन मंडी चोरी कांड का खुलासा, बुलेरो पिकअप समेत चोरी का माल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना हापुड़ देहात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नवीन मंडी की एक दुकान से 64 कैरेट किन्नू चोरी की घटना का सफल अनावरण कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का पूरा माल, घटना में प्रयुक्त बुलेरो पिकअप वाहन और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से मंडी व्यापारियों ने राहत की सांस ली है।

थाना प्रभारी के अनुसार थाना हापुड़ देहात पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर सोटावाली की ओर जाने वाले रास्ते से दो संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से नवीन मंडी से चोरी किए गए 64 कैरेट किन्नू बरामद हुए। इसके साथ ही चोरी में प्रयुक्त बुलेरो पिकअप वाहन भी पुलिस ने जब्त कर लिया। वाहन को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया है। आरोपियों के पास से दो अवैध चाकू भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान नितिन पुत्र महीपाल सिंह और प्रदीप पुत्र पालेराम के रूप में हुई है। दोनों अभियुक्त ग्राम मतान. तनगर, थाना बलैनी, जनपद बागपत के निवासी बताए गए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दोनों शातिर किस्म के अपराधी हैं और पूछताछ में अन्य चोरी की घटनाओं से जुड़े अहम सुराग मिलने की भी संभावना जताई जा रही है। थाना हापुड़ देहात पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

हापुड़ से मोहब्बत का पैगाम, मुस्लिम युवकों ने हिंदू युवक को दी अंतिम विदाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिले में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की एक प्रेरक तस्वीर उस समय देखने को मिली, जब एक हिंदू युवक के अंतिम संस्कार में मुस्लिम समुदाय के युवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले युवक की अर्थी को मुस्लिम युवकों ने कंधा दिया और श्मशान घाट तक साथ चलकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

घटना हापुड़ देहात थाना क्षेत्र के मोहल्ला कोटला सादात की है। मोहल्ला निवासी अर्जुन की पास ही रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई थी। जैसे ही हादसे की खबर फैली, परिवार में कोहराम मच गया और पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक परिवार की स्थिति को देखते हुए मोहल्ले के मुस्लिम युवकों ने आगे बढ़कर मदद का हाथ बढ़ाया। अंतिम संस्कार की तैयारियों से लेकर श्मशान घाट तक की पूरी प्रक्रिया में उन्होंने सक्रिय सहयोग किया। अर्जुन की अर्थी को कंधा देना हो या परिजनों को ढांढस बंधाना, हर कदम पर इंसानियत नजर आई। इस दौरान हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मुस्लिम समुदाय के एक युवक ने कहा, दुख की घड़ी में धर्म नहीं, इंसानियत सबसे बड़ा धर्म होती है। अर्जुन हमारे मोहल्ले का बेटा था, उसे कंधा देना हमारा फर्ज था। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि समाज में आज भी भाईचारा, संवे. दनशीलता और मानवीय मूल्य जिंदा हैं। कोटला सादात की यह पहल न सिर्फ जिले बल्कि पूरे समाज के लिए एक मिसाल बन गई, जहां दुख में सभी एक साथ खड़े नजर आए।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह, बुलंदशहर रोड पर पलटे भारी वाहन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। हाफिजपुर थाना क्षेत्र में बुलंदशहर रोड स्थित पक्की चौकी के पास मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। खराब ट्रक को क्रेन से ले जाया जा रहा था, तभी पीछे से आ रही एक निजी बस ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद क्रेन और ट्रक दोनों अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्डे में पलट गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, क्रेन चालक मेरठ से बुलंदशहर की ओर खराब ट्रक को खींचकर ले जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही खाली निजी बस ने पीछे से क्रेन में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों भारी वाहन पलट गए। हादसे के बाद बस चालक बस के भीतर ही फंस गया, जबकि आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी हाफिजपुर प्रवीण कुमार पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बस चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे में बस चालक सहित कुछ अन्य लोगों को चोटें आईं, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के निर्देश पर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से सड़क से हटवाया गया, जिससे कुछ ही समय में यातायात बहाल कर दिया गया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निजी कंपनी से 14 लाख की नकदी उड़ा ले गए चोर

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिले में अपराधियों के हौसले उस समय देखने को मिले, जब एसपी आवास से कुछ ही दूरी पर स्थित एक निजी कंपनी के कार्यालय को चोरों ने निशाना बना लिया। देहात थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात हुई इस बड़ी वारदात में चोर कैश रूम से करीब 14 लाख रुपये नकद चुरा ले गए। पूरी घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिससे पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, इंसकार्ट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कार्यालय में सोमवार रात करीब साढ़े 12 बजे तीन अज्ञात चोर घुस आए। चोरों ने पहले मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और फिर सीधे कैश रूम तक पहुंच गए। वहां रखी भारी नकदी समेटकर वे मौके से फरार हो गए। मंगलवार सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो टूटे ताले और खाली कैश रूम को देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के साथ ही सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में तीन संदिग्ध चोर साफ दिखाई दे रहे हैं, जो वारदात को अंजाम देते नजर आ रहे हैं। पुलिस अब इन्हीं फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। कंपनी में कार्यरत राहुल शर्मा निवासी गांव दस्तोई, हापुड़ की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसपी आवास के नजदीक हुई इस चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और आसपास के इलाकों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।

मोहल्ला साकेत में आग का कहर, लाखों का घरेलू सामान जलकर राख

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर के मोहल्ला साकेत में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सैनी की धर्मशाला के पास स्थित एक मकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में कमरे में रखा सारा घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, यह मकान फतेह सक्सेना पुत्र स्वर्गीय शंकर लाल सक्सेना का है। घटना के समय मकान में उनकी पत्नी और पोता मौजूद थे, जबकि बेटा नौकरी पर गया हुआ था और फतेह सक्सेना स्वयं किसी कार्य से बाजार गए हुए थे। इसी दौरान अचानक कमरे से धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आकर कमरे में रखा बिस्तर, कपड़े, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य कीमती घरेलू सामान पूरी तरह जल गया।

आग से मकान को भारी नुकसान पहुंचा है। गनीमत यह रही कि समय रहते घर में मौजूद महिला और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि दोनों दहशत में आ गए। आग लगने की सूचना मिलते ही मोहल्ले में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू न पाते देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है। आग से हुए नुकसान को लेकर पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है।

एक नजर

पशु चोरी मामले में फरार चल रहा आरोपी पुलिस के हत्थे

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में पशु चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पशु चोरी की घटना में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त एक लोहे की सांखल और एक कन्टीमाला बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार थाना सिम्भावली में दर्ज मुकदमा बीएनएस के तहत पशु चोरी के मामले में आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर माधापुर औरंगाबाद बाईपास गंगा एक्सप्रेस-वे के पास से अभियुक्त को दबोच लिया।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान इरशाद पुत्र दिलशाद निवासी इसराना, थाना गन्नौर, जनपद पानीपत हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोहे की सांखल और एक कन्टीमाला बरामद की, जिनका इस्तेमाल पशु चोरी की घटनाओं में किया जाता था। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान अन्य पशु चोरी की घटनाओं से जुड़े अहम सुराग मिलने की भी संभावना है।

जुए के खिलाफ बड़ा एक्शन, धौलाना से चार आरोपी खेलते हुए धराए

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना धौलाना पुलिस ने जुआ और सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ईदगाह मस्जिद के पीछे स्थित कब्रिस्तान से जुआ खेलते हुए चार लोगों को पकड़ा, जिनके कब्जे से नकदी और ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कब्रिस्तान के पीछे कुछ लोग अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना धौलाना पुलिस ने मौके पर दबिश दी, जहां चारों आरोपी ताश के पत्तों पर दांव लगाते मिले। पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास किया गया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर सभी को मौके से दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सलाउद्दीन पुत्र याशीन निवासी तेलीवाड़ा मोहल्ला, राहुल पुत्र समीम निवासी छोटा बाजार, इरफान पुत्र ग्याशुद्दीन निवासी तेलीवाड़ा मोहल्ला तथा पवन पुत्र आनंद निवासी पछायला मोहल्ला, सभी थाना धौलाना जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से जुआ खेलने में प्रयुक्त नकदी और ताश के पत्ते बरामद किए हैं। थाना धौलाना पुलिस ने चारों अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है और अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हापुड़ पुलिस का सराहनीय कार्य, अश्वपरेशन तलाश में महिला को सुरक्षित खोजा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश गुमशुदा अभियान के तहत सिम्भावली थाना पुलिस को अहम सफलता मिली है। पुलिस ने एक गुमशुदा महिला को सकुशल तलाश कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। महिला के मिलते ही परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई और उन्होंने हापुड़ पुलिस की तत्परता व मानवीय कार्यशैली की जमकर सराहना की। हापुड़ पुलिस द्वारा अपर पुलिस महानिदेशक अपराध के निर्देशानुसार जिलेभर में गुमशुदा व्यक्तियों की खोज के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना सिम्भावली पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए गुमशुदा महिला की तलाश तेज की और ग्राम सेना क्षेत्र से उसे सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस टीम ने महिला से पूछताछ कर उसकी पहचान सुनिश्चित की और सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे परिजनों के हवाले कर दिया। बरामद की गई गुमशुदा महिला की पहचान दानिश्ता पुत्री फारुख निवासी ग्राम सेना, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। महिला के सुरक्षित मिलने की सूचना मिलते ही परिजन थाना पहुंचे और पुलिस का आभार व्यक्त किया। परिजनों ने कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील व्यवहार से उन्हें बड़ी राहत मिली है।

सड़क हादसा में पूर्व राज्यसभा सांसद मुनक़द अली बाल-बाल बचे

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। हाफिजपुर थाना क्षेत्र में देर रात एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया, जिसमें बहुजन समाज पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद मुनक़द अली की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में उनकी फॉर्च्यूनर कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन गनीमत रही कि पूर्व सांसद समेत वाहन में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्व राज्यसभा सांसद मुनक़द अली प्रयागराज में आयोजित बहुजन समाज पार्टी की बैठक में शामिल होने के बाद अपने आवास किठौर, मेरठ लौट रहे थे। इसी दौरान हाफिजपुर थाना क्षेत्र के पास अचानक उनकी कार दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसकी तस्वीरें वाहन की गंभीर हालत बयां कर रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही हाफिजपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने पूर्व सांसद मुनक़द अली को सुरक्षित उनके स्थानीय आवास किठौर, मेरठ पहुंचाया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त कार को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और सभी लोग सुरक्षित बच गए। पुलिस द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

प्रधानों व संभ्रांत लोगों के साथ पुलिस की बैठक, अपराध नियंत्रण पर हुआ संवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना थाना परिसर में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी अवनीश शर्मा के नेतृत्व में हुई इस बैठक में ग्राम प्रधानों और क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों ने भाग लिया। इसमें पुलिस और ग्रामीणों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण पर विस्तार से चर्चा हुई।

थाना प्रभारी अवनीश शर्मा ने बैठक के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका लक्ष्य पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। इससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत होगी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। अवनीश शर्मा ने बताया कि सर्दी के मौसम में चोरी और पशु तस्करी जैसी घटनाओं में वृद्धि की आशंका रहती है, जिसके लिए गांव स्तर पर सतर्कता आवश्यक है। उन्होंने ग्राम प्रधानों से छोटे विवादों को गांवों में ही सुलझाने और किसी भी गंभीर समस्या की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। बैठक में आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। वरिष्ठ उप निरीक्षक दिलशाद चौधरी ने ग्राम प्रधानों से गांव के प्रमुख चौराहों और बाजारों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने का आग्रह किया। उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना पुलिस को देने पर जोर दिया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अतीक अहमद, लालपुर प्रधान आरिफ, हसनपुर प्रधान राजपाल सिंह, नन्दपुर प्रधान पति अमित गोस्वामी सहित सलीम. ुद्दीन सैफी, अहमद अली, जाहिद अली, गुलफाम, अब्दुल हसन और अन्य संभ्रांत व्यक्ति उपस्थित थे।

सुमित कुमार को शौर्य सम्मान, साहस व सेवा का हुआ सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना थाना क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण तब आया जब थाना धौलाना में तैनात आरक्षी सुमित कुमार को मेरठ में आयोजित हिंदुस्तान शौर्य सम्मान कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सुमित कुमार को पुलिस की वर्दी में अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट पुलिस सेवा के लिए शौर्य सम्मान प्रदान किया। इस सम्मान समारोह में सुमित कुमार के साथ सुहास और समर्पण जैसे जांबाज पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद जैसे ही सुमित कुमार धौलाना लौटे, क्षेत्र के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत कर बधाई दी। धौलाना थाने में भी इस उपलब्धि को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। आरक्षी सुमित कुमार ने अपने कार्यकाल में फरियादियों की मदद, क्षेत्र में भाईचारा बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत किया है। आम जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। शौर्य सम्मान प्राप्त कर सुमित कुमार ने न केवल धौलाना थाने बल्कि पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। यह सम्मान उनकी मेहनत, ईमानदारी और समर्पण का प्रतीक है, जो आने वाले समय में अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणा बनेगा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान, संस्था संदेश ने 51 पौधे लगाए

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना में स्वयंसेवी संस्था संदेश ने सरकारी अभियान एक पेड़ माँ के नाम के तहत 51 पौधे लगाए। यह वृक्षारोपण गांव देहरा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज और कम्पोजिट विद्यालय समाना में किया गया, जहाँ छात्रों, शिक्षकों और संस्था के पदाधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।संस्था की सचिव पूनम सिंह परिहार ने बताया कि संदेश संस्था हापुड़ और गौतमबुद्ध नगर के विद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से वृक्षारोपण करती है। उन्होंने पौधों की देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जिस प्रकार एक शिशु को निरंतर संरक्षण और स्नेह की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पौधों की भी देखरेख जरूरी है, तभी वे बड़े होकर फल-फूल और छाया प्रदान करते हैं। संस्था लगाए गए पौधों की जिम्मेदारी आसपास के लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को सौंपती है। संदेश संस्था के सहायक प्रबंधक राहुल सक्सेना ने बताया कि वृक्षारोपण उनके विकास कार्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने जानक. ारी दी कि एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत इस वर्ष 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी में देहरा और समाना के विद्यालयों में छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए वृक्षारोपण कराया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या अल्का कटियार और सपन वर्मा ने संस्था का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सहयोग की उम्मीद जताई। इस कार्यक्रम में संजीव भारद्वाज, हेमलता, चाँदनी, रुकैया, सना, अलिसा, महजबी, अनम सहित कई छात्र-छात्राएं और विद्यालय स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

लूट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नोएडा। चोरी की बाइक पर सवार होकर राहगीरों का मोबाइल झपटने वाले शातिर बदमाश को सेक्टर 58 थाने की पुलिस ने मंगलवार को दबोच लिया। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल होने वाली दो मोटरसाइकिल, लूट और चोरी के 11 फोन व चाकू बरामद हुआ है। बदमाश के खिलाफ विभिन्न थानों में 26 केस दर्ज हैं।पुलिस का कहना है कि आरोपी काफी समय से नोएडा और दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में मोबाइल छीनने की वारदातें कर रहा था। आरोपी की पहचान दिल्ली के मयूर विहार निवासी रिषभ दयाल के रूप में हुई है। 32 वर्षीय रिषभ ने पूछताछ के दौरान कई स्नैचिंग की घटनाओं में अपनी संलिप्तता कबूल की।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर सुनसान सड़कों या भीड़भाड़ वाले इलाकों में राह चलते लोगों को निशाना बनाता था। मौका मिलते ही वह लोगों के हाथ से मोबाइल फोन छीनकर फरार हो जाता था। आरोपी के कब्जे से बरामद आईफोन-16 को उसने दो दिन पहले सेक्टर-62 की मॉल रोड से एक व्यक्ति से छीना था। इस संबंध में सेक्टर-58 थाने में पहले से मुकदमा दर्ज था। इसके अलावा बरामद अन्य 10 मोबाइल फोन सेक्टर-62, सेक्टर-63, सेक्टर पांच, सेक्टर-24 और दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों से छीने गए बताए जा रहे हैं। पुलिस अब इन मोबाइल फोन के असली मालिकों की पहचान कर रही है। आरोपी कई बार जेल जा चुका है। आरोपी के खिलाफ सेक्टर-58, सेक्टर-24 और सेक्टर-20 थानों में मोबाइल स्नैचिंग, लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी एक आदतन अपराधी है और पहले भी कई बार जेल से छूटने के बाद फिर से अपराध करने लगा था। वारदात का विरोध करने पर लोगों को डराने के आरोपी अपने पास चाकू भी रखता था।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने दनकौर रेलवे स्टेशन के पास एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 515 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। उसे मंगलवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति गांजे की तस्करी कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और बताए गए स्थान पर दबिश देकर आरोपी को मौके से पकड़ लिया।।पूछताछ में आरोपी की पहचान अलीगढ़ निवासी रिंकू के रूप में हुई। उसने बताया कि वह पिछले कई महीनों से दनकौर रेलवे स्टेशन के पास किराए के मकान में रहकर यात्रियों को गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बेचता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है और उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

यूपी बोर्ड : 30 मिनट तक भी देर हुई तो परीक्षा केंद्र में मिल सकेगा प्रवेश

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा के दौरान देर से पहुंचने वाले छात्रों को केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा हॉल में बैठने की अनुमति दे सकते हैं। बोर्ड के अधिकारियों ने बैठक करके इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश जारी किया है। कहा है कि किसी प्रश्नपत्र के लिए अधिकतम आधा घंटा तक देर से पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा में बैठने की अनुमति दे सकेंगे। इससे ज्यादा देर वालों को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा उत्तर पुस्तिका पर मुद्रित क्रमांक को उपस्थिति पत्रक पर परीक्षार्थियों की ओर से अंकित किया जाना अनिवार्य है। इसे कक्ष निरीक्षक सुनिश्चित कराएंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रश्नपत्रों की परीक्षा अवधि 3:15 घंटे निर्धारित है जिसमें से शुरू के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए हैं। दिव्यांग और दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों को परीक्षा के लिए निर्धारित अवधि के अतिरिक्त 20 मिनट प्रति घंटे के हिसाब से मिलेगा। इसके अलावा प्रत्येक परीक्षा केंद्रों में कम से कम 50 प्रतिशत स्टाफ बाह्य विद्यालयों से नियुक्त किए जाएंगे। स्ववित्तपोषित विद्यालयों में राजकीय और अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 50 प्रतिशत स्टाफ नियुक्त किए जाएंगे। रिजर्व सेट से संबंधित अलमारी लाक करने और आकस्मिक स्थिति में उसे खोलने की कार्यवाही माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव से निर्देश प्राप्त करने के बाद ही कराई जाएगी। उस समय केंद्र व्यवस्थापक, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और संबंधित थानाध्यक्ष या नामित इंस्पेक्टर की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

प्रत्येक कक्ष में दो कक्ष निरीक्षक अनिवार्य: हर परीक्षा कक्ष में दो कक्ष निरीक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य होगी। कक्ष निरीक्षकों के पास उनका परिचय पत्र, आधार कार्ड रहना केंद्र व्यवस्थापक सुनिश्चित कराएंगे। सचल दल में महिला निरीक्षणकर्ता का होना अनिवार्य है। बालिका परीक्षार्थी वाले केंद्र पर सचल दल के पुरुष सदस्य तलाशी नहीं ले सकेंगे। सभी कक्ष निरीक्षकों के लिए फोटो युक्त परिचय पत्र अनिवार्य है।

शिकायतों के निवारण में नोएडा पुलिस पूरे प्रदेश में अव्वल

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। आईजीआरएस पोर्टल पर मिली जनशिकायतों के निवारण में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस बार जिले के 26 थाने की रैंक पहली रही। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जनवरी माह की मूल्यांकन रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई। आईजीआरएस टीम प्रभारी, सभी थाने के प्रभारी और ऑपरेटर को पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुरस्कृत करने की बात कही है। पुलिस कमिश्नर द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पत्रों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए हर महीने के प्रत्येक शुक्रवार को समीक्षा की जाती है, जिसके कारण कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर रैंकिंग में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। आईजीआरएस एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जिसको सरकार की तरफ से नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए स्थापित किया गया है। इस प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को एक आसान और प्रभावी माध्यम प्रदान करना है। इसके माध्यम से वे अपनी शिकायतें दर्ज कर सकें और उनका त्वरित समाधान प्राप्त कर सकें। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का कहना है कि इस प्रणाली के तहत गौतमबुद्धनगर का जनवरी माह में प्रथम रैंक पर आना एक बड़ी उपलब्धि है। यह नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान का प्रमाण है।

इन थानों की रैंक रही पहली: बीटा टू, इकोटेक थर्ड, सेक्टर-20, सेक्टर-63,जेवर, सूरजपुर, दनकौर, सेक्टर-142, सेक्टर-49, बादलपुर, दादरी, कासना, बिसरख, रबुपुरा, सेक्टर-113, फेज थर्ड, सेक्टर-39, फेज वन, सेक्टर-24, सेक्टर-126, इकोटेक वन, एक्सप्रेसवे, सेक्टर-58, फेज थर्ड और महिला थाना।

विला के लिए भूखंड देने के नाम पर ठगी

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। फेज-दो के सी ब्लॉक में रहने वाले एक अधिवक्ता ने बिल्डर समेत 11 लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। पीड़ित का आरोप है कि करीब छह वर्ष पूर्व आरोपियों ने विला के लिए भूखंड देने के नाम पर धोखाधड़ी की। पीड़ित सत्यनारायण द्विवेदी ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता हैं। मैसर्स जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड ने वर्ष 2002 में ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रींस के नाम से एक परियोजना शुरू की थी। विश्व स्तरीय टाउनशिप विकसित करने का वादा किया था। शिकायतकर्ता ने आरोपी कंपनी की विश्वसनीयता पर विश्वास करके नौ मार्च 2020 को स्पोर्ट्स विला खरीदा।

12 मार्च 2020 को आवंटन पत्र मिल गया। इसका भुगतान पीड़ित ने अपने घर से किया। 14 मार्च 2020 को शिकायतकर्ता के हक में सब लीज डीड पंजीकृत कराई गई। इसके बाद पीड़ित को भूखंड का कब्जा सौंपा गया। आरोप है कि सुनील शर्मा और मंजू शर्मा जेपी ग्रींस सोसाइटी के प्रमोटर और रिश्तेदार हैं। जबकि, दलजीत सिंह, संजीव शेखर, मुकेश चौपड़ा, केसी बत्रा, अश्वनी सिंह, शैलेंद्र नेगी, सीबी सिंह और विकास चौधरी कर्मचारी हैं। इसके बाद आरोपी उनके घर पर आए और बिल्डिंग प्लान दिखाते हुए संबंधित भूखंड पर निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए कहा। जैसे ही पीड़ित ने निर्माण प्रक्रिया शुरू की तो पता चला कि जो बिल्डिंग प्लान आरोपियों ने दिखाया था वह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की योजना में स्वीकृत ही नहीं है। इसके चलते पीड़ित को 46.82 लाख रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ। मजबूरीवश पीड़ित ने दोबारा भवन योजना तैयार कर प्राधिकरण से जनवरी 2024 में स्वीकृत कराया।

स्वीकृति प्राप्त करने के बाद जब पीड़ित ने भूखंड पर निर्माण कार्य शुरू कराया तो सुनील शर्मा और मंजू शर्मा ने उस पर अतिक्रमण कर लिया। इस संबंध में जब बिल्डर से शिकायत करने पहुंचे तो हेल्प डेस्क के अधिकारियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। आरोपियों ने कार्य रुकवाते हुए मिस्त्री और मजदूरों को बंधक भी बना लिया। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर बिल्डर समेत 11 के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

शाक-भाजी और पुष्प प्रदर्शनी में जिला कारागार अव्वल, आठ पुरस्कार मिले

नोएडा (शाह टाइम्स)। जनभवन लखनऊ में आयोजित शाक-भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में जिला कारागार गौतमबुद्ध नगर को पहला स्थान मिला।कारागार परिसर की 21.50 एकड़ कृषि भूमि में की गई शाक-भाजी और मशरूम की खेती को लेकर आठ पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कारागार अधीक्षक बृजेश कुमार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रतिष्ठित चल वैजयंत प्रदान की। वहीं, कारागार महानिदेशक पीसी मीणा ने इसे सुधारात्मक प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि पद्धतियों, श्रम-कौशल विकास और बंदियों के पुनर्वास से जुड़े ऐसे प्रयास अन्य कारागारों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।

हाईवे पर घायल ड्राइवर की मदद कर रहे दो चालकों की मौत, ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

नोएडा (शाह टाइम्स)। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में मेरठ-दिल्ली हाईवे पर एक पिकअप और ट्रक की टक्कर के बाद बचाव में जुटे तीन ट्रक चालकों को तेज रफ्तार सब्जी ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में दो चालकों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार सोमवार की रात मेरठ से दिल्ली की ओर आने वाली बीच वाली लेन पर एक पिकअप (डीएल 1सीएएच1790) पीछे से ट्रक (एमपी 07 जीए 9111) से टकरा गई। टक्कर के बाद पिकअप चालक अमित वाहन में फंस गया। इसी दौरान तीन ट्रक चालक अपने-अपने वाहन सड़क किनारे रोककर उसे बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे।तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार सब्जी से लदे ट्रक (यूपी37एटी 6693) ने लापरवाही से तीनों चालकों को टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया।मृतकों की पहचान देवेंद्र (34), पुत्र कमलेश, निवासी ढकिया हमीद नगर, जिला शाहजहांपुर (उप्र) और गोविंद चौहान (करीब 35), निवासी फददपुर ऐरावाला बास गांव, आजमगढ़ (उप्र) के रूप में हुई है। घायलों में वीरेंद्र (24), पुत्र अमर सिंह यादव, निवासी ग्राम भावरी थाना जैतीपुर जिला शाहजहांपुर, साहिल पुत्र अख्तर अली निवासी ग्राम जोहड़ी जिला बागपत और हरिओम (35), पुत्र नरेंद्र निवासी मंगोलपुरी दिल्ली शामिल हैं। तीनों का उपचार जारी है।

टैक्सी चालक ने उठाया खौफनाक कदम, चाकू से गला काटकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (शाह टाइम्स)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में शमशान घाट में हनुमानजी की प्रतिमा के सामने टैक्सी चालक ने चाकू से गले की नस काट कर आत्महत्या कर ली। चालक गांजा का नशा करने का आदी था। इसी लत के चलते कुछ साल पहले पत्नी उसे छोड़ कर चली गई थी। इसके बाद से वह मानसिक तनाव में रहता था। स्वजन ने आरोप से किसी आरोप से इनकार किया है। पुलिस ने घटना स्थल से घरेलू सब्जी काटने वाला चाकू बरामद किया है।

क्षेत्र के डेल्टा-दो स्थित शमशान घाट में स्थित हनुमानजी की प्रतिमा के सामने सोमवार सुबह लोगों ने युवक का खून से लथपथ शव पड़ा देख डायल 112 पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। युवक के गले की नस कटी मिली और हाथों में भी खून लगा मिला।आसपास के लोगों ने युवक की पहचान पड़ोस के साकीपुर गांव निवासी राहुल (30) पुत्र प्रीतम के रूप में हुई। घटना की जानकारी पर पिता समेत अन्य स्वजन पहुंचे। पिता ने बताया कि राहुल किराए पर टैक्सी चलाता था। वह गांजा के नशे का आदी था। पिछले चार दिन से वह टैक्सी चलाने नहीं गया था। नशे में कई बार पत्नी के जाने के कारण जान देने की बात बड़बड़ा रहा था। पूर्व में भी नशे में वह इसी तरह से बड़बड़ाया करता था। रविवार देर शाम बिना बताए घर से निकल गया था।

मानसिक तनाव में आत्महत्या का शक: पिता ने पत्नी के जाने के कारण मानसिक तनाव के चलते चाकू से गले की नस काट कर जान देने की आशंका जताई। मौके से बरामद चाकू उनके घर का ही होना बताया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया प्रथम दृष्टया चाकू से नस काट कर आत्महत्या करना प्रतीत हो रहा है। पता चला कि पत्नी करीब छह साल पहले नशे की लत के कारण ही उसे छोड़ कर चली गई थी। फारेंसिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित किए हैं। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण पता चलेगा।

अधिवक्ता का पैन और आधार दुरुपयोग कर जीएसटी इनपुट लेने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के एक अधिवक्ता के पैन और आधार कार्ड के दुरुपयोग कर जीएसटी इनपुट लेने का आरोप है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। कस्बा सूरजपुर निवासी अधिवक्ता शकील अहमद ने बताया कि रिटर्न दाखिल कराने के दौरान पता चला कि उनके पैन कार्ड और आधार कार्ड से एक फर्म एम/एस शकील ट्रेडिंग कंपनी के नाम से 1 जुलाई 2017 को रजिर्स्टड हुआ है। वेबसाइट पर यह फर्म दरियाबाद, जनपद बाराबंकी स्थित है और उसका जीएसटी नंबर वर्तमान में सक्रिय है। उन्होंने कभी कोई जीएसटी नंबर नहीं लिया है। न ही किसी प्रकार की ट्रेडिंग फर्म संचालित की है। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी इनपुट क्रेडिट हासिल करने का प्रयास किया गया है।

किसान एकता महासंघ ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। मंगलवार को किसान एकता महासंघ ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक बाली सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के नाम ओएसडी मुकेश कुमार को दिया गया।

संगठन के जिला अध्यक्ष अरविंद सैकेटरी ने बताया कि किसान लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर प्राधिकरण के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा उनकी अनदेखी की जा रही है। इसी क्रम में महासंघ ने सात सूत्रीय मांग पत्र प्रस्तुत किया। ज्ञापन में प्रमुख मांग ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित भूमि के बदले किसानों को मिलने वाले छह प्रतिशत आवासीय भूखंडों का अब तक न दिया जाना था। बादलपुर, बिसरख, सुनपुरा, बिरोडा, बैदपुरा, रिठौड़ी और सिरसा सहित दर्जनों गांवों के किसानों को उनका हक नहीं मिला है। इसके साथ ही, बिना आबादी सर्वे के ग्रामीण आबादी में लगाए गए भूखंडों को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की गई। महासंघ ने भूमिहीन और खेतीहर मजदूरों को 100 वर्ग मीटर के आवासीय भूखंड देने की भी मांग की। पुरानी आबादियों का निस्तारण प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत कराने तथा लीज बैक व शिफ्टिंग से जुड़े लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने की मांग भी की गई। इसके अलावा, प्राधिकरण क्षेत्र की कंपनियों में स्थानीय किसानों के बच्चों को योग्यता के आधार पर रोजगार देने और शिक्षण संस्थानों में उनके लिए आरक्षण सुनिश्चित करने की बात कही गई।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आज जनपद गौतम बुद्ध नगर में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य इंटरनेट के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं सकारात्मक उपयोग के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जागरूक करना था।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, ऐसे में साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक रहें तथा आमजन को भी साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी प्रदान करें।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने अपने संबोधन में बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं इंटरनेट उपयोग पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों का अत्यधिक समय मोबाइल और इंटरनेट पर व्यतीत होना एक गंभीर विषय बनता जा रहा है। अभिभावकों का दायित्व है कि वे बच्चों को अनावश्यक रूप से मोबाइल से दूर रखें तथा यदि शैक्षिक या अन्य आवश्यक कारणों से मोबाइल का उपयोग कराया जा रहा है तो उस पर निरंतर अभिभावक निगरानी (पैरेंटल मॉनिटरिंग) सुनिश्चित करें।

कार्यशाला में जनपद गौतम बुद्ध नगर के साइबर क्राइम इंचार्ज बलजीत व साइबर थाने के इंस्पेक्टर अनुज कुमार सैनी द्वारा इंटरनेट के उपयोग के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने व्हाट्सएप, फोन-पे, पेटीएम जैसे डिजिटल भुगतान माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, किसी भी प्रकार के अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी एवं व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने तथा प्ले स्टोर से किसी भी एप्लीकेशन को डाउनलोड करते समय उसकी प्रामाणिकता जांचने पर विशेष बल दिया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नोटिस सुनवाई केंद्र का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज जनपद भ्रमण के दौरान अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने मिलेनियम पब्लिक स्कूल, सेक्टर 119 नोएडा स्थित नोटिस सुनवाई केंद्र का निरीक्षण किया तथा पंचशील बालक इंटर कॉलेज, सेक्टर 91 नोएडा में विधानसभा 61-नोएडा, 62-दादरी एवं 63-जेवर के बीएलओ एवं सुपरवाइजरों से संवाद स्थापित किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सर्वप्रथम मिलेनियम पब्लिक स्कूल स्थित नोटिस सुनवाई केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं, कार्यप्रणाली, शिकायत निस्तारण व्यवस्था एवं नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र पर उपस्थित नागरिकों एवं मतदाताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ में टॅ। व ।व। द्वारा उत्कृष्ट सहयोग करने पर प्रशंसा की, उनके

द्वारा पूर्ण सहयोग जो किया जा रहा है उनसे वार्ता कर सुझाव भी लिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नोटिस सुनवाई केंद्रों पर आने वाले नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है और प्रशासन का दायित्व है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार के प्रयोग में कोई असुविधा न हो, साथ में उन्होंने लोकल स्तर पर जाकर लोकल स्तर पर कैम्प रखने के निर्देश दिए ताकि सभी के लिए सुविधाजनक रहें। इसी तर्ज पर जिले में 114 विशेष कैम्प आयोजित किए हैं बूथ व सोसाइटी स्तर पर ताकि नागरिकों को तकलीफ ना हो। साथ में सभी के सुविधा के लिए बीएलओ स्तर पर सुनवाई, विडोइकॉल पर वेरिफिकेशन व सॉफ्ट कॉपी पर आईडी चेक करने की पहल के बारे में जानकारी करी । निरीक्षण के उपरांत पंचशील बालक इंटर कॉलेज नोएडा में आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ एवं सुपरवाइजरों से मतदाता सूची के अद्यतन कार्य, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थानांतरण एवं विलोपन से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बीएलओ एवं सुपरवाइजरों ने अपने अनुभव भी साझा किए व उनके काम की तारीफ की व प्रोत्साहन दिया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्य में विशेष सतर्कता बरतते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां जनसुनवाई केंद्रों पर फार्म 06 एवं मैपिंग कार्य के लिए अधिक संख्या में नागरिक आ रहे हैं, वहां जिला प्रशासन द्वारा आवश्यकतानुसार कैंप आयोजित कर कार्य सुगमता से संपन्न कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जनपद में संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति, जनजागरूकता गतिविधियों तथा बीएलओ के माध्यम से किए जा रहे घर घर सत्यापन कार्यों की जानकारी दी।

ट्रक चालक की हत्या के दोषी को उम्रकैद

नोएडा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अदालत ने ट्रक चालक की हत्या के मामले में परचून दुकानदार हाथरस निवासी बंटी उर्फ दिनेश को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में आरोपी को एक वर्ष और तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। मामला 15 दिसंबर 2023 की रात का है। शिकायतकर्ता सीमा अपने पति पवन (27) और पुत्र प्रिंस के साथ संतोष नगर कॉलोनी तिलपता सूरजपुर में किराये के मकान में रहती थीं। वहीं आरोपी बंटी उर्फ दिनेश की दुकान और घर शिकायतकर्ता के घर के सामने स्थित था। अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी को अपनी पत्नी और मृतक पवन के बीच अवैध संबंध का संदेह था। घटना की रात आरोपी बंटी शिकायतकर्ता के घर आया और गाली-गलौज की।

यीडा क्षेत्र में अतिक्रमण पर कार्रवाई करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

यमुना सिटी। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) की अधिसूचित भूमि पर अतिक्रमण समेत कई मुद्दों पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई। इसमें उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिसूचित क्षेत्र में जहां भी अतिक्रमण किया गया है, उसे ध्वस्त किया जाए। सीईओ आरके सिंह ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण करने वालों को नोटिस देने के साथ उसे हटाने की कार्रवाई निरंतर होनी चाहिए। कार्रवाई के नाम पर होने वाली खानापूर्ति को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने किसानों के सात प्रतिशत आबादी भूखंड के आवंटन के लिए भी तेजी से कार्रवाई के निर्देश दिए।

सीईओ ने कहा कि जिन किसानों को आरक्षण पत्र जारी हो चुके हैं, उनके भूखंडों का नियोजन व विकास जल्द से जल्द कर उनकी लीजडीड की जाए। बैठक में एसीईओ भूमि विभाग राजेश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर चलती कैंटर में आग लगी

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार दोपहर एक चलती कैंटर गाड़ी में भीषण आग लग गई। इस घटना में गाड़ी के ड्राइवर और हेल्पर ने कूदकर अपनी जान बचाई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने से कैंटर पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

यह घटना दनकौर कोतवाली क्षेत्र के पास हुई। जानकारी के अनुसार, कैंटर गाड़ी फरीदाबाद से ग्रेटर नोएडा की ओर आ रही थी। दनकौर निवासी गाड़ी मालिक संजय ने बताया कि उनका ड्राइवर एक कंपनी का सामान खाली करने के बाद हेल्पर के साथ वापस लौट रहा था। जैसे ही कैंटर दनकौर क्षेत्र के पास पहुंची, अचानक इंजन से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और तेजी से फैल गई। ड्राइवर को स्थिति का अंदाजा होने से पहले ही आग काफी बढ़ चुकी थी। हालात की गंभीरता को समझते हुए ड्राइवर और हेल्पर ने तुरंत चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह से कैंटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को सुचारू कराया। दनकौर कोतवाली पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस ने पुष्टि की है कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

भंगेल एलिवेटेड के नीचे बन रही रोड

ब्रिज कारपोरेशन बना रहा सड़क, 4.5 किमी पर खर्च हो रहे 35 करोड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। भंगेल एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे बनने वाली 4.5 किमी लंबी सड़क का काम शुरू कर दिया गया है। ये निर्माण ब्रिज कारपोरेशन करवा रही है। निर्माण मार्च अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इससे एलिवेटेड के नीचे लगभग बंद हो चुके बाजार को नया जीवन मिलेगा।

हाल ही में प्राधिकरण में स्टेट ब्रिज कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के साथ एक बैठक की गई थी। जिसमें भंगेल एलिवेटेड निर्माण के एग्रीमेंट की जानकारी दी गई। इसके बाद ब्रिज कारपोरेशन ने इस रोड का निर्माण खुद करवाने के लिए कहा। रोड का निर्माण करीब 35 करोड़ में किया रहा है। इसे मार्च अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। भंगेल एलिवेटेड के नीचे सड़क बनने से भंगेल और सलारपुर के बाजार की रौनक बढ़ जाएगी। ये बाजार नोएडा के प्रमुख बाजारों में शामिल है। लेकिन विगत चार सालों से सड़क टूटी होने और एलिवेटेड निर्माण के चलते कारोबारी पलायन को मजबूर तक हो गए थे।

लूप के लिए जारी होंगे टेंडर: एलिवेटेड रोड पर चढ़ने और उतरने के लिए सेक्टर-49-107 चौराहे पर दोनों ओर दो-दो लूप बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर-37 से आकर सेवन एक्स सेक्टरों की ओर जाने के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। इसी तरह सेवन एक्स से फेज टू की ओर से सूरजपुर की ओर जाने वालों के लिए लूप चढ़ाया जाएगा। इसके दूसरी तरफ सेक्टर-107 की ओर चढ़ने-उतरने के लिए लूप बनाए जाएंगे। इन लूप को बनाने के लिए अलग से टेंडर जारी किया जाएगा। इसे बनाने में करीब 45 करोड़ खर्च होंगे। इससे बनने के बाद एलिवेटेड रोड की वायबिलिटी काफी बढ़ जाएगी।

शाह टाइम्स

आपके लोकप्रिय अखबार दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन एवं समाचारों के लिए संपर्क करें।

प्रवेश सिंह दतानियां

जिला प्रभारी गौतमबुध नगर/खोड़ा

ए-37, सेक्टर-10, नोएडा, जनपद गौतमबुध नगर

9810967541, 8920145356

Email: parveshnoida@gmail.com

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

आज डिजिटल सुविधाएं जीवन को बना रही है सरल:डीएम

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जनपद स्तरीय कार्यशाला आयोजित, जनसमूह को इंटरनेट के सुरक्षित प्रयोग की दिलाई शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भारत सरकार के निर्देशानुसार सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा सरकारी कर्मचारियों को इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सुरक्षित, जिम्मेदार और समझदारीपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यशाला में जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने उपस्थित जनसमूह को इंटरनेट के सुरक्षित प्रयोग की शपथ दिलाते हुए कहा कि आज डिजिटल सुविधाएं जीवन को सरल बना रही हैं, परंतु असावधानी बरतने पर यही सुविधाएं बड़े जोखिम में भी बदल सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है, क्योंकि डेटा कभी नहीं सोता और

हमारी छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है।

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी भास्कर पांडे एवं अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी संतोष सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) बागपत द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का विषय स्मार्ट टेक, सेफ चॉइस एआई का सुरक्षित एवं जिम्मेदार प्रयोगीं रखा गया है, ताकि नागरिक नई तकनीकों के लाभ लेते हुए जोखिमों को कम कर सकें। इस दौरान एनआईसी की ओर से स्कूली बच्चों के लिए क्विज का आयोजन कर सही जवाब देने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा, डेटा प्रोटेक्शन तथा ऑनलाइन जोखिमों से बचाव के तकनीकी पहलुओं पर चरणबद्ध और व्यावहारिक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आज एआई का उपयोग वॉयस टाइपिंग, फेस अनलॉक, चैटबॉट, लाइव स्ट्रीम, उत्पाद सुझाव और डिजिटल सेवाओं आदि में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि एआई सुविधाएं जितनी उपयोगी हैं, उतनी ही संवेदनशील भी-क्योंकि इनके लिए बड़े पैमाने पर डेटा की आवश्यकता होती है। कार्यशाला में सबसे पहले यह समझाया गया कि साइबर अपराध आखिर क्या है, क्यों बढ़ रहा है और इससे बचाव कैसे संभव है। विशेषज्ञों के अनुसार इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता, त्वरित लाभ की मानसिकता, और तकनीकी जानकारी की कमी साइबर ठगी के प्रमुख कारण हैं। लोगों को लालच, डर या जल्दबाजी में निर्णय लेने के लिए उकसाया जाता है। इसलिए क्या करें और क्या न करें का स्पष्ट अभ्यास जरूरी है-जैसे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी, यूपीआई पिन और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करना, तथा ऑनलाइन कस्टमर केयर नंबर गूगल पर खोज. कर कॉल न करना, क्योंकि ठग अक्सर फर्जी नंबर बनाकर लोगों को जाल में फंसाते हैं। जिलाधिक. ारी ने समापन संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में सुविधा और सुरक्षा साथ-साथ चलनी चाहिए। जनपद स्तर पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि हर नागरिक ह्क्या, क्यों, कैसे, क्या करें, क्या न करें की स्पष्ट समझ के साथ इंटरनेट का उपयोग कर सके। कार्यशाला में परियोजना निदेशक राहुल वर्मा, जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी नागेन्द्र मिश्रा, जिला सूचना अधिक. ारी राहुल भाटी, यूनेस्को के सूचना एवं मीडिया साक्षरता एलायंस

शराब के नशे में बंदूक से की फायरिंग दरवाजे में खड़ी बच्ची के हाथ में लगे छर्रे

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। नगर के ठाकुरद्वारा मोहल्ले में पड़ोसी ने पहले शराब के नशे में गली में उत्पाद मचाया। लोगों के विरोध करने पर मंगलवार को आरोपी ने आठ साल की बच्ची पर फांयरिंग कर दी। बच्ची की गर्दन और हाथ में छर्रे लगे है। बच्ची की मां ने कोतवाली में तहरीर देकर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ठाकुरद्वारा मोहल्ले की निगम शर्मा पत्नी आदित्य शर्मा ने बताया कि उसके पड़ोस में कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का व्यक्ति करीब चार महीने से मकान लेकर रह रहा है। जो पूरा दिन शराब के नशे में रहता है और गली में खड़े होकर पड़ोसियों के साथ गाली-गलौज करता है। मंगलवार की दोपहर करीब ढाई बजे वह गली में खडे होकर गाली-गलौज कर रहा था और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा था। कुछ देर बाद वह अपने घर से बंदूक लेकर आया और फायरिंग कर दी। उसकी बेटी अवन्या उम्र आठ साल घर के दरवाजे पर खड़ी हुई थी। फायरिंग के दौरान कुछ छर्रे उसकी बेटी की गर्दन ओर हाथ में लगने से घायल हो गई। घटना के बाद से उसकी बेटी काफी डरी हुई भयभीत है। उन्होंने कोतवाली में तहरीर देकर उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

एसपी ने किया तीन चौकी प्राभरियों सहित पांच का फेरबदल

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन उप-निरीक्षकों (दरोगाओं) को पुलिस लाइन भेज दिया है। इसके साथ ही, दो नए उप-निरीक्षकों को चौकी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

जिन उप-निरीक्षकों को पुलिस लाइन भेजा गया है, उनमें शहर कोतवाली क्षेत्र की टटीरी चौकी प्रभारी विपिन कुमार यादव, सरूरपुर चौकी प्रभारी देवेंद्र कुमार शर्मा और न्यायालय सुरक्षा चौकी प्रभारी वृक्षपाल शामिल हैं। दरोगा अंकित कुमार को बागपत शहर कोतवाली से सरूरपुर चौकी प्रभारी बनाया गया है। वहीं, टटीरी चौकी की कमान महिला दरोगा सीमा को सौंपी गई है। एसपी ने इन तबादलों को सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की कवायद बताया है। सभी स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को तत्काल अपनी नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया है। उन्होंने पुलिसकर्मियों

को डयूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के लिए निर्देशित किया है, साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्टंटबाजी का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने चार लोगों को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर जानलेवा स्टंटबाजी का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो वाहनों को भी जब्त किया गया है। स्टंटबाजी के कारण राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था।

स्टंट में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो और आयशर ट्रैक्टर को भी जब्त कर सीज कर दिया है। यह घटना 8 फरवरी की सुबह दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर काठा गांव के पास हुई थी। कुछ युवक ट्रैक्टर और लग्जरी गाड़ियों में सवार होकर लगभग आधे घंटे तक 3 किलोमीटर के दायरे में जानलेवा स्टंट कर रहे थे।

उनकी इस हरकत से हाईवे पर आवाजाही कर रहे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस ने इसकी जांच शुरू की। वीडियो के आधार पर पुलिस ने जानलेवा स्टंटबाजी में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सिसाना निवासी प्रशांत पुत्र मुकेश, अनिल, नीरज निवासी काठा सहित नवाब पुत्र रफीक शामिल हैं। पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल की गई। एक स्कर्ज़र्पियो कार और एक आयशर ट्रैक्टर को भी जब्त कर सीज कर दिया है। स्टंटबाजी के कारण राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक सड़कों पर कानून का उल्लंघन करने या जानलेवा स्टंट करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

पीड़ित परिवार मृत बच्चे को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा, दोषियों पर की कड़ी कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक परिवार से मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना में एक महिला का छह माह का गर्भपात हो गया। पीड़ित परिवार मृत बच्चे को हाथ में लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और न्याय की गुहार लगाई।

यह घटना सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के बिल्लौचपुरा गांव की है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घर के बाहर कूड़ा डालने को लेकर दबंगों ने उनके साथ मारपीट की और महिला से छेड़छाड़ की। शिकायत के बाद आरोपियों ने दोबारा घर पर हमला किया, जिसमें 10 से अधिक लोग शामिल थे। इस हमले में महिला की कोख में पल रहे छह माह के बच्चे की मौत हो गई, जिससे उसका गर्भपात हो गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने पुलिस से शिकायत की, तो पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने केवल शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया, जिससे मामला और बिगड़ गया। इसके बाद पीड़ित परिवार मृत बच्चे को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए बागपत के एसपी सूरज राय ने संबंधित पुलिसकर्मियों को फटकार लगाई और तत्काल मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने अब आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सिंघावली अहीर थाना प्रभारी कुलदीप सिरोही ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही हैं।

घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। पांची गांव में घर के बाहर खड़ी ई रिक्शा चोर चोरी कर ले गये पीड़ित नें थाने में तहरीर दी है। पांची निवासी युसूफ पुत्र रोशन ने बताया की उसका ई रिक्शा पांची चमरावल मार्ग पर घर के बाहर खड़ा था। रात्रि डेढ बजे के करीब चोर आटो से वहा पहुंचे और पहले रास्ते में खड़ा होकर इधर उधर देखा फिर ई रिक्शा चोरी कर फरार हो गये। सुबह जब पीड़ित ने देखा तो रिक्शा चोरी हुए मिला समीप लगे सीसीटीवी में देखा तो चोर ई रिक्शा चोरी करते दिखायी दिये। पीड़ित नें थाना चांदीनगर में तहरीर दी है पुलिस जांच में जुटी है।

छात्रों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली, पेट के कीड़ों से होने वाले नुकसान बताए

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान की मंगलवार से शुरुआत हो गई। इस बीच छात्रों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर पेट के कीड़ों से होने वाले रोगों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ एसीएमओ डा. मुकेश कुमार ने फीता काटकर किया। एसीएमओ ने कहा कि पेट में कीड़े होने की वजह से शरीर का विकास नहीं हो पाता है। इससे शरीर में दुर्बलता आती है। इसके बाद छात्रों को टेबलेट खिलाई गई। बागपत के प्राथमिक विद्यालय-1 मे कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया।

डीएम ने किया कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। मंगलवार को जिलाधिक. ारी अस्मिता लाल ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर प्रशास. निक व्यवस्थाओं का व्यापक जायजा लिया। निरीक्षण का उद्देश्य कार्यालयों में कार्यप्रणाली की वास्तविक स्थिति जानना, लंबित प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करना तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में अलग-अलग कार्यालयों में फाइलों के संधारण, अभिलेखों की उपलब्धता तथा प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति की जांच की गई। कई स्थानों पर फाइल मूवमेंट और रिकॉर्ड अपडेट करने की प्रक्रिया को और व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर तय समयसीमा में उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े। कार्यालयों में उपस्थिति पंजिका की भी जांच की गई। समयपालन और कार्यालयीन अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी अधिकारी व कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। प्रशासनिक कार्यों की गति और गुणवत्ता सीधे तौर पर अनुशासन व नियमितता पर निर्भर करती है, इसलिए किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े अनुभागों में प्रगति की स्थिति की भी समीक्षा की गई। पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने, लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने

तथा प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ही शासन की मंशा आमजन तक पहुंचती है, इसलिए किसी भी स्तर पर लाप. रवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी। कलेक्ट्रेट परिसर की स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, प्रतीक्षालय और सूचना पट्टों की स्थिति का भी निरीक्षण किया। जहां-जहां कमियां पाई गईं, वहां संबंधित कर्मचारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। रिकॉर्ड रूम में पुराने अभिलेखों के सुरक्षित संधारण, फाइलों की ट्रेसबिलिटी और आवश्यक दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन की प्रगति की समीक्षा की गई। निर्देशित किया गया कि महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को व्यवस्थित तरीके से संरक्षित रखे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व विनीत उपाध्याय, आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

एक दिवसीय सालाना जलसे का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। बस स्टैंड पर स्थित मदरसा इस्लामिया मो. सिनुल उलूम में एक दिवसीय सालाना जलसे का आयोजन किया गया जिसमें तकरीर करते हुए मुफ्ती खालिद नें कहा कि रमजान माह शुरू होने वाला है सभी रोजे रख खुदा की इबादत करे और गरीबों को इमदाद करे यह माह हमें अच्छाई सिखाता है।

रटौल में बस स्टैण्ड पर स्थित मदरसा इस्लामिया मोसिनुल उलूम में एक दिवसीय सालाना जलसे का आयोजन किया गया जिसमें तकरीर करते हुए मुफ्ती खालिद मेरठी नें कहा की सभी मुस्लिमों को पांच वक्त की नमाज पढना जरूरी है। नमाज कभी न छोड़े क्योंकि मरने के बाद हमारे काम हमारे अमाल और नमाज ही काम आयेगी अगर हमारे अमाल अच्छे नही होगे को जाहनूम के दरवाजे खुले होगे। इसलिए सभी पांच वक्त के नमाजी बने और अपने अमाल अच्छे रखे उन्होंने कहा रमजान का माह शुरू होने वाला है। रमजान में खुदा की इबादत और तिलावत करे और अपने गुनाहों की तौबा करे रमजान माह में गरीबों का ध्यान रखे इफ्तारी भेजे और उनकी इमदात करे जलसे में मौलाना फरहत उमर, कारी जुलेकार, मौलाना अशरफ कासमी, हाफिज अब्दुल रहमान मौलाना सफीक, अब्दुल सलाम, पूर्व प्रधान जाकिर हसन, असफाक चौधरी आदि मौजूद रहे।

कीटनाशक ट्रैकर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा: बाल गोविंद

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। कृषि विभाग किसानों को 50प्रतिशत अनुदान पर सोलर लाइट ट्रैप उपलब्ध करा रहा है। यह पहल किसानों को जहरीले कीटों से छुटकारा दिलाने और फसल सुरक्षा में मदद करने के उद्देश्य से की गई है।

इस यंत्र को प्राप्त करने के लिए किसानों को कृषि विभाग में आवे. दन करना होगा। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, कीटनाशक ट्रैकर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि अधिकारी बाल गो. विंद यादव ने इस ट्रैकर के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि इससे खेतों में रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग में कमी आएगी। यह यंत्र रात में खेत में लगाए जाने पर जलता है, जिससे कीट इसकी रोशनी की ओर

आकर्षित होकर इस पर चिपक जाते हैं और मर जाते हैं। उप कृषि निदेशक विभाषी चतुर्वेदी और जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए कहा कि यह ट्रैकर किसानों के लिए बहुत लाभकारी है। यह न केवल कीटनाशकों पर होने वाले खर्च को कम करेगा, बल्कि फसल की गुणवत्ता सुधार कर किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक होगा। विभाग ने किसानों से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

प्रिंस नैन ने स्टेट कुश्ती में जीता स्वर्ण पदक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। वाराणसी में आयोजित सब जूनियर स्टेट कुश्ती चैंपियनशिप में जनपद के सरूरपुर कला गांव के प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रिंस नैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बागपत का नाम एक बार फिर प्रदेशभर में रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है और परि. जनों व ग्रामीणों ने गर्व व्यक्त किया है।

वाराणसी के बनियापुर में स्वर्गीय केदार पहलवान की स्मृति में 7 से 9 फरवरी तक तीन दिवसीय सब जूनियर प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। सरूरपुर कला निवासी किसान सुभाष नैन के पुत्र प्रिंस नैन ने जनपद बागपत का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्रीको रोमन शैली के 60 किलोग्राम भार वर्ग में दमदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में प्रिंस नैन ने गोरखपुर के अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान अभिनव को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रिंस की कुल चार कुश्तियां हुईं और उन्होंने चारों मुकाबले एकतरफा अंदाज में जीतकर अपनी मजबूत पकड़ और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। प्रिंस की इस सफलता पर परिवार, कोच और ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की इस उपलब्धि से क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और खेलों के प्रति उनका रुझान बढ़ेगा।

जनता वेदिक डिग्री कॉलेज के गेट से प्रारंभ हुई मैराथन यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। नगर के जनता वेदिक डिग्री कॉलेज के गेट से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बागपत के तत्वाधान में जिला संयोजक अमन गुप्ता के नेतृत्व में एक मैराथन यात्रा प्रारंभ हुई जो नगर के मुख्य बाजार अग्रसेन मूर्ति संजय मूर्ति नेहरू मूर्ति फुस वाली मस्जिद मुख्य बाजार से होते हुए दिल्ली बस सहारनपुर हाईवे होती हुई नगर के मुख्य पीएन शर्मा पार्क शहीद स्मारक पार्क पर संपन्न हुई मैराथन यात्रा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

मैराथन यात्रा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को जागरूक करना रहा भारी संख्या में मैराथन यात्रा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जनता वैदिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डा.यशपाल शास्त्री ने युवाओं का मनोबल बढ़ाया और उन्हें स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार चाहल ने भी युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशे से आजीवन दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के भारी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

विदाई समारोह में विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

शाह टाइम्स संवाददाता

बिनौली। न्यू एरा वर्ल्ड स्कूल में मंगलवार को विदाई समारोह हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। समारोह का शुभारंभ निद. ेशक अनुभव चौधरी व शिवानी चौधरी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्र-छात्राओं ने संगीत की मधुर धुनों पर सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, गरबा नृत्य, हरियाणवी लोकनृत्य, वेस्टर्न डांस, हास्य नाटिका व म्यूजिकल प्रतियोगिताओं की प्रस्तुति से सबको भाव विभोर किया। रैप पर हुए कैटवॉक में यशिका को मिस फेयरवैल व रितिक को मिस्टर फेयरवैल चुना गया, जबकि आदित्य को मिस्टर स्कूल व खुशी को मिस स्कूल चुना गया। निकिता के संचालन में हुए समारोह में निर्देशक देव नागर व प्रधानाचार्य मीनू सिरोही ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में धूमधाम के साथ मनाया वार्षिकोत्सव समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। मंगलवार को राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसमें छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शानदार प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. एसके शर्मा, विशिष्ट अतिथि नरेश कुमार शर्मा एवं ओमपाल सिंह की उपस्थिति में सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्रधानाचार्य डा. प्रीति शर्मा ने बताया कि छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय की पत्रिका के प्रथम संस्करण 'अस्मिता-सृजन की ओर पहला कदम' का विमोचन किया गया, जिसमें विद्यालय की शून्य से शिखर तक की प्रगति यात्रा को दर्शाया गया है। खेल प्रतियोगिताओं में जूनियर से सीनियर वर्ग तक की छात्राओं को चम्मच दौड़, गोला फेंक, ऊंची-लंबी कूद, खो-खो व क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पुरस्कार दिए गए। वर्षभर अनुशासन व्यवस्था संभालने वाली 15 वॉलिंटियर छात्राओं एवं विभिन्न क्लबों की नोडल अधिकारियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन छवि श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में वंदना शर्मा, इदू, हुकुम सिंह, मंजू रानी, आशु रानी, पूनम, सुरक्षा, कविता, अंकुर, अमित, सिमरन व राखी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र अंकुर से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगा।

गौरी पत्नि स्व.हातम निवासी ग्राम सिरसलगढ, थाना बिनौली तहसील बडौत जनपद बागपत।

NOTICE

In My Driving Licence No. UP1720030003184, name was incorrectly recorded as Rajendra Kumar Tiwari, son of Roshan Lal Tiwari.This information is incorrect. My correct name is Rajendra Kumar, son of Roshan Lal. Address: Mukarrabpur Kandera, Baghpat.

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र प्रशान्त से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगा।

दिनेश पाल पुत्र स्व.तिलकराम निवासी पट्टी धनकोशिया कस्बा छपरौली तहसील बडौत जनपद बागपत।

लावड़ में बिना अनुमति चल रही फिल्म की शूटिंग

राष्ट्रीय इंटर कॉलेज को बना दिया जिला कारागार, फिल्म में एक्टर राहुल देव बने हैं जेलर

■ स्थानीय पुलिस की शह पर हो रहा है शूटिंग का आयोजन, राहुल को देखने उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। कस्बे में बीते तीन दिनों से हिंदी फिल्म रिमांड की शूटिंग राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में चल रही है जिसकी शासन प्रशासन से कोई भी अनुमति नहीं ली गई है। जबकि यह सरकारी स्कूल है जिसमें शासन प्रशासन के अलावा बीएसए की अनुमति भी जरूरी होती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कॉलेज के अलावा क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी फिल्म शूट होनी है। बताया जाता है कि सरकारी स्कूल का नाम हटाकर फिल्म के लिए जिला कारागार मेरठ लिखा गया है और फिल्म शूट करने वाले टीम को सदस्यों के साथ-साथ एक्टर राहुल देव भी यूपी पुलिस की वर्दी में जेलर के रूप में नजर आ रहे है वहीं दो दर्जन से अधिक लोग कैदी के रूप में भी नजर आ रहे हैं। राहुल देव को देखने के लिए मंगलवार को काफी संख्या में लोग राष्ट्रीय इंटर कॉलेज पर पहुंच गए जब उन्हें बाउंसरों ने रोका तो उनकी जमकर नोंकझोंक हुई। इस दौरान हंगामा होते देख टीम के सदस्यों ने किसी तरह स्थिति को संभाला। अब सवाल ये बनता है कि ऐसी स्थिति में अगर हंगामा या कोई अभद्र व्यवहार होता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। हालांकि कुछ देर के लिए स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और खानापूर्ति कर वापिस चली गई पुलिस के जाते ही फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू कर दी गई। इस दौरान कई बार स्थानीय लोगों ओर बाउंसरों के बीच तीखी झड़प भी देखने को मिली। वहीं इंचौली थाना प्रभारी जितेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि फिल्म शूटिंग की जानकारी मिली थी मौके पर पहुंचकर शूटिंग को रुकवा दिया गया है और आयोजकों को बिना अनुमति शूटिंग न करने की हिदायत दी गई है। बिना अनुमति शूटिंग नहीं होने दी जाएगी। राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के लिए प्रशासन से अनुमति की उन्हे जानक. ारी नहीं है स्कूल में शूटिंग के लिए उनसे पूछा गया था तो उन्होंने शूटिंग के लिए बोल दिया था।

स्कूल व पुलिस प्रशासन की शह पर स्कूल को बनाया जेल

सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य व स्थानीय पुलिस की मिलीभगत के चलते बिना अनुमति सरकारी संपत्ति पर फिल्म की शूटिंग कराई जा रही है। कुछ लोगों ने बताया कि स्थानीय पुलिस कुछ मिनट के लिए आई ओर महज खानापूर्ति कर चली गई अब सवाल ये बनता है कि अगर कोई व्यवस्था बिगड़ती है तो जिम्मेदार कौन होगा।

ऊपर कॉलेज पर लगा कारागार का बोर्ड व जेलर बनें राहुल देव।

फलावदा संपर्क मार्ग के चौड़ीकरण मामले में पहुंचे अधिकारी बेरंग लौटे

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। मेरठ की सीमा को मुजफ्फरनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए फलावदा संपर्क मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। लेकिन मन्दवाड़ी गांव के कुछ लोगों द्वारा चौड़ीकरण के निर्माण कार्य रुका हुआ है। जिसके चलते उक्त रास्ते पर जल भराव हो गया और लोगों के आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। इस संबंध में गांव के लोगों ने गत दिवस तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य पूरा कराने व जल भराव से निजात दिलाने को मांग उठाई थी।

डीएम मेंरठ के आदेश पर मंगलवार को एडीएम ई, एसपी देहात अभिजीत कुमार, राजस्व विभाग की टीम व लोक निर्माण विभाग के एआइ रजनीश कुमार, जेई संदीप शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। जहां सीओ पंकज लवानिया और थाना प्रभारी ब्रह्माकुमार त्रिपाठी भी पुलिस फोर्स के साथ गांव पहुंचे पहले उक्त मार्ग का अधिकारियों ने पैदल चलकर निरीक्षण किया, उसके बाद ग्रामीणों से संवाद कर मार्ग में आ रही समस्या के निस्तारण का प्रयास किया। जहां गांव के ज्यादातर लोगों ने बताया कि गांव के कुछ लोग अपने घरों के आगे सरकारी नाली व चौड़ीकरण के कार्य का विरोध कर रहे हैं। जबकि ज्यादातर गांव के लोग मार्ग के चौड़ीकरण निर्माण कार्य आरंभ कराने के लिए अधिकारियों के आगे गुहार लगाई। जिसको लेकर काफी दिनों से निर्माण कार्य रुका हुआ है हालांकि कई बार ठेकेदार द्वारा कार्य करने का प्रयास किया गया। लेकिन मौके पर समाधान नहीं हुआ। दोपहर के समय कस्बे से आधा दर्जन से अधिक सरकारी अमले की गाड़ियां जब कस्बे से गुजरी तो लोगों को अनहोनी घटना की आशंका होने लगी। जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। एडीएम प्रशासन ने मंदवाडी के दोनों पक्षों की समस्या सुनी। मसले का हल न निकलते देख पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी वापस लौट गए।

नकली बैडशीट प्रकरण में आया नया मोड़

दूसरे राज्यों के व्यापारियों से बिगड़े संबंध ठगे गए व्यापारी मांग रहे हैं पैसे वापस

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। नगर और देहात क्षेत्र में बाम्बे डाइंग, डी-डिकोर समेत अन्य नामी कंपनियों के नाम पर तैयार की जा रही नकली ब्रांडेड बैडशीट के प्रकरण ने अब नया और गंभीर मोड़ ले लिया है। मामले के उजागर होने के बाद न सिर्फ स्थानीय स्तर पर हड़कंप मचा हुआ है, बल्कि दूसरे राज्यों के व्यापारी भी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। हालात यह हैं कि सरधना के नकली बैडशीट कारोबार से जुड़े सफेदपोशों और बड़े कारोबा. रियों से बाहरी राज्यों के व्यापारी अब अपने पैसे वापस मांगने लगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, जैसे ही नकली बैडशीट के इस संगठित नेटवर्क की खबरें सामने आई, वैसे ही दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, आसाम, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हिमाचल, समेत देश के राज्यों के कई व्यापारियों ने सरधना के निर्माताओं और सप्लायरों से संपर्क साधना शुरू कर दिया। पीड़ित व्यापारियों का कहना है कि उन्हें नामी कंपनियों की असली बैडशीट बताकर नकली माल सप्लाई किया गया, जिससे उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। पूर्व में नकली बैडशीट माफियों ने उनसे मोटी रकम लेकर माल तैयार करने को कहा था, लेकिन मामला नकली निकलने के बाद दूसरे राज्यों के व्यापारी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहें है।

असली के नाम पर नकली माल, करोड़ों का नुकसान

पीड़ित व्यापारियों का आरोप है कि सरधना से जो बैडशीट उन्हें भेजी गई, वे देखने में ब्रांडेड और उच्च गुणवत्ता की बताई गई थीं। पैकिंग, टैग और ब्रांड नाम इतने शातिराना तरीके से लगाए गए थे कि शुरुआती दौर में किसी को शक तक नहीं हुआ। लेकिन जैसे ही बाजार में शिकायतें बढ़ीं और जांच एजेंसियों की कार्रवाई सामने आई, पूरा सच उजागर हो गया। व्यापारियों का कहना है कि अब उनके पास जो स्टॉक बचा है, उसे खरीदने को कोई तैयार नहीं है। बाजार में नकली बैडशीट की चर्चा फैलने से उनकी साख पर बुरा असर पड़ा है और कई जगह पुराने ग्राहक भी उनसे किनारा करने लगे हैं। ऐसे में उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

ठगे गए व्यापारी पैसे वापसी का बना रहे हैं दबाव

सूत्र बताते हैं कि ठगे गए व्यापारी अब सरधना के कारोबारियों पर लगातार दबाव बना रहे हैं कि उन्हें उनका पैसा लौटाया जाए। कुछ व्यापारियों ने साफ कह दिया है कि यदि रकम वापस नहीं की गई, तो वे कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाएंगे। इसको लेकर सरधना के नकली बैडशीट कारोबार से जुड़े कई लोगों में खलबली मची हुई है। बताया जा रहा है कि पहले जहां सरधना के इन कारोबारियों के साथ बाहरी राज्यों के व्यापारियों के मजबूत और भरोसेमंद संबंध थे, वहीं अब हालात पूरी तरह बिगड़ चुके हैं। फोन कॉल, लेन-देन और सप्लाई चेन में दरार आ चुकी है।

साख पर संकट, भविष्य का कारोबार अधर में

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इस नकली बैडशीट प्रकरण ने सरधना की व्यापारिक छवि को देशभर में नुकसान पहुंचाया है। ईमानदारी से व्यापार करने वाले लोग भी शक के दायरे में आ गए हैं। यदि समय रहते इस पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो इसका असर आने वाले समय में पूरे कपड़ा उद्योग पर पड़ेगा।

कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं दूसरे राज्यों के व्यापारी

सूत्रों का दावा है कि कई पीड़ित व्यापारी अब दस्तावेज, बिल और लेन-देन के सबूत इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर पुलिस, जीएसटी विभाग और न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जा सके।

ऐसे में आने वाले दिनों में नकली बैडशीट प्रकरण में नए खुलासे और बड़ी कार्रवाई की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल, नकली बैडशीट का यह मामला केवल स्थानीय नहीं रहा, बल्कि अंतरराज्यीय स्तर पर बड़ा आर्थिक विवाद बन चुका है, जिसने सरधना के सफेदपोश कारोबारियों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

दो भाइयों ने किक बॉक्सिंग में किया फलावदा कस्बे का नाम रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में 4 से 8 फरवरी तक आयोजित 5वीं इंडियन ओपन इंटरनेशनल किक बॉक्सिंग कप 2026 में भारत सहित 20 से अधिक देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में जनपद के कस्बा फलावदा के सगे भाइयों अंश मकोडवाल और आदित्य मकोडवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन किया।

अंश मकोड़वाल ने 94 किग्रा वर्ग पॉइंट फाइटिंग में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंश ने अपने पहले मुकाबले में हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी को 12-2 से, दूसरे मुक. ाबले में तुर्की के खिलाड़ी को 8-5 से पराजित किया तथा फाइनल मुकाबले में पंजाब के खिलाड़ी को 10-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं आदित्य मकोड़वाल ने 69 किग्रा वर्ग पॉइंट फाइटिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। आदित्य का फाइनल मुकाबला गाला फाइट के लिए चयनित हुआ। जिसमें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ 10 प्रो. फाइट्स शामिल होती हैं और विजेताओं को टाइटल बेल्ट व नकद पुरस्कार दिया जाता है। आदित्य ने पहला मुकाबला ओडिशा के खिलाड़ी को 13-7 से, दूसरा मुकाबला दिल्ली के खिलाड़ी को 12-4 से जीता। फाइनल में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी से हुआ, जिसमें कड़े संघर्ष के बाद वह मात्र 3 अंकों से पराजित हुए। इस उपलब्धि के साथ आदित्य ने रजत पदक के साथ 200 यूरो नकद पुरस्कार भी अर्जित किया। इस अवसर पर अरविंद शेरवालिया महासचिव, किक बॉक्सिंग एसो. ने बताया कि दोनों खिलाड़ी सगे भाई हैं और विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। अंश मकोड़वाल तीन बार राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके हैं, जबकि आदित्य मकोड़वाल पांच बार राष्ट्रीय चैंपियन हैं। आदित्य मकोड़वाल ने वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग 2026 (थाईलैंड) में कांस्य पदक, एशियन किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024 (कंबोडिया) में कांस्य पदक तथा इंटरनेशनल किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2023 (जॉर्डन) में दो स्वर्ण पदक जीते हैं। वहीं अंश मकोड़वाल एशियन किक बॉक्सिंग चेंपियनशिप 2024 (कंबोडिया) के स्वर्ण पदक विजेता हैं तथा वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग 2024 (उज्बेकिस्तान) में दो कांस्य पदक जीत चुके हैं। किक बॉक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने दोनों खिलाड़ियों को आशीर्वाद व शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अन्य लोग भी रहे।

नहर में कूदी महिला का दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। सोमवार की शाम को 35 वर्षीय एक महिला सिवाल खास गंग नहर में आत्महत्या करने के लिए कूद गई थी। राहगीरों ने थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने लोकल गोताखोर की मदद से महिला की छानबीन की लेकिन कोई पता न चला राहगिरों ने बताया कि महिला पहले इधर-उधर टहलने लगी उसके बाद नहर में कूद गई। मंगलवार को एनडीआरएफ टीम ने सिवाल खास से निवाड़ी बॉर्डर तक सर्च अभियान चलाया। लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं लगा।

दोस्ती में ठगा युवक

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। टीपी नगर निवासी एक युवक ने उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि कोचिंग करते समय एक महिला प्रोफेसर से उसकी दोस्ती हो गई थी जिसके बाद महिला ने न केवल उससे शादी के फर्जी प्रमाण पत्र बनवा लिए बलकि उसे मृत दिखाकर पत्नी बनकर बैंक से उसके रूपये निकाल लिए जबकि वह युवक दिल्ली के एक सरकारी विभाग में सेवारत है। घटना की रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है पुलिस जांच में जुटी है कि झौल कहा है। मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

भाकियू किसान सभा की सरधना कार्यकारिणी ने भाकियू किसान क्रांति की ली सदस्यता

शाह टाइम्स संवाददाता

सरूरपुर। ग्राम पंचायत मिलक में किसान हितों को लेकर एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक सभा का आयोजन किया गया। यह सभा चौधरी निखिल राव के नेतृत्व में सम्पन्न हुई, जिसमें क्षेत्र के किसानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न गांवों से आए संगठन के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

सभा के दौरान भारतीय किसान यूनियन (किसान सभा) की समस्त सरधना कार्यकारिणी ने किसान हितों की लड़ाई को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारतीय किसान यूनियन (किसान क्रांति) में पूर्ण आस्था व्यक्त करते हुए संगठन की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम भारतीय किसान यूनियन (किसान क्रांति) के एनसीआर अध्यक्ष आसिफ खान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। चौधरी निखिल राव को जिला अध्यक्ष, मेरठ, मजहर सैफी को जिला प्रभारी, मेरठ तथा हमजा गाजी को युवा मंडल अध्यक्ष, मेरठ मनोनीत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए एनसीआर अध्यक्ष आसिफ खान ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (किसान क्रांति) किसानों की आवाज को सड़क से संसद तक मजबूती से उठाने वाला संगठन है। वहीं नवमना. ेनीत जिला अध्यक्ष चौधरी निखिल राव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए किसानों पर हो रहे अन्याय के खिलाफ मजबूती से संघर्ष करने का संकल्प दोहराया। सभा के अंत में संगठन की एकता और संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया गया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता की सड़क दुर्घटना में मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। कस्बा सिवाल खास के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलजार चौधरी का सड़क दुर्घटना के बाद निधन हो गया गुलजार चौधरी की खबर सुनते ही सिवाल खास में दुख की लहर दौड़ गई। परिजनों के मुताबिक गुलजार चौधरी अभी कुछ दिन पहले बागपत रोड पर सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे जहां उन्हें मेरठ अस्पताल में भर्ती कर दिया गया था। मंगलवार को उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। उनकी मौत की खबर सुनते ही सिवाल खास में दुख की लहर दौड़ गई और कांग्रेस के नेता और अन्य राजनेताओं का घर पर जमावड़ा रहा। वहीं गुलजार चौधरी बहुत समय से कांग्रेस के सिपाही रहे हैं कांग्रेस नेताओं ने कहा कि गुलजार चौधरी जैसे व्यक्ति ने हमेशा कांग्रेस के साथ खड़े रहे हैं और इस दुख की घड़ी में कांग्रेस टीम उनके साथ है। इस बीच कांग्रेसियों ने परिवार वालों को सांत्वना दी।

सेफर इंटरनेट डे पर एनआईसी सभागार में कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। विश्व स्तरीय सेफर इंटरनेट डे के अवसर पर एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी और अर्द्ध सरकारी कार्यालयों के कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे मंगलवार को सेफर इंटरनेट डे मनाया जाता है। इस वर्ष 10 फरवरी को स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग थीम के साथ यह दिवस मनाया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी ने स्कैम से बचने की सलाह दी।

रामराज में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। क्षेत्र के गांव रामराज स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया।

सम्मेलन में समाज के सामने खड़ी वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों पर गहन मंथन किया गया। मुख्य वक्ता संत सरस्वतानंद महाराज ने कहा कि हिंदू समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, अनुशासन और सांस्कृतिक चेतना में बसी है। उन्होंने संघ के 100 गौरवशाली वर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक आप जागेंगे नहीं तब तक आगे नहीं बढ़ पाएंगे। समाज को एक सूत्र में पिरोना ही आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कश्मीर में हुई घटनाओं का जिक्र किया और लव जिहाद तथा घुसपैठ को राजनीतिक दलों द्वारा प्रमाण पत्र दिये जाने की समस्या पर चिंतन करने की जरूरत बताया। उन्होंने धर्मांतरण को तीसरी और जनसंख्या असंतुलन को चौथी प्रमुख समस्या बताया। महाराज ने कहा कि हमारे पास प्रभुश्री राम की मर्यादा, भगवान श्रीकृष्ण की कूट नीति, स्वामी दयानंद की क्रांति और भगवान बुद्ध व महावीर के शांति संदेश है। रामराज खंड कारवां ब्रह्मचारी सिंह ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा का विवरण साझा किया। उन्होंने मुगलों के अत्याचारों का वर्णन किया और युवाओं को देश के दुश्मनों से लड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अंकुश शर्मा व मास्टर दिनेश बंसल ने किया। इस मौके पर व्यापार संघ अध्यक्ष विपिन मनचंदा, साधन सहकारी समिति चेयरमैन सुरेन्द्र मुखिया, प्रधान सुरेंद्रपाल सिंह, केपी धीमान, डाक्टर श्रीपाल कोहली, मोनू बंसल आदि लोग रहे।

जिला स्तरीय खेलों में मानपुर ने फिर मारी बाजी

■ आईआईएमटी यूनिवर्सिटी में हुआ आयोजन
■ जिला स्तरीय खेलों में मानपुर की टीम रही अव्वल
■ माछरा ब्लॉक की टीम ने सरधना ब्लॉक को फाइनल में हराकर गोल्ड मेडल जीता

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। जिला स्तरीय खेलों का आयोजन आईआईएमटी यूनिवर्सिटी गंगानगर में हुआ जिले के समस्त ब्लॉक की टीमों ने खेलों में भाग लिया। माछरा ब्लॉक की टीम ने सरधना ब्लॉक को फाइनल में हराकर गोल्ड मेडल जीता।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में जिला स्तर के खेल प्रतियोगिता का पहला दिन आईआईएमटी गंगानगर में संपन्न हुआ खेलों का शुभारंभ जिला बेसिक् शिक्षा अधिकारी आशा चौधरी के द्वारा किया गया। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में मेरठ के सभी ब्लॉकों की 12 टीमों के छात्र-छात्राओं ने खेलों में भाग लिया। कबड्डी में मानपुर के जूनियर के बालक व बालिका वर्ग ने गोल्ड मेडल वह सिल्वर मेडल जीते, गोला फेक, चक्का फेंक और ऊंची गोद में भी मानपुर की टीम ने गोल्ड मेडल जीते, दफतला की टीम ने 100 मीटर बालक वर्ग की दौड़ में ब्रोंज मेडल जीता, प्राथमिक विद्यालय हसनपुर कला के छात्र-छात्राओं ने रोल प्ले किया जबकि उच्च प्राथमिक विद्यालय शोलदा की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।

मानपुर टीम के ब्लॉक खेल प्रभारी मोहम्मद इरफान, व्यायाम प्रभारी रेनू वर्मा, इनके अतिरिक्त खेल अनुदेशक अभिषेक, राजीव, शिवकुमार, विनीत कुमार, ज्ञानदीप आदि ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस मौके पर जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राकेश तोमर, महामंत्री सविता शर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी माछरा अजय कुमार उपस्थित रहे।

पाक ने भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार का फैसला वापस लिया

- **पाक सरकार ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए उन्होंने पाक टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति दी**

लाहौर, वार्ता। पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले टी-20 विश्व कप ग्रुप मैच में उनकी टीम के बहिष्कार के फैसले को वापस ले लिया है। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, उन्होंने पाकिस्तान टीम को भारत के खिलाफ मैच खेलने की अनुमति दे दी है। पाकिस्तान सरकार के भारत के खिलाफ मैच के बहिषकार के फैसले को वापस लेने को लेकर पिछले कुछ दिनों में पीसीबी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड(बीसीबी) और अंतर्राष्टीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच बैठकों का सिलसिला जारी था। आर्थिक नजरिए से यह इस विश्व कप का सबसे अधिक आर्थिक रूप से लाभकारी मैच है। सोमवार शाम को पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मैच पर फ़ैसला अगले 24-48 घंटों में आ सकता है। इससे कुछ मिनट पहले आईसीसी ने भी एक बयान जारी किया, जिसमें उसने बांग्लादेश के प्रति अपना रुख नरम अख्तियार करते हुए कहा कि बांग्लादेश टीम पर टी-20 विश्वकप के लिए भारत की यात्रा से इनकार करने पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा। इसके अलावा, उन्हें 2028-2031 चरण में एक अतिरिक्त आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार भी दिए गए।

आईसीसी के दखल से पाकिस्तान का भारत के साथ खेलना सुनिश्चित हुआ: राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेले जा रहे आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के हिस्सा लेने से जुड़े मसलों को सुलझाने में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की भूमिका की सराहना करते हुए इसे एक ष्बड़ी कामयाबीष और सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए फायदे का सौदा बताया। लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ आईसीसी के प्रतिनिधियों की बातचीत के नतीजे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्ला ने कहा कि क्रिकेट के खेल को प्राथमिकता देकर एक दोस्ताना हल निकाल लिया गया है। शुक्ला ने कहा कि मैं आईसीसी के प्रतिनिधियों द्वारा शुरू की गई बातचीत का नतीजा देखकर बहुत खुश हूं, जो लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से बात करने गए थे। यह एक अच्छा हल है, एक दोस्ताना हल है जो क्रिकेट को प्राथमिकता और खेल को अहमियत देने के लिए निकाला गया है। उन्होंने पहल करने और सभी पार्टियों को कामयाबी से बातचीत की टेबल पर लाने के लिए आईसीसी की तारीफ करते हुए कहा कि यह पहल करने, इस मुद्दे को सुलझाने और क्रिकेट को फिर से सबसे आगे लाने के लिए आईसीसी को बहुत-बहुत बधाई। यह एक बड़ी कामयाबी है। उन्होंने कहा यह हम सभी के लिए अच्छी खबर है।

भारत-पाक मैच सुनिश्चित करने के लिए शहबाज को दिया धन्यवाद

कोलंबो, वार्ता। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने मंगलवार को आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व में हाई-वोल्टेज इंडिया-पाक मैच को सुनिश्चित करने के पाकिस्तान के फैसले का स्वागत करते पीएम शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में, दिसानायके ने टूर्नामेंट को जारी रखने की उनकी कोशिशों के लिए पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और दूसरी संबंधित अथॉरिटीज का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री शहबाज, आपका धन्यवाद कि आपने यह सुश्निचित किया कि जिस खेल से हम सभी प्यार करते हैं, वह चलता रहे। खुशी है कि कोलंबो में चल रहे टी-20 क्रिकेट विश्व कप में भारत और पाक का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा मैच तय समय पर होगा। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के को-होस्ट के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनकी कोशिशों के लिए धन्यवाद देता है।

खेल विशेष

लखनऊ प्रीमियर लीग में मिलेगी स्थानीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता

लखनऊ, वार्ता। बहुप्रतीक्षित लखनऊ प्रीमियर लीग अब उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुरूप आयोजित की जाएगी। नए प्रारूप के तहत प्रत्येक फ्रेंचाइजी की 20 सदस्यीय टीम में अधिकतम 18 खिलाड़ी लखनऊ के या लखनऊ में पंजीकृत होकर ट्रायल देने वाले होंगे, जबकि केवल दो खिलाड़ी बाहर के शामिल किए जा सकेंगे। लीग अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सात मार्च से शुरू होगी। बीबीडी बैडमिंटन अकादमी स्थित सीएएल मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सीएएल अध्यक्ष ने की। इस दौरान लीग कमिश्नर एसपी मिश्रा, सीएएल सचिव केएम खान समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। डॉ- सहगल ने बताया कि यूपीसीए द्वारा यूपीटी-20 लीग के लिए जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर ही एलपीएल का संचालन होगा और टीम चयन प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्व में हुई खिलाड़ियों की नीलामी के आधार पर गठित टीमों में संशोधन किया जाएगा। लखनऊ से बाहर के खिलाड़ियों में से प्रत्येक फेंच. इजी केवल दो खिलाड़ियों को ही रख सकेगी। शेष स्थानों पर पूर्व सूची में शामिल स्थानीय खिलाड़ियों को अवसर दिया जाएगा। जो खिलाड़ी लखनऊ में पंजीकरण कर विभिन्न प्रतियोगिताओं के ट्रायल देते हैं, उन्हें स्थानीय माना जाएगा, जबकि स्थानीय खिलाड़ी यदि अन्य जिले से पंजीकृत हैं तो उन्हें लखनऊ का खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। एलपीएल की संचालन समिति और फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ बुधवार को बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में बैठक होगी, जिसमें नए प्रारूप की जानकारी दी जाएगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा द. अफ्रीका

अफगानिस्तान सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए मैच जीतना चाहेगा

अहमदाबाद, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के ग्रुप डी मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा। वहीं अफगानिस्तान सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिदा रखने के लिए यह मैच जीतना चाहेगा।

दक्षिण अफ्रीका कनाडा पर बड़ी जीत के बाद अंक तालिका में अभी बेहतर नेट रन रेट के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। न्यूजीलैंड से हार के बाद स्टैंडिग में चौथे नंबर पर मौजूद अफगानिस्तान को सेमीफाइनल की उम्मीदों को ज़िदा रखने के लिए जीतना जरूरी है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज जबरदस्त फ़ॉर्म में है। सलामी बल्लेबाज क्विटन डी कॉक ने पिछली तीन पारियों में 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 56 की एवरेज से रन बनाए हैं। कप्तान एडन मारक्रम भी शीर्ष पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स मध्यमक्रम और डेथ ओवरों में फिनिशिग क्षमता रखते है। कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को यानसन की पेस तिकड़ी दक्षिण अफ्रीकी टीम को मजबूती देती है, हालांकि रबाडा हाल के मैचों में काफी महंगे रहे हैं।

वहीं अफगानिस्तान अपनी स्पिन जोड़ी राशिद खान और मुजीब उर रहमान पर भरोसा करेगा ताकि दक्षिण अफ्रीका की आक्रामक बल्लेबाजी को रोका जा सके। मुजीब ने पिछले चार मैचों में 12 के स्ट्राइक रेट से आठ विकेट लिए हैं, जबकि राशिद बीच के ओवरों में अहम गेंदबाज बने हुए हैं। हालांकि, अफगानिस्तान की डेथ बॉलिग को लेकर चिंता बनी हुई है, जिसकी वजह से हाल के मैचों में उन्हें जरूरी रन गंवाने पड़े हैं। अनुभवी टॉलराउंडर गुलबदीन नायब ने अफगानिस्तान के पिछले मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था। रहमानुल्लाह गुरबाज पर टॉप पर अच्छी शुरुआत देने का दबाव होगा।

नीदरलैंड ने नामीबिया को हराया

नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रना बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया

नई दिल्ली, वार्ता। बास डलीडे (दो विकेट और नाबाद 72) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने मंगलवार को टी-20 विश्वकप के 10वें मुकाबले में नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसका पहला विकेट तीसरे ओवर में मैक्स ओ' डाउड (सात) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए बास डलीडे ने माइकल लेविट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 30 रन जोड़े। छठें ओवर में बर्नार्ड शोल्ज ने माइकल लेविट को आउटकर नीदरलैंड्स को दूसरा झटका दिया। लेविट ने 15 गेंदों में तीन छक्के एक चौका लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली। कॉलिन ऐकरमैन (32) रन 14वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। बास डलीडे ने 48 गें. दों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 72 रनों की पारी खेली। वहीं कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नौ गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 18 रन बनाए। नामीबिया के लिए बर्नार्ड शोल्ज, रुबेन ट्रम्पलमन और निकोल लॉफ्टी-ईटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां निकोल लॉफ्टी-ईटन (42) और यान फ्रायलिक (30) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर नामीबिया ने नीदरलैंड्स के खिलाफ आठ विकेट पर 156 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।नीलदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में लॉरेन स्टीनकैंप (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए निकोल लॉफ्टी-ईटन ने यान फ्रायलिक के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 10वें ओवर में लोगन वैन बीक ने 26 गेंदों में 30 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 13वें ओवर में बास डलीडे ने कप्तान एराई इरास्मस नौ गेंदों में 18 रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

आकृति दहिया ने निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली, वार्ता। भारत की आकृति दहिया ने मंगलवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की व्यक्तगित 50मी राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। यहां डा. कर्णी सिंह शूटिग रेंज में मुकाबला करते हुए, 24 साल की निशानेबाज ने नीलिग, प्रोन और स्टैंडिग राउंड के बाद कुल 354-2 का स्कोर किया। कजाकिस्तान की सिर्फ 18 साल की सोफिया शुलजेन्को ने 358-2 के वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि दो बार की ओलंपियन भारत की अंजुम मौदगिल ने 340-4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। एक और भारतीय निशानेबाज, आशी चौकसे, पोडियम फिनिश से चूक गईं, कुल 330-9 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इससे पहले, मौदगिल, चौकसे और दहिया ने मिलकर टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 1756 (86) स्कोर किया। कजाकिस्तान 1760 (90) के साथ टीम स्टैंडिग में टॉप पर रहा, जबकि जापान ने 1730 (69) के साथ कांस्य पदक जीता। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड में, विदरसा विनोद 590 (35) के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर रहे, लेकिन केवल रैंकिग पॉइंट्स के लिए मुकाबला कर रहे थे। अंजुम 587 (30) के साथ तीसरे, आशी चौकसे 586 (32) के साथ पांचवें और आकृति दहिया 583 (24) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार 582 (20) के साथ नौवें स्थान पर रहीं, उन्होंने भी आरपीओ के लिए निशानेबाजी की। आज के जीते पदकों के साथ, चैंपियनशिप में भारत के मेडल की संख्या 18 हो गई है।

इंग्लैंड को चुनौती देने को तैयार विंडीज

- **यह केवल एक मैच नहीं, बल्कि हेटमायर, शाई होप और रोवमैन पॉवे के लिए दुनिया को यह याद दिलाने का मौका है कि विंडीज हमेशा क्रिकेट की धड़कन क्यों रही**

मुंबई, वार्ता। वेस्टइंडीज की टीम बुधवार रात वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड की मजबूत टीम को चुनौती देने के लिए तैयार है। इंग्लैंड कागज पर भले ही पसंदीदा टीम हो, इस साल चार मैचों में हारा नहीं है और कैरिबियन पर हाल ही में जीत का इतिहास रहा है, लेकिन टी-20 क्रिकेट में और खासकर जब वेस्टइंडीज अपने सबसे अच्छे फॉर्म में हो, तो कुछ भी हो सकता है। यह केवल एक मैच नहीं है, यह शिमरोन हेटमायर, शाई होप और रोवमैन पॉवेल के लिए दुनिया को यह याद दिलाने का मौका है कि वेस्टइंडीज हमेशा से क्रिकेट की धड़कन क्यों रही है। बल्लेबाजी की बात की जाए तो हेटमायर और शाई होप लगातार अच्छा खेल रहे हैं। शाई होप ने इस सीजन में दस पारियों में 264 रन बनाए हैं, और बड़े हिटर्स के आने से पहले शांति से पारी को आगे बढ़ा रहे हैं। रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड बीच के ओवर्स में जबरदस्त फॉर्म में हैं, जो कुछ ही गेंदों में मैच का पासा पलट सकते हैं और निचले क्रम में जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को कम मत समझिए। वे एक ही ओवर में जबरदस्त प्रदर्शन करके हार के मुंह से जीत छीन सकते हैं। वेस्टइंडीज की गें. दबाजी भी उतनी ही खतरनाक है। स्कॉटलैंड के खिलाफ शेफर्ड के पांच विकेट और होल्डर की आईपीएल में भारतीय विकेटों पर पक्की स्किल्स उन्हें असली खतरा बनाती हैं, जबकि स्पिनर अकील होसेन और गुडाकेश मोती ऐसी चालाकी और स्पिन लाते हैं जो इंग्लैंड के बड़े खिलाड़ियों को भी चकमा दे सकती है। कल रात की हर गेंद खतरनाक होगी। इंग्लैंड इस मैच में नेपाल को एक बहुत करीबी ओपनर में हराने के बाद उतरेगा। उनके बैटिग लाइनअप में फिलिप सॉल्ट और जोस बटलर है। सॉल्ट के अटैकिंग स्ट्रोकप्ले और बटलर की किसी भी सिचुएशन में तेजी लाने की काबिलियत ने इंग्लैंड को लगातार तेज शुरुआत दी है, जिससे मध्यमक्रम को फायदा उठाने का मौका मिला है। जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक बीच के ओवरों में मजबूती देते हैं और अच्छा स्कोरिंग रेट बनाए रखते हैं, जिससे यह पक्का होता है कि इंग्लैंड कभी भी बढ़त न खोए। बेथेल ने पहले मैच में 35 गेंदों पर 55 रन बनाकर टॉप स्कोर किया था, जबरदस्त फॉर्म में हैं, और टाइमिग और पावर को मिलाकर गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ब्रूक का निडर अप्रोच, जो अपने पिछले मैच में 165-62 की स्ट्राइक रेट से खेले, इंग्लैंड की अग्रेसिव सोच को पूरा करता है, जबकि टॉम बैंटन अपनी मर्ज़ी से बाउंड्री पार करने की काबि. लियत से एक्स्ट्रा फायरपावर देते हैं। सैम करन और विल जैक्स की आखिरी गेंद पर जोड़ी गहराई और तेजी लाती है, जो पहले से ही मुश्किल स्कोर को एक मुश्किल लक्ष्य में बदल सकती है।

आंध्र प्रदेश को हराकर बंगाल रणजी के सेमीफाइनल में

- **बंगाल ने आंध्र प्रदेश को 90 रनों से हराकर 19वीं बार रणजी के सेमीफाइनल में जगह बनाई**

कल्याणी, वार्ता। शाहबाज अहमद (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बंगाल ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश पर 90 रनों से जीत दर्ज करते हुए रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के सेमीफाइल में 19वीं बार जगह बना ली है।

बंगाल के लिए 299 रनों की पारी खेलने वाले सुदीप कुमार घरामी को 'प्लेयर टॉफ द मैच' से नवाजा गया। आज यहां आंध्र प्रदेश ने कल के तीन विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। शाहबाज अहमद ने सुबह के सत्र में कप्तान रिकी भुई (30) को आउटकर बंगाल को चौथी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में सूरज सिधु जायसवाल ने के वी शशिकांत को खाता खोलने का मौका भी नहीं दिया। सौरभ कुमार (एक) शाहबाज का शिकार बने। कालीडिडी (25) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए त्रिपुराणा विजय ने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ आठवें विकेट के लिए 85 रन जोड़े और बंगाल के गेंदबाजों के परेशान रखा। 72वें ओवर में शाहबाज ने शतक की ओर बढ़ रहे नीतीश कुमार रेड्डी को अपनी ही गेंद पर आउट कर पवेलियन भेज दिया। नीतीश कुमार रेड्डी ने 144 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 90 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में सुमंता गुप्ता ने त्रिपुराणा विजय (46) को आउट कर 244 के स्कोर पर आध्रप्रदेश की दूसरी पारी का अंत कर मुकाबला 90 रनों से अपने नाम कर लिया। बंगाल के लिए शाहबाज अहमद ने चार विकेट लिए। सूरज सिधु जायसवाल को दो विकेट मिले। आकाश दीप, सुमंता और अनुस्तुप ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। आप्र ने पहली पारी में 295 रन का स्कोर बनाया था। बंगाल ने पहली पारी में 629 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

टी-20 विश्व कप के 11वें मैच में यूएई को 28 गेंदें शेष रहते बिना कोई विकेट गवाएं जीते कीवी

चेन्नई, वार्ता। टिम साइफर्ट (नाबाद 89) और फिन ऐलन (नाबाद 84) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 28 गेंदे शेष रहते 10 विकेट से रौंद दिया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने यूएई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 15-2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाये 175 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से अपने नाम कर लिया। टिम साइफर्ट ने 42 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 89 रनों की पारी खेली।

फिन ऐलन और साइफर्ट के बीच 175 रनों की अविजित साझेदारी हुई। फिन ऐलन ने 50 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए नबाद 84 रन बनाये। इससे पहले कप्तान मुहम्मद वसीम (नाबाद 66) और आलीशान शराफु (55) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 173 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यूएई की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में आर्यंष शर्मा (आठ) का विकेट गंवा दिये।

इसके बाद मुहम्मद वसीम और आलीशान शराफु की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़े। 15वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने आल. ीशान शराफु को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। आलीशान शराफु ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। मयंक कुमार 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुये। इसके अलावा हर्षित कौशिक (दो), सोहैब खान (सात) और मुहम्मद इरफान (शून्य) पर आउट हुये। यूएई ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने दो विकेट लिए। जेकब डफी, लॉकी फर्ग्युसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 11 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

संसद में अविश्वास प्रस्ताव

यह देखना बेहद दुखद है कि सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच संसद में टकराव बढ़ता जा रहा है और अब यह टकराव लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला को पद से हटाने तक पहुंच गया है। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा। कांग्रेस सूत्रों की मानें, तो नोटिस लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि 1:15 मिनट पर उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। जबकि अविश्वास प्रस्ताव के लिए केवल 50 की जरूरत होती है। लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध नोटिस पर उसमें लगाए गए आरोपों की जांच होगी और नियमानुसार जांच के बाद इस नोटिस पर आगे की कार्रवाई को लेकर सचिवालय विचार करेगा। नोटिस में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला सदन की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं। सत्ता पक्ष के सदस्यों को सदन में पर्याप्त समय बोलने का दिया जाता है जबकि विपक्षों को बार-बार अनावश्यक रूप से रोका टोका जाता है। नोटिस में 2 फरवरी के दिन का भी जिक्र किया गया है, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। नोटिस में इस बात को उठाया गया है कि किस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री के न आने का कारण बताया गया था। तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर केसी वेणुगोपाल का है जबकि दूसरे पर द्रमुक के टीआर बालू का और तीसरे नंबर पर समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव हैं। नोटिस की प्रतिक्रिया में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे पर सदन में नहीं आने की बात कही है। जहां विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष को उनकी कार्यप्रणाली को लेकर कटघरे में खड़ा कर रहा है, वहीं भाजपा उनके साथ पूरी तरह खड़ी दिखाई दे रही है। भाजपा सांसद संबिद पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है। यह आरोप-प्रत्यारोप तो चलते रहेंगे, लेकिन यह तो मानना ही पड़ेगा कि संसद का नजारा आजकल जिस तरह देखने में आता है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और हमारे लोकतंत्र को बुरी तरह प्रभावित करने वाला है। हमारे माननीयों को लगता है कि अब किसी बात की चिंता नहीं रह गई है और वह अपने हितों को ही सर्वोपरि मानकर आगे बढ़ रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो संसद सुचारू रूप से चले, इसका इंतजाम अब तक हो चुका होता। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सभी संसद न चलने को समान रूप से जिम्मेदार हैं, लेकिन यहां यह कहना जरूरी है कि संसद सुचारू रूप से चले इसकी सबसे जिम्मेदार सरकार की होती है।

किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा

खेती से जुड़ी हर चीज विदेश से आएगी, तो देश का किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा, ऐसी स्थिति में किसान क्या उगाएगा, क्या बेच. गा और अपनी मेहनत की कमाई से परिवार कैसे चलाएगा, जब किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा, तो वह बच्चों की पढ़ाई, घर के बुजुर्गों का इलाज और बेटियों की शादी जैसे सामाजिक दायित्व कैसे निभा पाएगा, आज का पेट भरना मुश्किल होगा, तो कल के लिए बचत की उम्मीद करना बेमानी है, किसानों को नुकसान पहुंचाकर कोई भी सरकार लंबे समय तक देश नहीं चला सकती, सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह विदेशी ताकतों के सामने अन्नदाता के हितों का समर्पण क्यों कर रही है, कभी भूमि अधिग्रहण के नाम पर खेती छीनने की साजिश रची जाती है, कभी काले कानूनों के जरिए किसानों को संकट में धकेला जाता है। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

तोड़ डाले 1.5 लाख आशियाने और टियर्स टूरिज्म

पवन सिंह

एक घर था, पांव फैलाने लायक, कब्र जितनी जगह थी, 70 से 100 साल पुराना मोहल्ला कालोनी थी। मलिन ही सही। एक बस्ती, बसती थी। फिर हुकूमत बदली। अच्छे दिन आएी लोगों को तालियां बजाकर भजन गाने में लगा दिया गया। इसी बीच गिद्धों के साथ लोमड़ियों और भेड़ियों (नेता, लालफीता कौम व धन्नासेठों) की बैठकें हुईं। फिर न उनको इंसान दिखा, न आशियां दिखा और कुछ ही सालों में 1 लाख 50 हजार बस्तियां जमींदोज कर दी गईं। बेजान बुतों को विशालकाय आशियाना देने के नाम पर। इंसानी बस्तियों को नादिरशाही अंदाज में रौंद कर पार्क बनाने के नाम पर और कहीं किसी पूंजीपति के लिए आलीशान अट्टालिकाएं बनाने के नाम पर। बस्तियां टूटती रहीं, लोग बिलखते रहे, बच्चे अपनी बिखरी किताबों और टूटे स्कूल बैग को समेटते रहे, खाए-पिए-अभागे लोग उल्टा ठीकरा बस्तियों पर ही फोड़ते रहे और गुलाम मीडिया कातिल को ही रहनुमा व मुंसिफ बताता रहा। कुछ ही सालों में 7 लाख 40 हजार लोग खुले आसमां के तले आ गए।

हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क यानी की रिपोर्ट बताती है कि देश में वर्ष, 2022- 2023 के मध्य करीब 1 लाख 50 हजार बस्तियां तोड़ दी गईं। देखते-देखते 7 लाख 40 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि विध्वंस की 95 प्रतिशत यह कार्रवाई गोबर पट्टी राज्यों में हुई। बस एक नोटिस। न कोर्ट, न डेट्स, न जज, न वकील, न तकरीर। एक फरमान। बुल्डोजर और हथियार बंद सिपाही। अंग्रेजी हुकूमत में भी फांसी पर चढ़ने वालों को न्यायालय की दहलीज तक का सफर तय करने का मौका मिलता था, लेकिन उनके मुखबिरों ने यह सुविधा तक छीन ली। अतिक्रमण हटाने व तथाकथित विकास योजनाओं के नाम पर आशियाने उजाड़ दिए गए। लोगों ने रील्स बनाईं। विध्वंस इन्ज्वाय किया। गरीबों के आंसुओं का टियर्स टूरिज्म जैसा आनंद लिया और बात खत्म हुई।

लखनऊ से किस्सागोई करते हैं। एक था अकबर नगर। इसका नाम ही इसका काल बना। वरना जो अकबर नगर बस्ती मुख्य रूप से 1970 से बसनी शुरू हुई थी, उस वक्त लखनऊ विकास प्राधिकरण का गर्भकाल भी आरंभ नहीं हुआ था। लखनऊ विकास प्राधिकरण 1974 में बना और तब तक कुकरैल नदी के किनारे इस तथाकथित अवैध बस्ती का जन्म हो चुका था। बस्ती तथाकथित अवैध थी, लेकिन राशनकार्ड वैध थे। सांसद, विधायक निधि से अंदर बनाई गई नालियां व गलियां वैध थीं। बिजली के कनेक्शन वैध थे। हाऊस टैक्स वैध था और बिजली विभाग के खंभे वैध थे, लेकिन बस्ती अवैध थी। इस बस्ती में ग्रेड थर्ड और ग्रेड-टू के तथाकथित हिन्दुओं की, मुस्लिमों के साथ मिश्रित आबादी थी। आशियाने पर, नाम अकबर भारी पड़ गया और घरों पर पार्क तामीर करवा दिया गया। 1 हजार 800 घर मटियामेट कर दिए गए। लेकिन वहीं पंत नगर बख्श दिया गया। वैसे लोग कहते हैं नाम में क्या रखा है। तोड़ने ही थे आशियाने तो पहले गरीबों का बंदोबस्त कर देते। शहर से दूर ले जाकर कूड़े-कचरे की तरह फेंक दिए गए। कहने को कुछ लाख का आवास दे दिया गया, लेकिन वह भी मुफ्त नहीं। पैसा भरना होगा। बस्ती बसने क्यों दी। किसने बसाई। कौन जिम्मेदार है। बुल्डोजर ने कुछ नहीं देखा। त्वरित न्याय। इसके बाद लखनऊ के सैरपुर पलहरी गांव, मोहन रोड कलिया खेड़ा, अमौसी और काकोरी में विकास का बुलडोजर आया, बिजनौर, सोनई कंज. ेरा, कल्ली पश्चिम, और भरवारा सहित कई अन्य इलाकों में भी 12 से अधिक अवैध प्लॉटिंग पर बुलडोजर चल गया। सवाल वही कि इतना ईमानदार प्रशासन ने ऐसे प्लाटों व मकानों की रजिस्ट्री कैसे होने दी गई। राजस्व विभाग हर साल गरीब जनता की करोड़ों की स्टांप ड्यूटी कैसे चबा जाता है? रजिस्ट्री ही न होने पाए ऐसी गलती के लिए आम आदमी क्यों भुगते। खैर एक बड़ा तबका खुश हुआ, जिसे विध्वंस पर, लाशों पर, तबाही पर, नफरत पर, हत्याओं पर। खुश होने के लिए इतने सालों में तैयार किया गया था। लेकिन इस खुश तबके के घर और दुकानें भी अब जद में आ चुकी हैं, क्योंकि गिद्धों को नोचना आता है। अब गिद्धों-लोमडियों-भेड़ियों की तिकड़ी आप के घरों और दुकानों की ओर है। बनारस की दाल मंडी और अयोध्या का सौंदईकरण, मेरठ के बाजार और दिल्ली की बस्तियां। यहीं पर वसीम बरेलवी साहेब का शेर याद आता है-

जलते घर को देखने वालों फूस का छप्पर आपका है

आपके पीछे तेज हवा है आगे मुकद्दर आपका है।

उस के कत्ल पे मैं भी चुप था मेरा नम्बर अब आया।

मेरे कत्ल पे आप भी चुप है अगला नम्बर आपका है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने भी विगत तीन वर्षों में 5,000 से अधिक घर तोड़ डाले और एक विध्वंस की कालिख पर लिखा-अतिक्रमण व अवैध बैनर टांगा-विकास परियोजनाएं। बनारस में मंदिर, सुंदरीकरण व कॉरिडोर निर्माण काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, मणिकर्णिका घाट पुनर्विकास के दौरान कई प्राचीन छोटे मंदिर, चबूतरे और रिहायशी इमारतें वैसे ही उड़ा दी गईं जैसे गाजा में इजरायल ने उड़ा दीं हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018-2021 के बीच कॉरिडोर परियोजना के तहत 300 से पुराने मंदिर व घरों के भीतर बने मंदिर तक तोड़ दिए गए। मंदिर छोटे थे इसलिए उनके भीतर बने ईश्वर शायद Below Poverty Line के थे, इसलिए न रोक सके। अब मणिकर्णिका घाट का नंबर लग चुका है और प्रसिद्ध प्राचीन व्यापारिक दाल मंडी टूट रही है। अयोध्या में वर्ष, 2022-2024 के बीच कई पुराने मकानों, दुक. ानों और छोटे मंदिरों को तहस-नहस कर दिया गया। कभी समय मिले तो आस-पास के दुकानदारों व 100 स्क्वायर फीट के बचे घरों में रहने वालों से मुआवजे का सच पूछिएगा।

वह रो देगा। जो मुआवजा मिला उससे एक कमरा ही बन सकता था। तमाम वीडियो यूट्यूब पर हैं देखिए और अपनी भावना के हिसाब से द्रवित होइए या तालियां बजाइए, यह आपका अपना विवे. काधिकार है। एक रिपोर्टों के अनुसार करीब 4 हजार से अधिक दुकानें और घर नष्ट हुए। अयोध्या में राम पथ यानी नगर चौराहा से सहादतगंज बीच के निर्माण करीब 200 साल पुराने थे। उधर, गिद्धों-लोमड़ियों-भेड़ियों की नजर अब काशी द्वार के नाम पर बनारस के पिंडरा ब्लाक पर पड़ गई है। गिद्ध-लोमडियां-भेड़ियां मिलकर अब करीब 15 गांवों को पूरी तरह से खाली करा रहे हैं। इन गांव के सभी लोगों को हटाकर यहां होटल, रेस्तरां, रिजॉर्ट, विदेशों और देश के अन्य राज्यों से आने वालों के लिए ठहरने के अड्डे बनाए जाएंगे। रखो अपनी खसरा-खतौनी, रजिस्ट्री, पुश्तैनी जमीन। जो जूठन मुआवजे के नाम पर है रखो और चलते बनो। प्रभावित सभी गांव के लोग विगत कई महीनों से तहसील पिंडरा पर प्रदर्शन कर रहे थे पर गिद्ध-लोमडियां व भेड़िए सुनने को तैयार नहीं हैं। दिनांक 6 फरवरी, 2026 को चुनौली गांव में संयुक्त किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले एक सभा आयोजित की गई। लोगों ने खाने की व्यवस्था की लेकिन प्रशासन द्वारा खाने में मिट्टी, राख मिलाकर भोजन खराब कर दिया गया। कुछ गांव वालों के अनुसार जहर डाल दिया गया। ऐसा बताया गया और खबरें आईं। सभा वाले दिन की पूर्व रात्रि को पूरे गांव को पुलिस व सीआरपीएफ ने घेर लिया। चुनौती गांव, छावनी में बदल दिया गया। सुरक्षाबलों ने गांव में घुसकर लोगों के साथ बदतमीजी की, रात में सोए हुए लोगों के दरवाजे जबरिया खुलवाए, गुड़ बनाने वाली भट्टियां तोड़ दी गईं और महिलाओं व पुरुषों के साथ गाली-गलौज हुई। अगले दिन जब लोग सभा में जाने के लिए अपने घरों से निकले तो लाठीचार्ज कर दिया गया। सरकार पूंजीपतियों के लिए जमीन की दलाली पर उतर चुकी है। अभी बनारस में ही रहिए आगे का किस्सा पढ़िए- आईडीएच-कज्जाकपुरा, जिला- बनारस, यहां है नगर निगम का आदमपुर जोन का दफ्तर और यहीं है एक विशाल कूड़ाघर।

विशाल डंपिंग यार्ड। इसी कूड़ेघर के पीछे गन्दगी में सफाई कर्मचारियों की वह बस्ती थी जो शहर को साफ रखती थी। यहां 250 से अधिक हेला यानी दलित समुदाय के यह लोग रहते थे। किसी से कोई शिकायत नहीं। शहर को साफ करते और खुद नर्क में रहते थे। वाराणसी नगर निगम ने खुद इस बस्ती को 2005 में दया के आधार पर बसाया था और अब उसी नगर निगम ने इसे अवैध घोषित कर दिया है। बस्ती पर बेदखली का नोटिस चस्पा कर दिया गया और 17 जनवरी 2025 को बुलडोजर न्याय हो गया। तत्कालीन नगर आयुक्त पुष्पपति सक्सेना जी की मानवीय सोच को निपटा दिया गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि मूलभूत विज्ञानों के इनपुट के बिना इन लक्ष्यों को पाना संभव नहीं है। खाद्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान मूलभूत विज्ञानों में अनुसंधानों की बदौलत ही प्राप्त हो सकेगा। यही नहीं मूलभूत विज्ञानों से पृथ्वी पर निवास कर रही लगभग आठ अरब जनसंख्या के विभिन्न अच्छे-बुरे प्रभावों को समझने और किसी-न-किसी तरीके से समाधान खोजने में सहायता मिलेगी।

मूलभूत विज्ञान की सबसे बड़ी भूमिका

कोरोना वायरस की सूक्ष्म, गहन और संपूर्ण संरचना को समझने और उससे फैली महामारी का सामना करने के लिए टीका बनाने में मूलभूत यानी बेसिक विज्ञान की अहम भूमिका रही है। महत्वाकांक्षी मानव जीनोम परियोजना को पूरा करने में बुनियादी विज्ञानों का बहुत बड़ा हाथ है। आज हम इंटरनेट पर जिस वर्ल्ड वाइड वेब का उपयोग कर रहे हैं। वह मूलभूत विज्ञान की ही देन है। दरअसल यूरोपीय प्रयोगशाला सर्न में बुनियादी भौतिकी प्रयोगों में वैश्विक सहयोग के दौरान इसका आविष्कार हुआ था। अंतरिक्ष जगत में मिली तमाम छोटी-बड़ी सफलताओं का आधार मूलभूत विज्ञानों में दीर्घकालीन अनुसंधान है। साल 2022 को निर्वहनीय विकास के लिए मूलभूत विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

इसके लिए चुनी गई थीम में जिन मुद्दों को सम्मिलित किया गया है, उनमें अंतर्राष्ट्रीय संवाद और शांति के लिए मूलभूत विज्ञानों की भूमिका, विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ाना, नवाचार और आर्थिक विकास, वैश्विक चुनौतियों का समाधान और शिक्षा तथा मानव विकास प्रमुख हैं। वर्ष 2022 इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स और इंटरनेशनल मैथेमेटिकल यूनियन (आएमयू) का शताब्दी वर्ष भी है। अतः IYBSSD के माध्यम से विज्ञान जगत में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विस्तार में एक और नया अध्याय जोड़ने में मदद मिलेगी। संस्था की वेबसाइट में बताया गया है कि कोई भी वैज्ञानिक संस्थान और विश्वविद्यालय IYBSSD-2022 के लिए गतिविधियां भेज सकता है। 2017 में माइकल स्पाइरो ने यूनेस्को द्वारा आयोजित वैज्ञानिक बोर्ड की बैठक में 2022 को

अंतर्राष्ट्रीय मूलभूत विज्ञान वर्ष के रूप में मनाने का विचार रखा था। उन्होंने बैठक में 2005-2015 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाए गए विज्ञान वर्षों का जिक्र करते हुए इस मुद्दे पर विचार मंथन और समीक्षा का विचार भी रखा था। हम लोग वर्ष 2005 में भौतिकी, 2008 में पृथ्वी ग्रह, 2009 में खगोल विज्ञान, 2011 में रसायन विज्ञान, 2014 में क्रिस्टलोग्रॉफी और वर्ष 2015 में प्रकाश एवं प्रकाश आधारित प्रौद्योगिकी थीम पर अंतर्राष्ट्रीय वर्ष मना चुके हैं। स्पाइरो ने बैठक में एक अहम विचार यह रखा था कि मूलभूत विज्ञानों के सभी विषयों के वैज्ञानिकों को एक साथ लाने की आवश्यकता है, ताकि वैज्ञानिकों के अनुसंधानों का उपयोग टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्यों को पूरा करने में किया जा सकेगा। स्पाइरो फ्रांस के विख्यात भौतिकीविद हैं और पार्टिकल फिजिक्स की सर्न प्रयोगशाला से जुड़े हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्रसंघ की आम सभा के 76 वें सत्र (2 दिसंबर 2021) में साल 2022 को IYBSSD-2022 के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी। घोषणा में कहा गया है कि मूलभूत विज्ञान की चिकित्सा, उद्योग, कृषि, जल संसाधन, ऊर्जा नियोजन, पर्यावरण, संचार और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान, ये चारों विषय मूलभूत विज्ञान के दायरे में आते हैं, जो प्राकृतिक और ब्रह्मांडीय घटनाओं की व्याख्या और गहन समझ बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं, इन्हीं विषयों की बदौलत प्राकृतिक संसाधनों के रूपांतरण में भी मदद मिली है। विज्ञान को मोटे तौर पर मूलभूत और प्रयुक्त विज्ञानों में बांटा गया है। मूलभूत विज्ञान की कोख से ही प्रयुक्त विज्ञान का उद्गम होता है। प्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान से प्रौद्योगिकी और नवाचारों का विस्तार हुआ है। समाज में प्रौद्योगिकी की चकाचौंध, वर्चस्व और विस्तार से मूलभूत विज्ञान की उपेक्षा हुई है। बीते दशकों में विश्वविद्यालयों में मूलभूत विज्ञान में विद्यार्थियों की दिलचस्पी घटी है। विज्ञान संस्थानों में समाज और बाजार की जरूरतों पर आधारित अनुसंधान पर जोर है। विश्व के अधिकांश देशों में सरकारों ने मूलभूत विज्ञानों में शोध-बजट में बढ़ोतरी को आवश्यक नहीं समझा है। इसके कारण हैं। पहला, मूलभूत विज्ञानों का समाज से सीधा सरोकार नहीं है। दूसरा, तत्काल लाभ नहीं मिलता। एक और कारण है कि इसकी बाजार को प्रतिस्पर्धी बनाने में भूमिका दिखाई नहीं देती। IYBSSD-2022 एक महत्वपूर्ण अवसर है, जब आर्थिक और राजनैतिक नेतृत्व और सभी देशों के नागरिकों को इस बात के लिए राजी करने का प्रयास किया जा रहा है कि पृथ्वी ग्रह का संतुलित, टिकाऊ और समावेशी विकास मूलभूत विज्ञानों में अनुसंधानों पर निर्भर है।

...स्रोत फीचर्स

गार्टर सांप दोस्तियां करते हैं

सांपों के बारे में प्रायः माना जाता है कि वे समूह में नहीं रहते वरन अकेले यहां-वहां सरसराते रहते हैं, लेकिन हाल ही में बिहेवियोरल इकॉलॉजी में प्रकाशित अध्ययन इस मान्यता का खंडन करता है और बताता है कि गार्टर सांप Thamnophis butleri समूह बनाते हैं। इस समूह में वे लोग शामिल होते हैं जिनके साथ उनकी मित्रता होती है या जिनका साहचर्य वे पसंद करते हैं। समूह की मुखिया कोई बुजुर्ग मादा होती है जो उस समूह के युवा सांपों का मार्गदर्शन करती है। आम लोगों के अलावा पारिस्थितिकी विज्ञानियों को भी काफी समय तक यही लगता था कि सांप असामाजिक और एकाकी जंतु होते हैं और केवल संभोग और शीतनिद्रा के समय ही साथ आते हैं।

इसका एक कारण यह हो सकता है कि उन पर अध्ययन ही बहुत कम हुए हैं, क्योंकि वे बिलों में या छिपे हुए रहते हैं और उन्हें ढूंढना मुश्किल होता है, लेकिन वर्ष 2020 में, विल्फ्डि लॉरियर विश्वविद्यालय के व्यवहार पारिस्थितिकीविद मॉर्गन स्किनर और उनके दल ने प्रयोगशाला अध्ययनों में देखा कि कृत्रिम आवासों में रखे गए गार्टर सांप मित्र बनाते हैं, उनके ऐसे साथी होते हैं जिनका साहचर्य वे अन्य की तुलना में अधिक पसंद करते हैं। इसके पहले 2009 में, कनाडा के ओंटारियो परिवहन मंत्रालय ने गार्टर सांपों की सुरक्षा के लिए एक अध्ययन करवाया था। इसमें वैज्ञानिकों ने उनके बिलों पर नजर रखी और उन्हें सड़क निर्माण से सुरक्षित रखने के लिए अन्यत्र स्थानांतरित किया। उन्होंने 250 हैक्टर में फैले अध्ययन क्षेत्र में सांपों को पकड़ा, उन पर पहचान चिन्ह लगाए और 3000 से अधिक सांपों पर 12 साल तक नजर रखी। सांप की पूरी उम्र लगभग इतनी ही होती है, लेकिन निगरानी का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि स्थानांतरण के बाद गार्टर सांप ठीक से फल-फूल रहे हैं या नहीं। हालिया अध्ययन में स्किनर इन वैज्ञानिकों के साथ जुड़े और 12 वर्षों में उनके द्वारा जुटाए गए डैटा से सांपों की सामाजिक संरचना या जुड़ाव समझने की कोशिश की। सामाजिक जुड़ाव उन्होंने मनुष्यों की नजर से ही देखा। उन्होंने प्रत्येक सांप को एक बिन्दु या नोड कहा और जब दो सांपों को एक ही दिन, एक ही स्थान पर देखा गया तो उन्होंने उन दो बिंदुओं को एक रेखा से जोड़ दिया, डाटा का निष्कर्ष है कि सांप स्वतंत्र रूप से और बेतरतीब ढंग से यहां-वहां भटकने की बजाय समूह बनाते हैं। इस समूह में वे सदस्य होते हैं जिनका साथ वे पसंद करते हैं और इस तरह के एक समूह में औसतन तीन से चार सांप होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में सदस्यों की संख्या 46 तक भी हो सकती है। यह भी देखा गया कि मादा सांप नर की तुलना में अधिक मिलनसार होती हैं और सबसे अधिक बुजुर्ग मादा सांप दोस्तों के साथ दिखती हैं। इसके अलावा वे ही समूह की मुखिया भी होती हैं, और समूह के युवा सदस्य उनका अनुसरण करते हैं। यह भी देखा गया कि उम्र बढ़ने के साथ नर सांप अधिक असामाजिक होते जाते हैं। यह भी पता चला है कि सांप समान लिंग और हम-उम्र सांपों के साथ भी मेल-जोल रखते हैं।

वैज्ञानिकों ने उनके बिलों पर नजर रखी और उन्हें सड़क निर्माण से सुरक्षित रखने के लिए अन्यत्र स्थानांतरित किया। उन्होंने 250 हैक्टर में फैले अध्ययन क्षेत्र में सांपों को पकड़ा, उन पर पहचान चिन्ह लगाए और 3000 से अधिक सांपों पर 12 साल तक नजर रखी। सांप की पूरी उम्र लगभग इतनी ही होती है, लेकिन निगरानी का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि स्थानांतरण के बाद गार्टर सांप ठीक से फल-फूल रहे हैं या नहीं। हालिया अध्ययन में स्किनर इन वैज्ञानिकों के साथ जुड़े और 12 वर्षों में उनके द्वारा जुटाए गए डैटा से सांपों की सामाजिक संरचना या जुड़ाव समझने की कोशिश की। सामाजिक जुड़ाव उन्होंने मनुष्यों की नजर से ही देखा। उन्होंने प्रत्येक सांप को एक बिन्दु या नोड कहा और जब दो सांपों को एक ही दिन, एक ही स्थान पर देखा गया तो उन्होंने उन दो बिंदुओं को एक रेखा से जोड़ दिया, डाटा का निष्कर्ष है कि सांप स्वतंत्र रूप से और बेतरतीब ढंग से यहां-वहां भटकने की बजाय समूह बनाते हैं। इस समूह में वे सदस्य होते हैं जिनका साथ वे पसंद करते हैं और इस तरह के एक समूह में औसतन तीन से चार सांप होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में सदस्यों की संख्या 46 तक भी हो सकती है।

यानी यह मेलजोल सिर्फ संभोग के उद्देश्य से नहीं होता। इसके अलावा, नर और मादा दोनों में ही यह देखा गया है कि जो भी सांप अधिक सामाजिक था वह अधिक स्वस्थ थाय लगता है कि दोस्तियां करने से उन्हें फायदा होता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि समूह में होने से शिकारियों से बचा जा सकता है, या भोजन और शीतनिद्रा के लिए अच्छे स्थान ढूंढने में मदद मिल सकती है। या यह भी हो सकता है कि दोस्तों के करीब घूमने से उन्हें गर्माहट मिलती हो। अब तक सांप-समाजों में मादाओं का महत्व उपेक्षित था। माना जाता है कि नर संभोग के लिए मादाओं की तलाश में रहते हैं, लेकिन मादाएं बच्चे पैदा करने के अलावा कुछ नहीं करतीं। अध्ययन इसे स्पष्ट रूप से गलत सिद्ध करता है, और बच्चों और युवा सांपों के मार्गदर्शन और सुरक्षा में मादाओं की भूमिका उजागर करता है। यह अध्ययन यह समझने कि दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है कि प्राकृतिक परिस्थितियों में सांपों का समूह कैसे बनता है। स्किनर का मत है कि यदि पारिस्थितिकीविद अपने पूर्व फील्ड नोट्स या अध्ययनों पर दोबारा गौर करेंगे तो सांपों पर ऐसे और भी अध्ययन संभव हो सकेंगे।

-स्रोत फीचर्स

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह के दौरान उनके साथ केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

मैक्सवेल का संसद की समिति के सवालों का जवाब देने से इन्कार

वाशिंगटन। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल ने सोमवार को हाउस कमेटी टॉन ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया है। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, मैक्सवेल टेक्सास की जेल में बंद है, जहां वह यौन तस्करी के लिए 20 साल की सजा काट रही है। जेल के ही बंद कमरे से वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए समिति के सामने पेश हुई थी। समिति के अध्यक्ष जेम्स कोमर ने कहा कि जैसा कि उम्मीद थी, मैक्सवेल ने पांचवें संशोधन (कानून) का सहारा लेते हुए चुप रहने के अपने अधिकार का उपयोग किया।

शबाना महमूद होंगी ब्रिटेन की पहली मुस्लिम पीएम!

कश्मीर मूल की हैं, अमेरिकी यौन अपराधी एपस्टीन फाइल्स विवाद से पीएम स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

लंदन। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इन्कार कर रहे हैं। इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है।

कश्मीरी मूल की शबाना महमूद पीओ.के के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी। दरअसल, ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद की वजह से पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ आफ स्टाफ मार्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा है। मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने भी माना है कि यह नियुक्ति गलत थी। अमेरिका में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ पीटर मंडेलसन। मंडेलसन पर आरोप है कि जेफ्री एपस्टीन को बच्चों के यौन शोषण के मामलों में सजा होने के बाद भी मंडेलसन उसके संपर्क में रहे और उसका समर्थन किया। लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं।

■ लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं

इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि चुनौती देने वाले उम्मीदवार को पार्टी के संसदीय सदस्यों से कम से कम 20 प्रतिशत का समर्थन हासिल करना जरूरी है। यह नियम 2021 में पार्टी कान्फ्रेंस में बदलाव के बाद लागू हुआ था। पहले यह सीमा सिर्फ 10 प्रतिशत थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है ताकि कोई भी आसानी से लीडरशिप चुनौती न दे सके और पार्टी में स्थिरता बनी रहे। अभी लेबर पार्टी के कुल सांसदों की संख्या लगभग 404-405 के आसपास है, इसलिए किसी भी चुनौती को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम 81 लेबर सांसदों का लिखित समर्थन जुटाना पड़ता है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच होम मिनिल्टर शबाना महमूद को उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है। 45 साल की शबाना महमूद पहले न्याय मंत्री और लार्ड चांसलर रह चुकी हैं। बर्मिंघम में पाकिस्तानी माता-पिता के यहां जन्मी शबाना महमूद ने आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। वह पेशे से बैरिस्टर हैं। 2010 में रुशानारा अली और यास्मिन कुरैशी के साथ वह ब्रिटेन की पहली महिला मुस्लिम सांसदों में शामिल हुईं। लेबर पार्टी में वे कीर स्टार्मर की करीबी सहयोगी मानी जाती हैं और पार्टी के दक्षिणपंथी (राइट-विंग) गुट से जुड़ी हैं। वे इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों पर काफी सख्त रवैया रखती हैं और कहती हैं कि ब्रिटेन में रहना एक विशेषाधिकार है। 2010 में संसद पहुंचने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें पार्टी की अहम जिम्मेदारी दे दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने कब्जे में लिया वेनेज़ुएला से जुड़ा तेल का टैंकर

वॉशिंगटन। अमेरिका के सैनिक हिन्द महासागर में वेनेज़ुएला से जुड़े एक तेल टैंकर का रात भर पीछा करने के बाद उस पर चढ़ गए। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोमवार को यह जानकारी दी। हेगसेथ ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि रात भर, अमेरिकी सैन्य बल ने बिना किसी घटना के, 'मुआयने के अधिकार' के तहत समुद्री अवरोध को अंजाम दिया, एक्विला-2 पर चढ़ाई की। यह (जहाज़) भागा, और हमने उसका पीछा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने वेनेज़ुएला से आने-जाने वाले तेल के टैंकरों पर प्रतिबंध लगाया है और यह टैंकर उस प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहा था।

जापान में हिमपात के कारण 46 लोगों की मौत, 604 घायल

टोक्यो। जापान के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में भारी हिमपात के कारण 46 लोगों की मौत हो गई है और 604 लोग घायल हुए हैं। रूस की संवाद समिति स्पूतनिक के अनुसार, देश की अग्नि एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के आंकड़ों के विश्लेषण में यह जानकारी दी गई है। घायलों में से लगभग एक-तिहाई (193 लोग) गंभीर रूप से घायल हैं। मौतों की सबसे अधिक संख्या निगाटा प्रान्त में दर्ज की गई, जहां 17 लोगों की जान चली गई। जापान में 20 जनवरी से जारी हिमपात की ताजा लहर आठ फरवरी को टोक्यो पहुंची।

रूस के क्रास्नोडार भूकंप के तेज झटके

मास्को। रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यूरो-मेडिटेरेनियन भूकंप विज्ञान केंद्र (इएमएससी) ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार नोवोरोस्सियस्क के महापौर आंद्रेई क्रावचेंको ने मंगलवार को कहा कि भूकंप के झटके शहर से 30 किलोमीटर (18.6 मील) दूर महसूस किए गए और इससे शहर की अवसंरचना को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव: लावरोव

कहा: अमेरिका एनर्जी सप्लाई कर कंट्रोल चाहता है, ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं। लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

■ अमेरिका भारत और दूसरे ब्रिक्स देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं: लावरोव

उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे ब्रिक्सदेशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अफ्रीका के देश भी अब सिर्फ कच्चा माल बेचने के बजाय अपने यहां इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता पर लावरोव ने कहा कि भारत जिन मुद्दों को आगे बढ़ा रहा है, वे आज की जरूरतों से जुड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, खाने और ऊर्जा की सुरक्षा, तकनीक और एआई जैसे विषय अहम हैं। उन्होंने बताया कि भारत फरवरी में एआई पर एक बड़ी बैठक करने वाला है, जिसमें रूस भी शामिल होगा। रूस का कहना है कि एआई को लेकर नियम ऐसे होने चाहिए, जिनमें हर देश की आजादी बनी रहे और कोई एक देश बाकी देशों पर हुक्म न चलाए। लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश अपनी पुरानी पकड़ छोड़ना नहीं चाहते। ट्रम्प सरकार के आने के बाद यह और साफ हो गया है कि अमेरिका ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी दुनिया पर कंट्रोल चाहता है और अपने मुकाबले वालों को रोकने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने बताया कि इन हालात का असर रूस के दूसरे देशों के साथ रिश्तों पर भी पड़ रहा है। रूस पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जा रही हैं। खुले समुद्र में रूसी जहाजों को रोका जा रहा है, जो अंतर्राष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। कुछ देशों को रूसी तेल और गैस खरीदने पर टैरिफ भी देना पड़ रहा है। लावरोव ने कहा कि रूस के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि देश सुरक्षित रहे और आगे बढ़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोप में कुछ नेता खुले तौर पर रूस के खिलाफ युद्ध की बात कर रहे हैं। रूस का कहना है कि उसकी सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि यूक्रेन की जमीन से उसे कोई खतरा न हो और क्रीमिया, डोनबास और नोवोरोसिया में रहने वाले रूसी और रूसी भाषा बोलने वाले लोगों की सुरक्षा उसकी जिम्मेदारी है। ब्रिक्स को लेकर लावरोव ने कहा कि इंडोनेशिया के जुड़ने से यह समूह और मजबूत हुआ है। रूस आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक और डब्ल्यूटीओ को खत्म नहीं करना चाहता, लेकिन चाहता है कि तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं को इन संस्थानों में उनका सही हक मिले। पश्चिमी देश इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी वजह से रूस और ब्रिक्स देश मिलकर नए रास्ते तलाश रहे हैं। इसमें अपनी-अपनी करेंसी में व्यापार करना, नए पेमेंट सिस्टम बनाना, निवेश के नए तरीके और अनाज के लिए अलग बाजार तैयार करना शामिल है। लावरोव ने साफ किया कि इसका मकसद किसी के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि खुद को एकतरफा दबाव से बचाना है।

ईरान से जुड़े मुद्दे का शांतिपूर्ण हल जरूरी: लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि ईरान के आसपास के हालात को शांति से सुलझाया जाना चाहिए क्योंकि ताकत का इस्तेमाल करने से सिर्फ़ समस्याएं बढ़ेंगी। लावरोव ने मॉस्को में वल्दाई अंतर्राष्ट्रीय चर्चा क्लब के मौके पर हुए मध्य पूर्व सम्मेलन में कहा कि हम ईरान से जुड़ी कार्यवाही पर करीब से नज़र रख रहे हैं। हम ओमान सल्तनत की तरफ से की गई मध्यस्थता की कोशिशों का स्वागत करते हैं। बेशक, हम इस समझ से आगे बढ़ रहे हैं कि यहां शांतिपूर्ण समझौता होना चाहिए। ट्रम्प प्रशासन ने पश्चिमी एशिया में एक लड़ाकू विमान कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और कई युद्धपोत तैनात किए हैं। अमेरिका ने ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए मजबूर करने की कोशिश में उसे लगातार चेतावनी भी भेजी हैं। लावरोव ने कहा कि रूस ईरान के भविष्य को लेकर परेशान और चिंतित है, और वह ईरान एवं खाड़ी के अरब देशों के लिए सहयोग परिषद के बीच रिश्तों को पूरी तरह से सामान्य करने में दिलचस्पी रखता है। उनकी राय में, ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक रिश्तों की बहाली ने इसके लिए ज़रूरी शर्तें तैयार कर दी हैं।

ईयू-नाटो के बीच एकजुटता की कमजोरी को दर्शाती है ग्रीनलैंड की स्थिति: लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि ग्रीनलैंड के आसपास की स्थिति से उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय संघ (ईयू) के इर्द-गिर्द निर्मित एकजुटता, पारस्परिक सहायता और समझ की छवि की कमजोरी को उजागर हुआ है। रूसी प्रसारक एनटीवी को दिए साक्षात्कार में लावरोव ने कहा कि यूरोप बिखर गया है। ग्रीनलैंड ने दिखाया है कि नाटो और ईयू दोनों के इर्द-गिर्द निर्मित एकजुटता, पारस्परिक सहायता और समझ की छवि कितनी अस्थिर है। मुझे नहीं पता कि यूरोप क्या करेगा। ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बार-बार कहा है कि यह द्वीप अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए।

भारत और चीन ने संबंधों में सकारात्मक गति की समीक्षा

नई दिल्ली। भारत और चीन ने द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति की मंगलवार को यहां समीक्षा की तथा लोगों के बीच संपर्कों को बढ़ाने तथा संवेदनशील मुद्दों पर लचताओं का समाधान करते हुए इन्हें मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यहां भारत-चीन रणनीतिक संवाद के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। यह वार्ता विदेश सचिव विक्रम मिस्री और चीन के कार्यकारी विदेश उप मंत्री मा झाओश्यू के बीच हुई। यह बातचीत भारत की अध्यक्षता में आयोजित पहली ब्रिक्स शेरपा बैठक के इतर हुई। मा झाओश्यू ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लेने के लिए भारत यात्रा पर हैं। प्रवक्ता के अनुसार दोनों पक्षों ने वैश्विक एवं क्षेत्रीय परिस्थितियों तथा बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने भी अपनी पोस्ट में कहा कि चीनी मंत्री मा झाओश्यू ने पहली ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लिया। उन्होंने लिखा कि मा झाओश्यू ने उल्लेख किया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यापक ब्रिक्स सहयोग के उच्च-गुणवत्ता वाले विकास की महत्वपूर्ण अवधारणा तथा शांति, नवाचार, हरित विकास, न्याय और लोगों-से-लोगों के बीच घनिष्ठ संपर्क के लिए प्रतिबद्ध ब्रिक्स के निर्माण से संबंधित पांच सहयोगात्मक रूपरेखाएं प्रस्तुत की हैं। इनसे ब्रिक्स तंत्र के भविष्य के विकास की दिशा तय होती है।

गाजा में फिर गूंजे हवाई हमले, तीन की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में युद्धविराम के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। इजरायल के ताजा हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई है। अस्पताल सूत्रों ने मौतों की पुष्टि की है। सीजफायर लागू होने के बावजूद हमले और जवाबी कार्रवाई की घटनाएं जारी हैं।

इससे इलाके में शांति प्रक्रिया पर नए सवाल खड़े हो गए हैं और हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में हुए हमलों के बाद घायलों और मृतकों को शिफा अस्पताल लाया गया। अस्पताल प्रशासन ने तीन लोगों की मौत की जानकारी दी। इजरायली सेना ने कहा कि उसने रफाह शहर में अपने सैनिकों पर फायरिंग के जवाब में कार्रवाई की। सेना के मुताबिक यह युद्धविराम का उल्लंघन था और जवाब में सटीक निशानों पर हमला किया गया। करीब चार महीने पहले अमेरिका समर्थित युद्धविराम समझौता लागू हुआ था। यह समझौता हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को रोकने के लिए बनाया गया था। इस योजना को मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रस्तावित 20 सूत्रीय ढांचे पर आगे बढ़ाया गया था। समझौते के तहत बंधकों और कैदियों की अदला-बदली भी हुई। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर झड़पें और सैन्य कार्रवाई पूरी तरह नहीं रुकी। समझौते के शुरुआती चरण में हमास ने अपने पास मौजूद सभी जीवित बंधकों को रिहा किया।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले हिंदू कारोबारी की हत्या

ढाका। बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यापारी की हत्या की गई। सोमवार की रात यह घटना ऐसे समय में हुई, जब दो दिन बाद ही इस दक्षिण एशियाई देश में आम चुनाव के लिए मतदान होना है। घटना मेमेनसिंह जिले में हुई है। इसी जिले में पहले भी दीपू चंद्र दास नाम के एक हिंदू व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई थी। भीड़ ने उसे जीवित जला दिया था। अभी जिनकी हत्या की गई है, उनकी पहचान सुषेन चंद्र सरकार (62 वर्षीय) के रूप में हुई है। वह धान के व्यापारी थे और डाकिनकांडा गांव में रहते थे। उनकी दुकान 'भाई भाई एंटरप्राइज' बोगर बाजार के चौराहे पर थी। पुलिस के अनुसार, हत्या रात 11 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने सुषेन चंद्र सरकार पर तेज हथियार से हमला किया।

अमेरिका ने बांग्लादेश को दी बड़ी राहत

व्यापार समझौते के तहत टैरिफ घटकर हुआ 19 प्रतिशत, आरएमजी सेक्टर को फायदा

वाशिंगटन। अमेरिका और बंगलादेश के बीच एक पारस्परिक व्यापार समझौता हुआ है, जो बंगलादेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा और कुछ वस्त्र एवं परिधान उत्पादों पर छूट प्रदान करेगा और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ने बताया कि यह समझौता एक ऐसा तंत्र स्थापित करेगा जिसके तहत बंगलादेश के कुछ कपड़ों और परिधान एवं उत्पादों को शून्य पारस्परिक आयात शुल्क प्रदान किया जाएगा।

इसके तहत अमेरिकी मूल की सामग्रियों का उपयोग करके बनाए गए 'कुछ कपड़ा और परिधान उत्पादों के लिए भी छूट' दिया गया है। पात्रा आयात की मात्रा का निर्धारण बंगलादेश द्वारा उपयोग किए गए कपास और मानव निर्मित फाइबर के साथ-साथ अमेरिकी सामग्री के इस्तेमाल के आधार पर किया जाएगा। व्हाइट हाउस के बयान में बताया गया है कि बंगलादेश लगभग 3.5 अरब डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद करेगा, जिसमें गेहूं, सोया, कपास और मक्का शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 15 वर्षों में लगभग 15 अरब डॉलर ऊर्जा उत्पादों की भी खरीददारी बंगलादेश द्वारा की जाएगी। साथ ही इसमें अमेरिकी विमानों के खरीद का भी उल्लेख किया गया है। यह समझौता 2013 में हस्ताक्षरित अमेरिका-बांग्लादेश व्यापार और निवेश सहयोग मंच समझौते (टीआईसीएफए) पर आधारित है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक-दूसरे के बाजारों तक 'अभूतपूर्व पहुंच' के रूप में वर्णित किया है। अमेरिका और बंगलादेश ने कहा कि इस समझौते का उद्देश्य 'द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को गहरा करना' और दोनों देशों के निर्यातकों के लिए 'बाजार पहुंच का विस्तार करना' है। सौदे के तहत, बंगलादेश, अमेरिकी औद्योगिक और कृषि सामानों के लिए 'महत्वपूर्ण तरजीही बाजार पहुंच' प्रदान करेगा, जिसमें रसायन, चिकित्सा उपकरण, मशीनरी, मोटर वाहन और पुर्जे, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपकरण, ऊर्जा उत्पाद, सोयाबीन, डेयरी उत्पाद, गोमांस, पोल्ट्री, ट्री नट्स और फल शामिल हैं। दोनों देशों ने 'द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को प्रभावित करने वाली गैर-टैरिफ बाधाओं' को दूर करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें बंगलादेश, अमेरिकी वाहन सुरक्षा और उत्सर्जन मानकों को स्वीकार करने, चिकित्सा उपकरणों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) प्रमाणपत्रों को मान्यता देने और अमेरिकी पुनर्मानिर्मित वस्तुओं और पुर्जों पर प्रतिबंध हटाने के लिए सहमत हुआ है। बंगलादेश ने 'विश्वसनीय सीमाओं के पार डेटा के मुफ्त हस्तांतरण' की अनुमति देने और विश्व व्यापार संगठन में इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण पर सीमा शुल्क पर स्थाई रोक का समर्थन करने पर भी सहमति जताई है।

■ बंगलादेश लगभग 3.5 अरब डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद करेगा, जिसमें गेहूं, सोया, कपास और मक्का शामिल हैं

ओमान जाएंगे ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी लारीजानी

अमेरिका से टकराव के बीच अहम बैठक

दुबई। अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी।

इससे पहले ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच रहे हैं। यह दौरा ऐसे वक्त हो रहा है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है और ओमान लगातार मध्यस्था कर रहा है। इस बीच इजरायल ने भी ईरान को खुली चेतावनी दी है कि वह बिना अमेरिकी मदद के भी तेहरान पर हमला कर सकता है। बता दें कि इस हफ्ते इजरायली पीएम नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करने वाले हैं। इस बीच ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी के ओमान दौरे पर सबकी नजर हैं। दरअसल, ओमान ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान और वाशिंगटन के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत में मध्यस्था की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में ईरान की संसद के पूर्व अध्यक्ष और अब देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी और ओमान के सुल्तान हैथम से मुलाकात करेंगे। राजधानी मस्कट में अली लारीजानी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने वार्ता को अहम बताया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि लारीजानी क्या संदेश लेकर ओमान जा रहे हैं। बता दें कि ईरान और अमेरिका ने पिछले सप्ताह ओमान में परमाणु वार्ता की। रविवार को तेहरान में आयोजित शिखर सम्मेलन में राजनयिकों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संकेत दिया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करने की अपनी शर्त पर अडिग रहेगा। यह मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ विवाद का प्रमुख विषय है। इससे पहले तेहरान में एक प्रेस कान्फ्रेंस में ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने बताया था कि परमाणु वार्ता के अगले दौर की तारीख और स्थान ओमान के साथ विचार-विमर्श के बाद तय होगा।

■ राजधानी मस्कट में अली लारीजानी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे

ट्रम्प ने अमेरिका-कनाडा पुल के उद्घाटन को रोकने की धमकी दी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका और कनाडा को जोड़ने वाले एक पुल के उद्घाटन को तब तक रोकने की धमकी दी है, जब तक कि कनाडा को दी गई प्रत्येक वस्तु के बदले अमेरिका को 'पूर्ण मुआवजा' नहीं मिल जाता। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार गॉर्डी होवे अंतर्राष्ट्रीय पुल पूरा होने पर अमेरिका के मिशिगन राज्य के दक्षिणी डेट्रॉइट और कनाडा के ओंटारियो राज्य के विडसर शहर को जोड़ेगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कनाडा के प्रांत ओंटारियो को अमेरिका के राज्य मिशिगन से जोड़ने वाला 'गॉर्डी होवे अंतर्राष्ट्रीय पुल' को तब तक नहीं खोला जाएगा, जब तक कि कनाडा कि अमेरिका के साथ उस निष्पक्षता और सम्मान के साथ व्यवहार नहीं करता, जिसके हम हकदार हैं।